ASHA ARCHIVES 1641

आशा सफूथि
1.641
ASHA ARCHIVES

नमो [illegible] महासाहस्रप्रमर्दनीये ॥ एवं मया श्रुतमेकस्मिन् समये भगवान् [illegible] गृहे विहरति स्म ॥ आयुष्मता [illegible]
[illegible] ॥ तद्यथा आयुष्मता च [illegible] ॥ आयुष्मता च [illegible] नाम [illegible] ॥ आयुष्मता च [illegible] ॥ आयु[illegible]
[illegible] ॥ आयुष्मता च [illegible] कौण्डिन्येन ॥ आयुष्मता च [illegible] कात्यायनेन ॥ आयुष्मता च [illegible] ॥ आयुष्मता [illegible] ॥ आयुष्मता
[illegible] आयुष्मता च [illegible] ॥ आयु [illegible] ॥ आयुष्मता च [illegible] ॥ आयुष्मता [illegible] ॥
[illegible] मागधेन [illegible] ॥ [illegible] महाम [illegible] ॥
[illegible] महानगर्यां महा [illegible] महाकालवनश्मशाने [illegible] ॥ एवं [illegible]
[illegible] ॥ अथ [illegible]

[illegible] तेषां [illegible] ॥ पूर्वस्यां [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] समन्तान् [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] समन्तान् [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] महाराज [illegible] लोक [illegible]
[illegible] महा [illegible] महासमाजं [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] भगवान् [illegible] भगवतः [illegible] लोक [illegible]

2

॥ यो वै श्रवण वक्षीव … नानाय … क … स्मि ॥ सिद्ध वायव विक्रान्त मत्त नागय नाक्रम ॥ यर्वे [illegible] सर्व [illegible] स … निश्च … [illegible] नक … [illegible]
… [illegible] ॥ लीकः सङ्घ … मुनि गण … मनुष्याणां हिताथीय … कालतयस्थित ॥ … सर्वे … प्रकाशि … [illegible] यर्थ … मूलं [illegible]
… म ॥ … नाथ … म स्थामे धर्म … महामुनि … ॥
… भगवान् … [illegible] … महाराजानाम … [illegible] … मास … महाराजा … [illegible]
… हि … चितय मन्त्रं ॥ … स्महता ॥ … नाहि मानुषः … [illegible] … यदा … भगवन … [illegible]
… श्राव … स्मि … मता … [illegible] … लोकि … धर्म … [illegible] … ॥ … मस्मिन् … [illegible]
॥ समुद्र … महा पृथिवी … धर्म … [illegible] … त्रिंशा … कायानाम … [illegible] ॥ वा … [illegible]
… निह … नाम … मस्मि … यति … ॥ … भगवान् … महाराजा … [illegible] … महा … नाग … [illegible]
… तिह … नाम … मस्मि … कनाय … विद्यानि ॥ अथ … महाराजा … समा … सर्वं … समुलव … पृथिव्यां … नागा … [illegible]

मानाक भगवन् … सलि … भगवन् … अस्माकं … नगरा … नविमाना … [illegible] … निय … [illegible]
… यदि … निश्च … यति नाना … निचवा ॥ … कामस … सर्वं … विक नाम ॥ … मास … [illegible] … नाप्रमाद विहा … [illegible]
… दिशो … नामि … ॥ प्रय … मानाः … दानवा … दा … निका … [illegible] … नाम … [illegible] … विश्व … [illegible]
… भगवता … सत्त्व … यदा … यक … ॥ … ॥ यस्य … [illegible] … [illegible] … भगवन् … ॥ … [illegible]
… नानाना … वासा … विश्र … [illegible] … तस्य … [illegible]
यदि ॥ निद्रा … विगत … तस्य … ॥ … नाम … ॥ … मना … यानि … ॥ … मकय … [illegible] … नाहिन … ॥ … सिद्ध … [illegible]
जनि … ॥ … ॥ … ॥ … मिमि मिलाति मिज्ञा लिनि ॥ मन … स्वाहा ॥ सिद्ध … मन्त्रपदा ॥ … नाम … [illegible]

६

णः समन्तासनाय कासमूलवासमं [illegible] खवादक्षिणजानुमण्डले स्थित्वा [illegible] निस्थायाप्यथन रोगवांश्च नाशं लिङ्क वारगवन [illegible] मममामा [illegible]
ॐ हूं हूं यलकर्णं ॥ न [illegible] नमाये वायिन्दुवशानिधियायन ॥ अथ [illegible] स [illegible] वादा [illegible] यथा [illegible] यानवमूनथा [illegible] या [illegible] न [illegible] बा [illegible] बिसम [illegible] ॥ इम्भि [illegible] यवयाहा [illegible]
णोहिमं ॥ स्माय ध्येदे ॥ अथ ॥ नथ ॥ विनथ ॥ वदवनाध्ला ॥ वयल ॥ नथ वखन ॥ व [illegible] ॥ अस्मिन ॥ न [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] वगर्व [illegible] स्वाहा [illegible]
वासुमनान्नावस्ने स्वयाथि मक्षन वस्वाहा ॥ अथ विनुया [illegible] मंहारा कोष्ठ अस्मासनादकासमूलवा समगक्षि वादक्षिणजानुमं [illegible] गुलं स्थित्वा [illegible] निस्थाप्यथन [illegible]
वनमस्ममामाना रगवनमम ददवाचहृ ॥ अथ स्मयदि मदाकद करोगवन ॥ [illegible] नमस्ते हीनसाहं हूं यलकर्णं [illegible] विनवनीहथा [illegible] तिविशन्त्याधिभुक्ते ॥ मू [illegible]
न ॥ ङवलव ॥ ध्वयगाय स्थदीकग नरवक्ष्याथा ॥ इ ॥ गवामलिमध्या यिम्बासक्लिनमामम ॥ तत्र मक्षयदाम्नसि ॥ ओ न ना [illegible] णोहिमं ॥ स्माय ध्येदमू ॥ खखखम ॥ खलन ॥ खवल ॥ वलम ॥ खलमवर [illegible]
वलि ॥ वनसिवसन ॥ वय ॥ या ॥ कामिनि ॥ वियति ॥ विमिथ ॥ विध्वेथ ॥ डायाण ॥ समव ग ॥ समि हानिनि स्वाहा ॥ ओ [illegible] ममसर्वसत्त्वानांश्च सहीग्रहस्त [illegible] याचडवा विद्रु डकसमगहावाडस्म [illegible]

नवस्वाहा ॥ अथ विनुया कामहारा को ष्ठ अस्मासनादकासमूलवासंगक्ष वादक्षिणजानुमण्डलं स्थित्वा निस्थाप्यथन रोगवांश्च नाशं लिङ्क वारगवन [illegible] मामानारगनम [illegible]
विवद्धा दवन रगवेन ॥ नागसूयणीग्रहगृहीतस्म हूं हूं हूं यलकर्णं ॥ लिङ्कत खसनवायिडा [illegible] मानवच ॥ स्विय [illegible] लालास्म स्वयन स्वयूनः यून ॥ नर्म [illegible] वय [illegible]
विद्डीयतिमहास्त्रिरानिशायदनि ॥ तत्र मक्षयदाम्नसि लाकनाथ [illegible] णोहिमं ॥ स्मायथ्येदे ॥ क्रामम ॥ क्रकमनि ॥ क्रकस ॥ क्र ॥ कर [illegible] ॥ [illegible]
मलोनगलं ॥ समगल [illegible] म ॥ हुम ॥ मूलुक ॥ कलम ॥ क ॥ कलल ॥ हूं हूं वमिश ॥ विर ॥ अथ कगवमिस्वाहा ॥ स्वमस्तु ममसर्व सत्त्वानां [illegible]
त्वनवस्वाहा ॥ अथ रोगेवास्त्र वध्व सर्वविम्नाः यवि ॥ यतः यूनतः सिंहनादनवतिय ध्वलसम्यागमाद्वस्त्र वेगानय विशान [illegible] नाबिरसम्मा [illegible]
वशीग्रवलियाम ॥ माधा जिनथकनसरेन्मवलवाद नष्ठ सकाये सर्वसत्त्वानां सर्वविद्यार्थ लोब ॥ स्मायथ्येदस ॥ अथ सद [illegible] वनविरवा ॥ वलनिधामि ॥ [illegible] ॥ वज्र [illegible]
श ॥ दिनङविघस ॥ नवाग्रयाय ॥ अथणा ॥ धर्मायूक ॥ दिशि ॥ विघूष्ठ स्वाहा ॥ स्वस्त्यस्तु ममसर्वसत्त्वानां चथागतस्मनाम्नावदले [illegible] यथ नेव स्वाहा ॥ [illegible] नथ [illegible]

५

विमाअूस्वन्तः प्राञ्ज [illegible] ॥ मित्र [illegible] विधिज्ञाविनलीकृताः यता [illegible]

वावृद्ध [illegible] यथाग्रकालिनोवक्रिवसिवानिलद्याचिन ॥ [illegible] समाधि [illegible]

न ॥ गुह्न [illegible] न संयुक्ता ॥ [illegible] व्याकृताासन ॥ [illegible]

[illegible] विषयानि ॥ [illegible]

[illegible] समागम ॥ [illegible] मण्डलम [illegible]

[illegible]

[illegible] महावज्रा ॥ समागम [illegible]

[illegible] ॥ वज्रासननिग्रह विमा [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] मुनिनाथ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] सम्बुद्धि [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] विशोधयिष्यामि ॥ [illegible]

व ॥ [illegible] सर्वदा ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] मण्डल ॥ [illegible]

[illegible] मण्डल ॥ [illegible] ॥ [illegible]

मूतम्रकर्म ॥ वकुलो वालसमृद्धिनी सर्वलोकेविविश्रितं ॥ महासाहस्रप्रमाथन गर्दितायध्व राक्षसा ॥ [illegible]

[illegible] ॥ सर्वेतत्सूत्रयोगेन यक्षवचनयीडिता ॥ [illegible]

[illegible]

काः॥ वज्रस्याः काङ्क्षियाः श्वेतवक्त्रयादा शुभ्रमुखा॥ वहकावथ्येकगामिश्वकाय [illegible]

श्वरान्कासाः॥ नाम्रकगास्मात्र दन्तास्मात्रा कास्मायाः॥ नाम्रमूस्व याद [illegible]

श्वविह्वयोः सकलाम्बुखा॥ लम्बास्यावक्रदन्ताश्चयहस्ताह [illegible]

नाः॥ यादैसावाः॥ कगग्रीवा ऊर्ध्वकलसादवाः॥ मकवस्मा [illegible]

वीक्षिवर्षीणि भद्रमूर्ध्विचाल्मवे॥ केवयवकेयामाणमकुह [illegible]

थिमलाः॥ सूचीयोनासिकगाश्च वक्त्रलोहितम्रक्षिताः॥ नेत्रमानाविधाव [illegible]

कमालकाः॥ कललालाहस्त्यादस्याद्दचन्नाग्राणिनीवली॥ कुक्षिरीकलनाश्च [illegible]

[illegible]

नगी मेघवाहा नागाः ॥ पद्मकृक्षिनाव तानि हिडाजादि नन्दोपनन्दकिक्लिवि क्लाः ॥ मानसा नांगरानपमूसूगुल्फाकुस्यानप्रदः ॥ शमाक नथमूमर्नमेघूदयाक्राम्मुव्येमूवाः ॥ सर्वे समा[illegible] ॥ मिविय[illegible]नकाष्टि [illegible]
मध्याभाञ्जलिकवा व ग्मेराजनमाद्धस्तु ॥ सुमधी गिरिराज वज्रवाद्धे थेव व ॥ रू पश्चात्[illegible]याधायहिमनवरुग च मादन ॥ यात्तु पवित्रकृत व नाल यर्यवेक्रथ ॥ [illegible]
यत्र समाधिना ॥ वहुबुल्मयि याङ्किन्नाशायूप्योक्तरूमानसा ॥ द ॥ ववाटी सहस्राणि देव काटी गणानि च ॥ ददवयाः [illegible] नागाः कृताञ्जलिसंप्रगृह्य वे ॥ यव माः [illegible] दयाः [illegible]
काटीगणे नयि ॥ कन्याल्मूयापूङ्किमयावपादगन बीजली ॥ माग ॥ कः सूप्रतिष्ठित नागराज मनस्वि पि [illegible] नवन्दधूडतीनदायनन्[illegible] ॥ व ॥ इ नंद्र वज्र [illegible]
काक्रयकिय ॥ नागकोटी सहस्रे ति नीगकाटी गणे स्मृथा ॥ केव्या ॥ कु बीमहानागाः कृताञ्जलिसंप्रगृह्यवे ॥ नवि वन्द्राबुल्लवा यिनक्[illegible] वा ॥ विनी ॥ मूव[illegible] ॥ [illegible]
कागलमूपपूषुकः ॥ सुवीणामानकुहुमूमत्तपूवयगोपवन्द्र ॥ विनीयप्रत्यया शाललाहिताकृष्णमूप्पया ॥ विमलत्वमूवस्थपूक यिलाकपप्पवा [illegible] ॥ वृष्कत वहू मलायूसूवके [illegible] मर्दनकुमा[illegible]
दथाहडकायकाश्यूदंग ॥ वज्रयाणिमहायक्षो वर्मीयाल ॥ पपूगुनथा ॥ कपिल ॥ मृकगर्भो विष्कम्भिप्रोलकलसादवथकुम्भप ॥ सायपिप्यायिशीवकयडिनर्वथुं ॥ महल्पप्रामयेक्षकवैहवीक्रमेर[illegible] रत्नथ ॥ धम [illegible]

दानुप्रामहादव ॥ यम पपयप्त दृष्टमानपशादि संसैन्यकः ॥ हनिनाश्रावसीयक्षायक्षकादिमनियहः ॥ दावीगीवस[illegible]सैन्याद्रगिरिदावीरवरुणी ॥ जीमजू मामहाराज [illegible] नामवि[illegible] ॥ वस्त्रावज्ञालिकाचिन[illegible]
देवैः कालीयद्रमायद्रमाववीकथा ॥ पूष्यः शीविशालावश्रवकम्भिग्रीवो कसी ॥ वन्द्रनाविपुलस्थापिंग निधिंगलधिंगलाः ॥ वज्राननागाद कृष्णगिरि निल्लायद्रस्ववाः ॥ नक्रसीकुदवकाव वज्रिलाविक्कलाकथा ॥ म [illegible]
सह विरूपाक्षः ॥ पूल मूवपूयहावोधमवापवन्दगमानुयानू ॥ कृ ॥ कुपक्षपश्रीवकोवावक्रुधदिगादगा ॥ वकेन्ध्यमानाजरशीसाम[illegible] ॥ न ॥ सीवाकवयक्ष ॥ सिरवव समदयक्[illegible]
पकाविरूपाक्षस्समागताः ॥ नमस्कृत्य नू मवीननमस्कृत्य पूर्वाल ॥ म ॥ नमस्कृत्य मात्राञ्जलिकना व ग्मेराजनमाद्धस्तु ॥ ओम[illegible]गतानीदि[illegible]नी ॥ स्पृकृ[illegible] [illegible]
धृष्टकगेवराजुधानीमूनि स्थिता सभानमागत वर्नमानीकृमठवा ॥ प्रियः ॥ विविक्रितास र्वदेव हितावाहकगन्धर्वका प्रसत्यसु मूर्ति मानप्राबाना सर्व ॥ बलसम्भवा [illegible] ॥ [illegible]
वैप्रैकमर्कस्मिन्स मन्कादिक्वात्ययः ॥ स्थितावजयानायकाः सप्तहस्ता ॥ सवमिताः ॥ राजधास्तु कथ्यव कृ [illegible]मवक्त्रुपयं ॥ एवं [illegible] द्विनीयधर्म्यसीस्क [illegible] कुथम [illegible]
वदाप्रयिन ॥ विमाना निविविद्धाजासफूवल्लमयानि वे ॥ नानारत्नमयाद्दवाः नानायक्षनिकूडिता ॥ मानापूयम् सङ्क्ष्मा नानाम[illegible]नूलधना ॥ यक्षा[illegible] [illegible]

४ सर्वाकारवरभायनाख्रमयनिसानवाध॥ वर्म्मवादी धर्म्मकामानाविहितनिप्राणिनां॥ कवसंमविमार्ग्गकाविग्रकन्किरवक्षिणा॥ [illegible] ॥
विग्रवन्किवक्रदिशी॥ नगरद्वारसं [illegible] यडयानमूवनकूव॥ यक्कवाक्स हूतानीकाटीसहस्रकान गतान॥ सर्वीलानानथियामसूवकदन [illegible] ॥ [illegible] ॥
कायाजनीयाक्कटागा [illegible] निर्मितां॥ मूवघस्मरुवदवाद्विनी॥ थावीयमवेवराविडस्यहनीयसुवक्रथस्फटिक [illegible] विभवंवन [illegible] ॥ [illegible]
मादीसनसहुत्राणि [illegible] किकस्मि स्मागमां॥ विग्रवारुवर्णतुग्रे॥ षितिवेषवलीकृता॥ विविग्रगीनवाद्यमूगित्ये [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ग्रयलाभन्किसन्त्रसन्किदि [illegible] ॥ क्रियथमूवूयाध्वव॥ नथारावकदाविकामूनिनस्मलिनि [illegible] यानिगमाङ्गायनः [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नराडनी॥ कवलमामूषी लक्ष्मीमूढानीवीकयान्किव॥ थक्कविडस्त तालाथी वैवाकालकविग्रहा॥ कस्वनर्हकनीन्नि [illegible] ॥ [illegible] ॥
नी विग्रवाद्विविकिव॥ कडीन्कि [illegible] ान्स्वन्ननग्रम्भूमान्याडयान्किव॥ क्षावस्कद्ववांकवाग्रकामाग्निग्रसन्किव॥ मिताम [illegible] वयेथ्वहस्थानीवासरै [illegible] ॥

[illegible] नद्याग्रहयिणं॥ वामाल्वाडानिद्रुयणहस्थनवायूमीतकां॥ ड क्काकवलामगहस्सां॥ श्रृगालः स्ववरोद नां॥ विक्रमन [illegible] कोवि [illegible] वेमालयबूर॥ दिव्या॥ कमानचन्द्रधणकालनी [illegible]
कौविग्रानि [illegible] लयथूमथेभूव॥ गृहलानागवाणां [illegible] कन्किनग्रहा॥ मूलीहाजीविनांयंकृय [illegible] वलिव॥ [illegible] ॥ [illegible] विज्ञान [illegible] भूमीश्वि
४॥ विययानिधान [illegible] सवेथागोमूत्रक्का॥ यावनीयक्कनि लोकसर्व्वीद [illegible] यथा॥ सर्वसमागमान्के थिदिग्रायात [illegible] ॥ [illegible] ॥
कवरणयद्विकाथ्वन सन्निहा॥ लोकग्रधानकवणामूमिवा॥ स्थमहामून॥ वक्रु॥ वद्विसहत्राणियकाणा [illegible] वूणा॥ न [illegible] ॥ [illegible] ॥
नाथस्मनन्मूर्ख॥ स्माद्यथ्रवद्म॥ खड्ग॥ खड्गगरी॥ विवद्कणं॥ वक्री॥ वाडन॥ वक्री॥ वययक्ताक्षाम॥ नीलयवेनी॥ खवन [illegible] ॥ [illegible] ॥
वानाथइडलेव स्मान्किडिश्वाहा॥ वक्रवायाथडक्रध्वलोकयालामहध्वव॥ यक्क॥ सनायतयः सर्व्व [illegible] ॥ [illegible] ममाहुति॥ वैसं [illegible] ॥ [illegible]
गाथ्व [illegible] ननमनवंसत्वानाकसर्व्वतथायडवायसन्किन्हः स्वाहा॥ नमस्क पूरुसवीवनमस्क पूरुवा [illegible] ॥ नम [illegible] ॥ [illegible] ॥ ४ [illegible]

कर्त्ताविद्धकनस्यरथ ॥ मायवा विलनिर्घोषमघई द्रिगर्ज्जिता । यज्ञःवष्टिसहस्राणि गश्च वीर्यवाकसामुन ॥ लिखिताः सुर्वेदिस्फो [illegible] नमो [illegible] स्वाहा लोज्ञामिलावान [illegible] मूर्द [illegible]
[illegible] धावति । युद्धस्मनि । तर्जनि । प्रतर्जनि । विध्वंसनि । क्लिन्नसुयथ । सकल । सारथ्य । सावनति । शूलधनाशूलवाविति ॥ शुद्धसत्त्व [illegible] यावति ॥ सा [illegible] नमम सर्वसत्वानां [illegible] स्वाहा ॥ बुद्धा च यु
यगत्रस्थ्य लोकश्चालमहस्थवरथ ॥ यक्षसेनायतयः सर्वदेवी नीवसयूजिता ॥ ॐ द्रयूथीव गन्धश्च यक्षितिकूटकक्तुममाकूति ॥ तथा [illegible] [illegible] विलल [illegible] ॥ निहता सर्वयोगा [illegible] स्वाहा
मसर्वसत्वानां सर्वत्र स्थावर दवायस र्गे स्मिः स्वाहा ॥ नमस्कृ यूयवीरन नमस्कृयूकश्चा लमथ ॥ नमस्सामा भाऊ लितकनाथमौ [illegible] न ॥ [illegible] विनूरवश्थ्या मिथ्या [illegible] तिकथरा [illegible]
वेदिगीवसर्ववादयमई नः ॥ सर्वसस्य यक्षतय सर्वलोकवि नायक ॥ यज्ञःयष्टिसहस्राणि कुम्भाण्डा ॥ प्रतृतसू [illegible] नाः ॥ नि [illegible] यद [illegible] ॥ [illegible] मिला [illegible]
मासम्भूर्ध ॥ मया व्यथ द ॥ गान्ति ॥ ज्ञानवति । कान्ति ॥ कानवति । विकाली । किनिष्ठि । किवति । भननि ॥ वर्द्धनि ॥ भूमिपाचि चित्विवर्द्धनि भूमि पानि [illegible] हिमवतो ॥ धानि वनि [illegible] तन्यानां [illegible] ममस [illegible]
मा शिति सुवाहा ॥ ब्रह्माचायधर्मकार्यलोकपालामहस्थनाः यक्षसेनापतयः सर्वदेवा नीवसयूजिता ॥ ॐ मीयूथीवगन्धयक्षितिकूटकुममाकुति ॥ वीर्यतस [illegible] सामवीर [illegible] नव ॥ निहता सर्व [illegible]

सत्वानां ॐ स सर्व त्रस्था यत्र वायसमर्गे स्मिः स्वाहा ॥ नमस्कृ यूकसवीयन नमस्कृ यूकश्चालमथ ॥ नमस्सामा भाऊ लितकनाथमौ वाऊ नमास्तुता ॥ विक्रयाक्रामहाय ज्ञाय [illegible] ताऊ लितुक्लितथ ॥ मकासत्व [illegible]
कादथ ॥ महादेवादिमहासमुद्र महासैयाममहेन्द्रथ ॥ यज्ञःयष्टिसहस्राणि नागसीयक्षितिसुता ॥ निग्राययष्टिमेवर्गीयत यक्लितइ इवान ॥ नवति [illegible] लोज्ञामि [illegible] कनाथ स्म [illegible] ॥ स्मा [illegible]
बलिवलिनि विग्राम्भ विवसिग्गागथभवि कयिलि ॥ वसुलि तिनिलिविनाऊ नभवि वाविनि । वसुवति ॥ कूबल ॥ वस्सस्तुममसदेवेन्द्रा नाथयक्षिनायिकिगिस्वाहा ॥ ब्रह्मा चा [illegible]
हस्थवरथ ॥ यक्षसेनायतयः सर्वदेवानीवसयूजिता ॥ ॐ द्र यूथ्यगन्धयक्षितिकूटकुममाकुति । वीर्यतानऊ सामयामे [illegible] व [illegible] नव ॥ निहता सर्वयोगाया [illegible] सर्वसत्वान
यायत्र वायसर्गे स्मिः स्वाहा ॥ नमस्कृयूयवीर नमस्कृयू यूथालमथ ॥ नमः स्सामा भाऊ लितकनाथमौ वाऊ नमास्तुता ॥ सुथवुद्धा [illegible] समूल्कित ॥ ज्ञान [illegible] ॥ स्माद [illegible]
दस्युयाय ॥ देवगाऊ ऊ न [illegible] सर्वलोकचिकित्सका [illegible] पुत्रकागाथ्येव दिव्यिज्ञाव [illegible] ॥ याकाली [illegible] गन्धिका यहाथ ॥ [illegible] नाथ [illegible] ॥ स्माथ [illegible] वुद्धा वुध
मद्धथावत ॥ वकुश्वाथ ॥ वकवथ । स्वीय ॥ साथ ॥ भूद [illegible] ॥ हूंवतो ॥ भूवविद वति । शूथ ॥ व [illegible] सामवतममसद्देवानां [illegible] स्वाहा ॥ नम [illegible] लोकपालामहस्थ [illegible]

१०

तयः सर्वे हृष्टा जातीव च संवृत्ताः ॥ इदं च पुष्पवर्ग ... प्रतिगृह्य ... समाहृतानि ॥ वीर्येणानेक सांप्रत संप्रयुक्ते वैशालं च ॥ निःक्रान्ताः सर्वे शाश्वत ... [illegible] मम सर्वे सत्वानाम् ... [illegible]
कारुरुषवीन नमस्कृत्य भगवन्तं ॥ नमस्कारं कृतांजलिकः पयसि ... जनमानु ... वान्तो पिच्छाशागात्र ... ॥ सन्निपतितानां ... सर्वेषां ... [illegible] ... सत्वानां ... [illegible] ... प्रवायस ... योयायाम ...
॥ अथ भगवान् एनं ... वाचत ॥ नैव बाणं सार्थाय वृद्धा भगवन् ॥ नालाकं उत्पद्यते ॥ नैकं नगर निगम जनपद ग्राम क्षेत्र लाना यावद्यैके ... [illegible] ... सार्थाय वृद्धा भगवन् ... [illegible]
न ॥ अमित्र सर्व एकस्मिन् वा सार्थाय समावकस्य सर्वस्य ... सर्व मगधोपादिकाया ॥ प्रज्ञाया ॥ सर्व मानुषानां वायाः ॥ बुद्धा ... [illegible] ॥ ... [illegible] ॥ वैद्यविकित्सवा ॥
शाला तिव ... शुद्धि ... नैव सर्व सार्थाय नैव ... पर्युपलब्ध उत्पद्यते ॥ ... यस्माद्विशि वृद्धा भगवन् ... विहरति ॥ ... [illegible] ...
शाली महानगरी निर्गता यसंक्रान्ताभिर्ये ॥ एवमस्या वैशाल्यां महानगर्यां महाजनकाय ॥ स्नाथ ॥ ... विपति वृद्धकाय ... ॥ अथ भगवान् ... [illegible] ...
सितावति ॥ सार्द्धं ... तान्यवेतादवतीर्णं ॥ अथ ... सहायति ॥ यथा मात्रा लिदिव्यानि ... भगवताददिदिभाययनामितवानु ॥ उपनाम भगव ... [illegible] ... ॥ ... [illegible]

वानामितः ॥ यथा मात्रा लिदिव्यानि ... गतान्मादाय भगवताबामभायनामितवान् ॥ उपनाम भगवन्तमेतदवोचत् यमान ॥ स्थिताः ॥ वत्वायि महावाहान ॥ ... [illegible] ... निष्क्र
दाय भगवतः ॥ यस्य ॥ उपनामितवन्तः ॥ उपनाम भगवन्तमेतदवोचत् यमानाः ॥ स्थिताः ॥ महस्पर्शायि ... [illegible] ... यत्कामहानमा ... [illegible]
यवि वानाथा वक्तव्याः ... दिव्य ... उपयना मितवन्तौ वीजयन्तीव स्थिताः ॥ एवंरूपयमाला ... [illegible] ... अथ भगवान् ... [illegible]
शाली महानगरी निःक्रान्ताः ॥ अथ ... वैशालकालि ... भगवतो ... वागच्छन्त्या ... ॥ ... [illegible] ... मानसं ... [illegible]
यनमाल ... सर्वमस्य ... जितेन्द्रिया नाग मिव ... कृतमिवाच्छ ... अनाविल ... मलकन्नगर ॥ ... [illegible]
चित्रकधागम ... शाला वाजन ... ॥ सूर्यो वा दिवा ... ॥ यत्र ... ॥ ... [illegible] ... एवं
भगवान् ... प्रतिविशाव ... वैशालका लिछवयो भगवन्तं ... यामासुः ॥ ... विला ... अनुवैशाली महानगरी ... [illegible] ...

अयन्ति स्मा सं मार्जयन्ति स्म । पूयावकीर्णेश्च कृष्टि क्लिस्म उक्लित विविदित तत्र यत्र दामयघण्टा तत्र वज्रयन्त्राकं नानागन्धनिर्धूपितं कलशा । यान रागवासन्ना यसं क्रामन्ति स्म । उवसंक्राम्य से ... व ... ः याद स्यानि
स्म ॥ अथ भगवान सहस्रावचक्रवृष्टिविलिखित तपलनश्रियया क्लिष्टत्वगरसू उमावण दृष्टवृ यचिकलद्धलोय विमनतपूर्दशिवाकरकिरणा णातियक्तत्र राणप्रशान्तवकूव स्मिशातसहस्रनिर्म
वोधगात यासितिद्धवीनां गिवासिय विमावमोत्लायस ॥ मनुष्याक्लिस्मा मारोत्वं मा रोत्वं माय ग्रिस्थाह मत्पागमायुष्माकं भवा वृत्वान्या मृयादाय । अनुतं रोत्ला नमरि सेवूक्ता ॥ स्मि सर्वे सं
नायक्तिनायसूरवाय ॥ अथ भगवान्वैशाली महानगरी विगस भवसमयामवतॢ वीलमवद्वस्य चत्तुर्दिशमवलां हस्पूवर्पु वर्णवाक्रमस्रमायडकमार्दिश्चविवर्चिरिभावाव ॥ अथ विन्त्य
मकालय प्रिम समयस मैयकृ लमा क्लेथागतर्वावीर ॥ वाङ्गिपडयिवक्रांति । ॐ नीचमहासाहस्रप्रमर्दनीविद्यायाष्टीसर्वग्र हप्रमावनीयं यमीत्रयोयैर हूतेमभाषिकनायस्थानानि थि
गतानामहितासम्भ्रान्तवृद्धानां बुद्धमुद्रा रिद्धरिक्षणामपासकायासिकाउच्चलाभ्यक्तियानयिय्याविवायिय्यान्तिदिशायिममक्तियसैवा मभक्ति । तमासिसर्वेदं निरत्या यडवाय सत्पोषयोयासा । कालिकालहर
प्रहविवादान्मूलकरा । येथ सन्मायाय मर्गांक्तगलाधर्मानिवृत्तिमिश्रीकि । सूक्ष्मारविप्राणि । सर्वे चिहरणकसाः ॥ एवमुक्ते ब्रह्मा सहायपि देवगणस्तथ्यवाच हु । का न मासायदना ? भगवन् महासाहस्र

मविद्याराज्ञी सर्वग्रहप्रभावनीया भमीप्रयोग्या यागमाषिकनायस्थानानि कथामकानामहितासम्भ्रान्तवृद्धानां वुद्धमुद्रा । एवमुक्ते भगवान् ब्रह्माणं सहाम्पतिमेतदवोचत् । कतिप्रिये तथा ...
सिद्धिनुगाविस्यहतां । अनेकं कोटि ब्रह्मा सहायति देवगणाः प्रत्योतीविता भगवारिअन्तदवोचत् । स्मा अथ र्द । श्रूपत्ना मवत्ना । साय मवत्ना । प्रकातिवचमाम्रकालिनिद्वाभिः । समवस्तुपूर्व । सिंह नरावन ...
प्रलनं । यानद्वमि । सातमनको । साववविन । वलमालावल । महानिरीसहाता । तत्रदमुष्य कावगतानुस्मृति । समथविपश्य । ग्रामाननदिक्त्रयः समाधयश्च । वज्ञाचावइः । ऋियाडाश्च वज्रावसमेनद
पाणिभवज्ञाविसम्यक्परस्यस्थानानि । चत्वारि ध्यानानि । च त्वारि आयतनानि । यत्वारि नियाणिय च वलानि । चत्वारिस्थानयश्च स ज्ञानयोनि । आयोक्षा मार्ग । अनववृद्धबोधितात्ममानासहत
यश्च दशतथागतवलानि । एवादशअविमुक्तायतनानि । द्वा दश अङ्गप्रतीत्यसमुत्पादः । द्वादशाकारधर्मचक्रम् । षातगाकावाचूना । वानुस्मृतिः । बुद्धाद्वदशादशाणिकावुद्धधर्माः । हावन्निमदश ।
वालि । ॐ यतोशब्रह्मणा महासाहस्रप्रमर्दनी विद्याराज्ञी सर्वग्रहप्रभावनीयं सूत्रेगाभाषिकनायस्थानानि तथागत महितासम्भ्रान्त वृद्धानां बुद्धमुद्रा । बुद्धनिर्हीवश्च । धर्मो निर्हीयश्च । संघनिर्हीवश्च । ब्रह्मनिर्हीयश्च । अन्दनिर्ह ... ।
सोकपालानिर्हीवश्च । आग्नेयनिर्हीवश्च । शक्रनिर्हीवश्च । मार्गनिर्हीवश्च । प्रतीत्यसमुत्पादनिर्हीवश्च । चन्द्रनिर्हीवश्च । सूर्यनिर्हीवश्च । प्रकृतनक्षत्रनिर्हीवश्च । स ... थर्द । कालकसिमा विथचलि । ववपाशानग्न कुसुमबोधा काभावाइ

१२

तिसवनकालि । भकालि । वाशिवस । तत्तगोचरकसख । समकस्राश्च । गानयाय । स्कन्धयाश्च । स्कन्धमस्वाहा ॥ सूर्यरगवांसस्मांश्च ला यामि मांगाथाश्च तावत ॥ ॐ मस्मि लाकयथि मस्मि वायून ः स्वर्गे भवा स्तुवरा । तारा । ह्रि
समास्फन्नेवहतथागमन दवातिदवननय हमन ॥ तस्मादिदं यत्न वचैत्रणातेभगनेन सत्येन ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ⁂ ॥ कथाविना गोश्च कृत वरिस्कन्त । श्च ज्ञ यशोङ्गाञ्छनुनिध्रुवसाविनः ॥ धर्माणानन नेसमा स्कि कृह्रि
नडाग्नेनसू सस्कतन ॥ तस्मादिदं यत्न न चैत्रणातभगन [illegible] नॐ हां हूं स्वाहा ॥ ॥ यक्तुच सि द्वि विषिनच्छ्र काशिति डास्त्रासदा कुकृतथागवाहकं ॥ समाधिनातनसमानविद्यते ह्रुज्ञायुः
ह्रयमागदशिना ॥ तस्मादिदं यत्न वचैत्रणातभगनेन सत्ये नॐ हां हूं स्वाहा ॥ ॥ कूट्टोमहायूमलथथ्रश्चक्र ः स्यामानिचहापि चुगानिचैव ॥ नरक्रिणा ॥ युगतनगतमसधिणाह्न
ञ्चलनः ॥ प्रस्कंध्रतानेरुवतमहाकूलं वीजानिच्छ ॥ नियथासूक्तः ॥ ॐ दैत्रणातेवचसंघयतभगनेन सत्येन ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ॥ सूयस्य नानसादर नडयस्मिकमीगोलका
लीहि ॥ तथायिशांफाकूयतेविगाक्तनमानूभानिचैतिमाभूवति ॥ ॐ दैत्रणातेवचसंघयतभगनेन सत्येन ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ॥ सहूयथामादि रवडनिस्मत्रयुध्य[illegible]चायूमयकिं [illegible] ॥ [illegible] यदा विचिकिल
तद्रहदर्शनमायैता च ॥ ॐ दैत्रणातेवचसंघयतभगनेन सत्येन ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ॥ नेजाङ्गरूष्यांहि विधे हियांयेकायनवाचामनसाथ धामि प्रजन्न नीये स [illegible] नसस्य हलानन म ॥ ॐ दैत्र ला

घदत्त्वभगनेन सत्येन ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ० ॥ याथन्तु कीलत्य थिवी ग्रहि स्थितं स्वर्गेदिं वायूहि य यक्ष कच्या ः ॥ तथाय मा ः यूस्मलम क्रिसिद्ध यत्न्नायैमाग स्मवनसमदार्शन ॥ ॐ दैत्रणातेवचसंघयतभगनेन सा
हूं स्वाहा ॥ ० ॥ यज्ञायैसत्यानिविवाक्षिपति गंगाय धर्माणमूलक्रिमानि ॥ वायव दानसः मनस्मृकता न त ः सर्वेकल्पमवाचून न्ति ॥ ॐ त ः मणातेवचसंघयतभगनेन सत्येन ॐ हां हूं ॥ ॥ सूक्ष्मीमदायूः
श्चत्र सस्क ः स्यातानिचस्त्र विद्युत्यानिथवामदक्षिणा ॥ यातू गतनगीताः ॥ मरुधिणास्मत्रातेचूमलनः ॥ प्रत्यः प्रदानेसर्व तीमहाकृतंनीज्ञानिनमस्तानियथा यक्षीत्र ॥ ॐ दैत्रणा
वसंघयतभगनेन सत्येन ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ० ॥ सूक्ष्मिर्यं थावाचूनसाहिनसा स्नूहूगतानेवच यति रिसाः ॥ तथ्येवसयांहि न्दसिमैकां गदर्शनीयाहिन्दिवुद्धशूनाः ॥ ॐ त स्वाहा ॥
वसंघयतभगनेन सत्येन ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ० ॥ यज्ञमम स्थातनथेवस्कवचारूसर्वसत्त्वाः सूखिनारुवङ्गु ॥ गास्त्राचमत्रञ्छ ॥ यदवयज्ञचुद्धन [illegible] ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ॥ यज्ञ अमा
तथेवस्कवचारूसर्वसत्त्वाः सूखिनारुवङ्गुगाक्रविवागनवदवयुहं धमनमस्यद्य ॐ हां हूं स्वाहा ॥ ⁂ ॥ यज्ञमम स्थातनथेवस्कवचारूसर्वसत्त्वाः सूखिनारुवङ्गु ॥ गन्धानमप्यन्नवदवयुहं । गंदान म
ॐ हां हूं स्वाहा ॥ यानीह भूतानि समागतानि स्थितानि भूमावथवान्तरीक्षे । कुर्वन्तु मैत्रीं प्रजासु दिवा च रात्रौ च चरन्तु धर्मम् ॥ यानीह स [illegible] नि माहि । मनिः समलवादीचिभूनस्मानि ॥ तनी न स्महान

१३

कहा कुरु स्वाहि ॥ मूच कुरु सर्वदुष्ट महा रुग्य स्मः स्वाहा ॥ [illegible] ॥ आयुषे थेई ॥ विच खिविच ॥ चल निर्घोष ॥ चलस्वाचा साच वन ॥ सुरुत्पय दन प्राप्त ॥ आनन्न ॥ शुद्ध याच ॥ साच दक्षि ॥ मूच कर ॥ वलवात ॥ सुरु स्वाक्ष ॥ साच भ्रम ॥ [illegible]
सूर्य निर्घोष स्वाहा ॥ इत्यार्य महा प्रज्ञामान महासाहस्र प्रमर्दनी नाम विद्याराज्ञी सर्वग्रह भय विनाशनीयं सूत्रं गनासिकता धुःखा नानु कथा नमता नान हर्ष संयम्य क्षी शुद्धानि [illegible] मुद्रा ॥ बुद्ध यदा ॥ [illegible] ॥ संघ यदा ॥
कल्प यदा ॥ लोकया लय यदा ॥ ॐ अश्वन यदा ॥ महर्षि यदा ॥ यथ्य ॥ हि यदा ॥ आयति यदा ॥ भूमि यदा ॥ हेतु यदा ॥ प्रदेग यदा ॥ निर्देग य दाशु ॥ [illegible] ॥ संयम [illegible] प्रयोगकर्तृ [illegible] ॥ आहि [illegible]
लोक्राक्ष दृः ॥ प्रसेसिता ॥ शुन ॥ इनि ताला काया लेः ॥ नमस्कृत ॥ ॐ स्वश्वल ॥ भ जिन सर्वदर्शः ॥ वनि लिथा गाना विश ॥ भ्रहिन ल्हि नाय ध्विनि ॥ थ प्रसेसिता प्रति [illegible] लोका नात्म [illegible] ॥ गदव [illegible]
विकि ना स्त्र नवोद्ध प्रसेसिता चार्द्ध [illegible] न लोक न [illegible] ॥ प्रविहाना ॥ डयान्त प्रत्य कनु हानी ॥ नियोन ध्या व कालौ ॥ भूयय्याय [illegible] ॥ नानः ॥ आवशालो [illegible] ॥ प्र मौद ॥ [illegible]
दशादन मनुसंयगल्याना ॥ सन्द गन मायमाग [illegible] ॥ विच नमोभाक हाना नानु ॥ रुद नसक्काय हृष्टी ना ॥ प्रयान्न मानक्ष लेस्य ॥ सीसा मदसन्नाच समृद्ध साद ज्वालन समस्त सन्मानः [illegible] ॥ हृदनी [illegible]
सस्य ॥ डक्रा सती माय घ घेदः ॥ कीलनी मान वज्र तिस्य ॥ डक्रा वलीकृत सीग्रा माहे ॥ धवगनी निर्धातान गय ॥ निक्रम सी सीसा न श्रृहादि हि ॥ आयुषे थेई ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ अथ प्रसय ॥ विपुल प्र [illegible]

लिहि कचीला विधाय वानि ॥ शुद्ध सावन ॥ वनू लवनि वासव ॥ विरूपाक्ष ॥ विषम भ ॥ वस्तु यानि ॥ पूज्य मोगर्न ॥ ममम सर्वसत्वानाय सर्व [illegible] स्वाहा ॥ [illegible] ॥ [illegible] य स्वाहा
महासाहस्र प्रमर्दनी नाम विद्याराज्ञी सर्वग्रह भय विनाशनीयं सूत्रं गनासिक ता धुःखा नानु कथागता नाम हृ ता संयम्य क्षी बुद्धानां बुद्ध मुद्रा [illegible] या मुद्रया मुद्रि [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] नुतानि
वौ ता पूर्व प्रविष्टः ॥ यस्यार्थाय गंगासिकता यस्य ॥ सम्यक्संबुद्धैः श्रावक बुद्ध प्रत्येकबुद्धैः ॥ सम्यक्संबुद्धा ॥ [illegible] ॥ [illegible] नायाः ॥ यथा
सिता बुद्धस्य [illegible] ॥ याचामि नायथि पूर्विः ॥ साविका वाविसत्त्व यथा साविता वाधि ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
दायानि ॥ शक्र ब्रह्म देवानामिन्द्र चत्वारश्च महाराजा ॥ नः ॥ एक वालोक मेरि [illegible] शगवन्त नमस्त्रमा नानुवः ॥ [illegible] महासाहस्र प्रमर्दनी [illegible]
सर्वसत्त्वाना बुद्ध मुद्रा [illegible] ॥ मुद्राम्बयपिध स्याम ॥ महासाहस्र प्रमर्दनी ॥ तस्मान्नि सर्वसत्त्वानि मुद्राया मुद्रिता यया ॥ अथ मनुष्या ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] आमि ॥ [illegible]

ब्रह्मणा नेमिना । गक्रोल वाति मामू ग्रीला कृपालेध्व मुक्तिना ॥ ❀ ॥ स्मायथ्व द ॥ कलिङ्गि ॥ रावद ॥ द्धा [illegible] ॥ [illegible] गिरि ॥ मालतिनि ॥ कुलं मिद्द हा ॥ त्रिकूल
॥ यिकूलम ॥ हु हु हु हु हु हु हु शू हमिव वज्र वनि हु स्लिन ॥ नव व मति विकुलि लिव नमे ॥ व वाव व स्वाहा ॥ ॥ कास्यां स्वकु [illegible] नीविद्यमानास्मीं लाखमालानि [illegible] सादकु
१४ लोकधात्वः यदि कान मकन्य ॥ दिद्व विनिद्ध हृता गतियद्धवावंसेनिनामः एकूष्टः ध्यायिपाद्धा । ष [illegible] सूक्ष्म हृत । लोत [illegible]
नाव सन्नीताध्व सर्वमा ॥ कूवगाः यालिहृतानां सा वैषामघ मस्वराः ॥ नव कृमीनि मीदकिसं यु यथालिङ्गः ॥ स्वराः ॥ शुधकगात्रं [illegible] लिविकड्मा [illegible]
वकुकिंग्रयलायेकि ॥ कूथव त्वासाम हा वाजानथ्य कुदिङ्गं मिकालानीकुयिकालार्के धामतिनि मिकवनाः ॥ त्वाकं ॥ धलिवावनि ॥ कुथ वुक्तसका [illegible]
जिनिर्मीत ॥ नव सद्भूतालमा कुंविकयसं यपिधावन्ति ॥ कूथस्वंगक्राद्ध वानामिद्धः । स्मि रिवग कि कुल नामव वृक्ष मवं [illegible] लिङ्गवक्षीकि ॥ नवि स्म यन [illegible]
यक्ष: ।नसद्दश्मानि सन्नि मतिनानि विद्या सायहतानि कृता वर्षानमहविधीहकि रुगवत: यादश्या: गिवांसिनि यालावु वन ॥ रा वसद्वाहि तानु कन्धीधवत्ते [illegible]

कूथ रत्नपूर गवांसंसुक वांनैत्रा सुवकि स्म । गिव्याय हृणया कावयामासायागति माकृया कानीयि लघा नीनावस्यागति ॥ कूहितां घाय कल समाधि संघ रत्नानयागति ॥ [illegible] विलि [illegible] नाद्भि [illegible]
साव । नांगिति यि तियव्यसयदि मुड्रा द्विय तमहि ॥ सुरूपाव पूदामूद्रा सूङ्किस्य वमञ्जरी । सरूप्य यक्षव लालवि माता रुव महि ॥ सारूद्रयम हूनिसूत यद्दि डिनरा [illegible] नां [illegible]
स्कुयावयं ॥ नव समथनविंशाल्यां महानगर्यांम वेङ्कितिरथायद वायायासां श्रयितिसुग्र्या: ॥ यक्षनाद समनु ध्यामनुया: स्वकिद्धिं नावनमातिव [illegible]
लिकूवयथ सर्वशागव्याधिस्थाविनिर्मुक्ताः सर्वसौ ॥ समर्पितावृक्ष: वलयुगाद नसमव्रागता ॥ वहूवु ॥ धर्मसैध वयुगाद नसम व्रागतानि कृष्ण ॥ सर्व [illegible]
शुशालि वामहाल्सवनविहवनाः ॥ हसंशुकसारिका कोकिलमयूर चक्रवाक कुणालजीवंजीवक यद्धिगणा मधुर किङ्कडक्रि म [illegible] गणकायथीस्ताः सा [illegible]
॥ कूशादिता निचवत्रासाशानि वणन्ति स्म । शुवीणसमृद कनवबवीणा वष्टानर्ष यथा साल्वनल्सधिताणवयवाद्यन्ति स्म ॥ दाडिमविद्धामलकयथोपाद्क सदा [illegible] ककुवसाल [illegible]
त्र्यकहुजानानागथा प्रमुक्ति स्म ॥ स्ववसहप्रेश्वहोहोकाः संप्रमुक ॥ कूनकीवाक्य वुया वचीमशियवृद्धी । कुमानुषध्यगश्चालाकीयाहृदुकिव ॥ ❀ ॥ कूथव तावीमह [illegible] वाकूतथार [illegible] नाभ [illegible]

१५

।ꣳ मरुदस्का भगवन्महासाहस्रप्रमर्दनं सूत्रराजं सर्वयक्षप्रमावनीयं बुद्धमुद्रा धर्मोपमांयय॥ कथिञ्छिद्रा यदयवियरुहोनः का घायथावाडकक्षवावधिवाद गायन यचनमालिलिलायबुद्धि
धावयाद्यानि॥ नसमस वडँकहयंयरुवायेसगोयायासा वेव कलिकल्तहविग्रहरुग्धुनविवादयावलीसूत्ययापकाऽऽकुसलावमानानिक्रमि कानि॥ कय; रोवि धानिवाधिद
नवाहुःसासी मावत्वयिकु कोमनसुस्रात्वनप्रिमलेह केनययद्या मिवय विरुङितन सर्वमानुषसिक्रा यदयविमस नन सर्वेसल समविकलनवसूरु रुव रास्कनयर
निगमस्मसाटक कुलानायगन्तसं कारकुटानिकेवा सय्यसायाघाऽऽयानायुष्यावकाप्तुन्वबलाकलानानागर्व पूयपाकव्या॥ वहुदिस्त्ववक मग्न॥ संबोध्य
ना॥ समस्तहस्ता॥ स्वायथितव्या॥ वलाघायप्त॥ चलावि: वलहाऽनानिगन्धादकयूयस्य रुल यविसूर्ष्ठानि लहयधिरव्या नि॥ यूवकिकालसमयडरुसदर्शनि
वर्हियितव्या॥ यलयष्टिक यासूर्द महीयितव्या लिखिवावाविकयासूर्द्धि महावेलासूमहानुद्धि यूमहाधऊयूयोक्रा यथिकव्या॥ नानायुष्पनानागन्धवर्त्रमङ्क महीयितव्या
देवतावैविद्या म्रावर्हियितव्या॥ एवंयासु: यनिमाचिताहविष्यानि॥ एवंऊनयक्षराजधानीय्वान विहामदवज्राव्वहे कुशालाद्यहरुल दनिकायामनोनारा ॥ अधुगकुलाकालारा

ति यः द्वामिधुक्लाय्यूद्यावकोद्वाचवरणाम् वादायऽटाल गोरुना नानागन्धयधूपिताः हत्वा सर्ववीऊानिमधिमानुद्धायिवाचतुर्दिशं प्रक्षयूव्यानि वक्षदुव्यानि॥ नानारीय
हु लिकानवेमनीयानि॥ तियेष्यानिमनानिनिक्षयूनः यवरायितव्यानि॥ विद्यावावर्हियितव्यानि लिखवाग्रन्थ यित्वाथाद्ध मूर्याय युक्तनीशाद्यानसपूरन होदसघावुक चिवरवाम
मे कर्मवयोगेवावावा यष्ट्रतिविर्द्धवाहक्र प्रतिविन्द वावक्षमहाराजय्यतिविर्द्धवायनशुमूदां कवाद्ध यथितव्या:॥ नानायुष्पैर्नानायूपे नानागन्धैःसुक्रवक्रुष्टमैर्वा
ऊमहस्वचययक्षसनायनियक्षमहानमहावीतीना वऊनाम्राश्याणपितानाधूजाकहितव्या॥ ततापावमसेय धनिय ध्वनवक्षैर्व्वैर्नामसर्वसत्वानाम सर्वसत्वेन
सर्वव्याधिविःस्रानस्ययाननयानरक्षक मूयनामय नाल्ष्यविद्यामावर्हियितव्या॥ विवृद्धवा योसवृद्धस्नामयानीयं दुदिशा॥ राऊनानिससनीयसत्वानि
हानिनिमित्तस्त्रैषा मुनिनाराऊनीलमः॥ रहीनयाजिनागाल यक्षमम्हजायम॥ एनममस्यवायनगुमृनि मनकु॥ अमरे॥ हावाहीच महादेवी गुह्यायक्षं ममहीगा
सेवक्षमम्हजायम॥ एननमयनसस्यवाक्षनाहुवल्यवूजायहा॥ सर्वा ममहरवायिरुनकुमक्रमोवरं॥ वियायिबुद्धनऊन लिलिनम्थवानेव॥ विघ्नकृसयव कुऊक्षनम माविन

नकाक्षस्य ज्ञानं न शक्यां वेकाऽथयथ्यव ॥ गा ब सिद्ध स्य वीर्येण रुवब्रह्म सोमब्ध्नु ॥ क्रवाहु वीमूर्ध्नि श्यानं देवब्रह्म सूयनामयन्तु ॥ ॐ मां यालि न म विद्यां न म्नि क्षीलडु [illegible] ॥ स्वाहे थदं ॥ [illegible]
विलट विमल विलीववल वलवनवस्तुवन ८ण शून्य निर्घोषे स्वाहा ॥ यान गाठ विल सठ था गाठ [illegible] निरहा सर्वे [illegible] गा थ्य मम सर्वे रा । सर्व काखादि वनाल [illegible]
१६ मे मूतन चुरुयनलि या वो ह्री ना ग्राय हू ह्न नमू ग्राम न मूरू विनि न युष्याव कीर्णा ना ना गच्छ पूयि नाथ वनं ग्रावा उ रुय या [illegible] सवद ना [illegible] सर्व वीर्य्यानि व [illegible]
पुष्पक्ष्यानि । श्रीव पुष्पक्ष्यानि नाना वस्त्रानि व मूल लिङ्गस्तु सुवा शूल सुवा कुम्भ सुवा काद सुवा वथनीयानि सर्व मूलानि सर्व पुष्पानि नाना गन्ध [illegible]
पुष्प धूप श्वक्ष्यानि । यस्य काऽलोदं द्वह रुवनि नस्या । नमू रू कीमा वध शरू ८ श्रु विक्षाय नीयी गम्श्रु लगम्यू दं क्षिता शूऽयीय के रुयी । [illegible] मद [illegible] नारू [illegible] ॥
प्रस्य कवृद्धाय वृद्धा नी श्रावका यथ्य [illegible] लोकया ला थ्य यक्ष सनाय निस्व नाः ॥ तथाय रूा महानं या हानि निव सयुक्ति काम वीर्य नजं सान साव काउ क मे [illegible] कि [illegible] नवक्रनवा निवक्ति [illegible] ॥
दार कः ॥ वाजनसा विमाम या रा क्षथण वल स्थमो [illegible] नम स्व वाध्वन कालोदं कमोद स्क गी ॥ नानाग न्धेन तथा पूथ्ये निर्भुमा सर्वे याय काः ॥ यथा ॥ कुमहा [illegible] लि ॥ इ क्लि नि ॥ गवलमाय

[illegible] ॥ [illegible] ॥ धुगाक्ति स्वाहा ॥ यावनि स्वाहा ॥ प्रवाव निस्वाहा ॥ गाग्वव स्वाहा ॥ घलक्ति निस्वाहा ॥ सर्व कास्वाहेदा नवनाउद्धदनि स्वाहा ॥ [illegible] ॥ सर्व [illegible]
डोमकिमन्त्र विषथामाः मर्वेद्वेद्धदि नाशदि ना ॥ यवाक्ति नाः स्वाहा ॥ गलगण्डवैस योनि म [illegible] नाद गण्डु पिटक कण्डव विसर्पी ज काल्य जि भाय यि स्तु का मनसू [illegible] रस माला दम [illegible]
न इष्ट्ये विशाड दाह रूक्षा गतज मास वेदु हाना यिलक जिन कसा ॥ नूह नाक्ष वबवीर्येण सर्व या मन्त्रा नि जा ॥ सकूया । शा निक्षम [illegible] ॥ [illegible]
का थ्य यथ्य वूर्न युलोः ॥ कोष्ठिन्य द्व वैया धाव ज्ञान्धु । स्थ ननव यमो याव ब्रह्म देव नेश्वर्थे नमस्तु गा ॥ विषयाला कयालानी [illegible] नमो [illegible] सी [illegible]
मावसन्हि या ॥ वीर्येण गज सान मान्विष मम्बृविवंस । या ॥ नक्ष मन्त्र यदा नाक्ति निर्विषा विमह वलाः ॥ ॥ स्वाहा [illegible] विवक्ति [illegible] ॥ सूम [illegible] ॥ [illegible]
कयूथ ॥ हूस इ हूस । खस खस खस । मनुगरु न स्वाहा ॥ नूमूक्त स्वाहा ॥ हिल स्वाहा ॥ मिल स्वाहा ॥ हनङ्गा ज्ञाकिला गाश्च वैसयी थ्य विवस्त्रि काः ॥ [illegible] ॥ सुगा [illegible] विसयूमी ॥ [illegible]
हृस्व वनलाक त्र्या विसाः ॥ निर्विषा रुगवा सूद्धा वूह्न नजा हनविषे ॥ नागोद्व वयश्च माहस्य गन्धलाक त्र्या विषाः ॥ निर्विषा रुगवा [illegible] विषे [illegible] पारु थ्यन सांकि [illegible]

१७ निविघ्नात्मगमनं सं घः संघगणजाद नं विधी ॥ विमलप्रभ पृथिवीमाता विमलस्य पृथिवी पिता । एतेन सत्यवाक्येन विषाः सर्वे निर्विषाः ॥ [illegible] मति विषं [illegible] स्वाहा ॥ अथ [illegible]
लह विग्रह विवाद यन चक्र [illegible] यथा अपि तु कामन पूर्वमना [illegible] मुद्रा [illegible] ॥ ॐ मम महासाहस्रप्रमर्दनी [illegible] बुद्धनाम [illegible] धर्मता ॥ संघन
र्मा [illegible] ॥ अपूर्वं [illegible] सामा वे नमः [illegible] नाशनाः [illegible] नाशनाः [illegible] नाम [illegible] नाम [illegible]
मुनि सत्येन पृथिवी [illegible] ॥ सर्व बुद्ध धर्म [illegible] [illegible] ॥ ॥ स्वाहा [illegible] ॥ [illegible] पुष्प [illegible] निर्वाण [illegible] सर्व [illegible] ॥ [illegible]
स्वाहा [illegible] प्रज्ञ निस्वाहा ॥ बलप्रद ॐ हन स्वाहा ॥ [illegible] स्वाहा ॥ विरूप [illegible] ॥ [illegible] स्वाहा ॥ [illegible]
एवाहि नाः ॥ कला थसा [illegible] ॥ माया [illegible] ॥ ॥ अरक्षा [illegible] [illegible] नमो [illegible] नाम [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] महा [illegible] नामानि [illegible] यथा [illegible] ॥ नम [illegible] विषम सत्य [illegible] ॥ मद [illegible] [illegible]
[illegible]

वली [illegible] यथा [illegible] युग [illegible] ॥ सर्वि [illegible] यदि [illegible] माता [illegible] यत य । नत [illegible] नियत [illegible] कर्म [illegible] ॥ सम [illegible] [illegible]
मा [illegible] बुद्ध [illegible] नमो [illegible] सत्य [illegible] मुन ॥ सत्य [illegible] यथा यमावथ सर्वे कामाः सर [illegible] सर्व सत्वानाथ ॥ [illegible] महा [illegible] [illegible]
विद्या महासाहस्रप्रमर्दनी ॥ विद्याम [illegible] कानी [illegible] ॥ बुद्ध [illegible] नम स्माभा । [illegible] ॥ थ नयथ [illegible] ॥ धर्म [illegible]
यसी [illegible] ॥ बुद्ध [illegible] वनमद [illegible] ॥ बुद्ध [illegible] बुद्ध [illegible] ॥ अभ [illegible] ॥ [illegible]
नः सर्व [illegible] ॥ सर्वी [illegible] नाम [illegible] ॥ [illegible] ॥ यासा पूजन [illegible] निति [illegible]
सर्व [illegible] द्रियाः ॥ पूर्व [illegible] नाम [illegible] कालला [illegible] सर्व बुद्ध दम ॥ नियम [illegible] ॥ नामानि [illegible] लोकनाथ [illegible] [illegible]
व मूर्छि का ॥ मोह [illegible] कामिनी [illegible] तथा ॥ पूत नामा [illegible] ॥ मुख [illegible] सर्व [illegible] ॥ [illegible] काली [illegible] ॥

५८

ह्वाद्यालियथा गृहीत्वा [illegible] ॥ मज्ज्वालनगृहीतस्य वज्रवीयविनलितमृगराजगृहीतस्य वद्धकिङ्कवितिकातुला ॥ [illegible]
लावर्तमूर्धनि ॥ मुष्टिकायगृहीतस्तु मुष्टिवद्धानमूर्धनि ॥ मातृकास्विगृहीतस्तु कनक सनतथा ॥ जामिकास्वगृहीतस्तु नाडि [illegible]
वतीस्वगृहीतस्तु जिह्वाकर्णेथादिनि ॥ यूतनाग्रगृहीतस्तुकागतस्तनततथा ॥ मातृनन्दास्वगृहीतस्तु विविधिविद्यमा [illegible]
यालिगृहीतस्य कण्ठसम्यविमूर्च्छनामूर्च्छसमेत्याद्यकीन ॥ स्तु कायेवविक्षिप्याम ॥ सूलस्वायगृहीतस्यादिकाश्वासश्चैवा [illegible]
कावागवयद्रूपणमृगराजामृगायथा ॥ ह्रवः कर्मान रूपणमूयस्मायद्गीनह ॥ मुष्टिकाकाकरूपणमाद्यगरूपण ॥ [illegible]
यवनीश्वानरूपणमृकरूपणयूतना ॥ मातृनन्दाविडालनगाणीयकरूपिणी ॥ काद्ययालिङ्गीकुरण्ठनरूलवानमूस्वमण्डुका ॥ मूलस्वायङ्गुरूपण [illegible]
मर [illegible] नीतयेकाः ॥ ग्रहाश्च समानयित्वा [illegible] मेसूत्रपातनकविता ॥ वस्त्रनामगवयाद्यसनायाति मेहान ॥ [illegible]

[illegible] मानीनायववत्वे [illegible] तिनाः ॥ ततः [illegible] वीलग्रस्तुस्कालायनाथरुलाकालिः ॥ एतानिनानिरूपानिवीजग्रास्तस्ति पालिनी ॥ नयीतस्तुश्च [illegible]
[illegible] वायस्मगृह्यन ॥ गिहास्वकर्मवियवणमृतनीमयवड्दगा ॥ वेतस्यपूजयित्वा सुस्नातासुविशुद्धिना ॥ संवीयालिमुखवनीपुष्पगन्धसमाकुला ॥ [illegible]
गृह्याग्रस्थितकालमूर्द्धि [illegible] तस्यवीयान ॥ वक्ष्माने मितमित्व [illegible] कायिता ॥ यावद्वादशवर्षाणि स्त्रीमाया ॥ नाडिनकवी [illegible]
सप्रथास्मस्फुटा नमूर्द्धारुवस्मवमण्डवी ॥ स्वाह्ये थदवू ॥ [illegible] वन ॥ [illegible] विनश्चिमुलवि ॥ गिरिगवविस [illegible]
टा ॥ लसन ॥ वावन ॥ [illegible] मूलरुद्रालरुद्रा ॥ ग्रकवीणस्वाहा ॥ क्लिप्रवर्तिप्र [illegible] ॥ [illegible]
निस्तगिरेः कालनयविमूर्च्छा ॥ नानावसानिस्फुलाणिमृद्राणीवसमयाः ॥ एवाचिहाससमात्यानातिविविगावनुदायकोः ॥ [illegible]
रुद्रदायकोः ॥ स्वाद्यथरम ॥ दाविरमहावाविवायानुमत ॥ कलिनि ॥ वर्द्धन ॥ [illegible] सागत ॥ [illegible] ॥ [illegible]

नागराजः प्रवर्षणः सर्वेन्द्रियविद्याविनः ॥ नमस्कृत्वा कृताञ्जलिर्लोकनाथं समन्तभद्रं ॥ यत्र देशे नागराजः ग्रामे वा नगरे [illegible] नाम [illegible] तिष्ठ [illegible] सूत्रं धारयिता ॥ अनुत्तरा [illegible] क्षिप्यामः

तथ महामुने ॥ नमो भगवते बुद्धाय नमो [illegible] ७ सिध्यन्तु मन्त्रपदा स्वाहा [illegible] मी विद्याधरानुमन्त्र स्वाहा ॥ अथ वैश्रवणो महाराजा [illegible] वासिनः [illegible] भगवन्तं [illegible]

मानुषाय यः कश्चित् कुलपुत्रो भगवन् धारयिष्यति ०० इदं म हासाहस्रप्रमर्दनी सूत्रं सूत्रराज्ञी धारयिष्यति वाचयिष्यति पर्य वाप्नुयात् [illegible] ॥ इदं सूत्राय

तारुविनश्यति सूक्ष्मा [illegible] ख्येन ॥ यक्ष राक्षसा [illegible] सूत्रं धारयिष्यति [illegible] ॥ तस्मात् [illegible] [illegible] समता [illegible]

नाम [illegible] धारयिष्यन्ति ॥ [illegible] मि [illegible] नः समता [illegible] नाम [illegible] धारयिष्यन्ति ॥ [illegible] [illegible] नाम महाराज [illegible] ॥ [illegible]

वसवर्तिना [illegible] भगवतः श्रावकाय ॥ ९९९९९९९९९ इदं महासाहस्रप्रमर्दनी सूत्रं सूत्रराज्ञी [illegible] धारयिष्यति वाचयिष्यति ॥ [illegible] तस्मात् [illegible] भगवन् [illegible]

[illegible] नगरे [illegible] सूत्रा [illegible] विद्यामः ॥ [illegible] विद्याधर सर्वे [illegible] महाराजा [illegible] विद्यानि ॥ [illegible]

[illegible] सिद्धाः [illegible] विद्याधराणि ॥ [illegible] [illegible] विद्यानि [illegible]

[illegible] सुप्तस्य [illegible] इदं महासाहस्रप्रमर्दनी सूत्रं [illegible] तस्य [illegible] महाराजानः ॥ [illegible] [illegible]

[illegible] भगवन् महासाहस्रप्रमर्दनी सूत्रं ॥ यस्या [illegible] [illegible] दिवा वा [illegible] धारयिष्यति ॥ तस्य [illegible] [illegible] नमः [illegible]

सर्वे [illegible] ॥ य ०० इदं महासाहस्रप्रमर्दनी सूत्रं ॥ [illegible] धारयिष्यन्ति [illegible] महाराजानां [illegible] [illegible]

[illegible] विद्यासी [illegible] महावाणी [illegible] ०० मोनि मन्त्रपदानि [illegible] [illegible] नमो [illegible] [illegible]

[illegible] ॥ अथ [illegible] सर्वीयतिः ॥ कृताञ्जलिः नमस्कृत्वा लोकनाथं समभवीत् ॥ सूत्रा [illegible] ०० विद्याः सर्वलोक [illegible] ॥ विद्या [illegible] समायुतानां ॥

[illegible] मया मार्गमगन् ॥ [illegible] ॥ [illegible] महा [illegible] ॥ [illegible] सामकनामा [illegible] ॥ [illegible] नावलेनि [illegible] स्वाहा ॥ [illegible]

स्यक्रास्सर्पियाघ्रमनः गिलाः ॥ ब्रह्मक्रोडेश्च मांदिगुः यत्र रीयुकृवश्रुर्वि ॥ प्रमाव्रस्रीयुतावलिः सर्वग्रहविमावनी ॥ सुवेन्द्रः विक्रावज्र [illegible] ॐ [illegible] ॥ यज्ञोता यत्नमूच्छन्तो हृतवज्रो
ऽनीऽऽवेश ॥ महावृक्षमूलस्थवी महाचैत्यनथेवच ॥ याद्दियश्चीनितृत्तानि हृतस्थानरयन्तनहीस्थनेनततहृतानां नान्येनामदिदं [illegible] ॥ तनीऽसख [illegible] ाहिं श्मशानां श्वापिलयश्च [illegible] गाव
१२ यतिगद्धासत्रजातहृतमष्टुलाः ॥ यद्याणिनयथ हायियहिणाग्रामवानिला ॥ यत्रासावजनेयदीदिग्याः ॥ ये दिगकवमू ॥ स्थ [illegible] हृतानि नाम्नावाद्दिनिमि
ताः ॥ ऽाविनग्रोत्रनठाः गेयुप्रुह्निययत्रनरना ॥ सम नाद्धोऽनेनतस्थलिङ्गाद्दिर्विघ्नानि ॥ अभिऽस्तुनियानयू ॥ यवचक्रसमागम ॥ [illegible] मिभमूलयद् [illegible]
विघ्नानि ॥ गलगलुमूवाःथेभूवेगयेयिटकयूवावि यदस्थ विषयाणयीत्वाह्निपुंसमूच्यत ॥ एतनलयश्चडाऽस वेदो [illegible] ॥ विघादा [illegible] ाऽडाना
वनी ॥ अभिद्धः सिद्धिमाध्ना ॥ तिऽ्ठा [illegible] मनो स्थरः ॥ भूमूवालरतनयूत्रमयनालरुमयनं ॥ यावद्विद्याबद्धस्थानं मन्त्रा [illegible] तेनानिसाधयत ॥ तिर्यग्योनिगान [illegible] ॥ विद्या [illegible]
[illegible] कीत्त्रिकम्मीकवेश्रुत [illegible] नमन्त्रयदान्यास्ते [illegible] स्मवचनेयथा ॥ स्माद्यथेदं ॥ अकाम ॥ विकाम ॥ हतधाय ॥ हतमभ ॥ दहनि ॥ पवपवे ॥ पचपच ॥ दविनि ॥ निकूम ॥ स्कुस्कुम ॥ स्वस्वस्व ॥ [illegible]

[illegible] लिगं हल्ल हाविनिस्वाहा ॥ स्वस्त्यस्तु [illegible] सर्वसत्वानां च सर्वविद्ययिद्म्यः स्वाहा ॥ नि [illegible] निसर्वेयायानिस्वाहा ॥ तातावस्त्यचगक्रोधलोकयालामद्धव ॥ [illegible] नायनत्य [illegible]
[illegible] वानीवसमुद्रिका ॥ एकवाराः कथ्यवाक्रूवावत पाड [illegible] ताः ॥ सहस्रमूर्त्ययश्चाः पूर्णवन्ध्रुयरुवज्ञेश्वर ॥ सदेवमानुषलोकसहस्रा [illegible] तिनसमयमुक्ताथयद्वा [illegible] सहस्रप्रमर्दनी ॥ न
मायनी नाम विद्या वैयाघ्रयाल नी ॥ महासाहस्रप्रमर्दनी नाम महानागसूत्रा हृदया ॥ यूहमेयाम विद्यायास्व वेगक्रुय मर्दनीनाम [illegible] साहस्रवालोकेवद्धावमूत्रमूकम [illegible] ॥ नमु
भूद्दवीजनमस्थुयूद्धाह्म ॥ भूआलस्थनमस्त्व नविवाल्यवायियु ॥ अथवाभगवान्नायाकालसमयप्रति शीतल [illegible] याऽ [illegible] नाम [illegible]
कथा महासाहस्रप्रमर्दनीसूत्रन्यायवाचयनपय वाद्ग्र [illegible] ॥ नरुविघ्नानिसदवकसलोकसदाघेयतमथा ग [illegible] सुखा [illegible] ॥ च [illegible] काल्किवा
ममरत्नावेकश्तेनमहासाहस्रप्रमर्दनीसूत्रागुच्छवृद्धसाधियवितानांवश्वीयाल्यविग्रहनस्यवत्पूर्वद्वलालि [illegible] ॥ सवि [illegible] निभृद्धविकोमीविद्याकन ॥
वमूकावशिदवाहगवन्तकमनदवाचत ॥ यानीमानिरुदन्तरगवनायकमहासूत्राणिराधिनानि ॥ साच्येद ॥ महासा [illegible] प्रमर्दनीसू [illegible] नमामायू [illegible] नवीमहायाहिट नामहामन्तानुसार

ण्ड्वति ॥ कानि रुगवनायव ॥ मिषयापि [illegible] नानुकूपतानिवाचयिङ्ग ॥ यिश्नुयाकुयरात्मजनं निधाय [illegible] वद्धाच्या [illegible] ॥ [illegible]
दयथ्यामि भुसंस्कृष्टं ॥ तत्रवयम्‌कृत्तारगवन्कथंथितियथाम ॥ एवमुक्ते रुगवनस्त्रिकृत्तानन्दवाचन ॥ ततनदिनिस्त्रियावायाथ्य [illegible] दामस्य [illegible] ॥ [illegible] मन्त्रकृत्वाचेय
२१ आत्मनःकार्यधानयितव्या ॥ ततनदिनि यिश्नुयातॆ यथिगृ दक्षोभूतावस्त्रानिकृत्ले सङ्घाल्याद यितव्या ॥ यवधामि मसंस्कृष्टुष्टि [illegible] ततो कृदयेद्यावारणी
स्कन्धोभूनिमसंस्कृता ॥ भूनिलाइ ॥ स्वसंकाइ ॥ स्वभूनात्म ॥ सैकाः ॥ भूनानायुकृतसंकीत्याद यितव्या ॥ ज्ञातः ॥ यवधामि माति ॥ [illegible] ॥ याद यितव्या ॥ सर्व
णोकुलनिरनास्ति सत्व ॥ ज्ञातःस्मत्व ॥ ससद्धानामलयात ॥ तत्रवाहायवथ्यामि [illegible] सत्व संहानवरवणीया ॥ आत्मनवदाङ्गु [illegible]
सानयासूक्ष्ममितयाग्रहानार्द्दभूयवरूया यथा [illegible] यदयमिसूहीतया सांहि [illegible] बुद्धुर्द्धतवारयितव्या मन्त्रवथलकियास्सवयितव्या ॥ [illegible]
हरा भुवाडदवयथि पूर्णे [illegible] वायुधेनोद्धदयितव्या [illegible] नशूययितव्याः ॥ [illegible] नवधादवविनि ॥ ततमात्ते विश्चयि [illegible] ॥ [illegible]

सिद्धसमायितन ॥ सर्वे [illegible] स्वगुणननाडननमूयनामित ॥ ग्रतिगृह्य ततः ॥ ज्ञात्वा निर्विवाककमर्थ [illegible] नम ॥ [illegible] नसायवाहजनम्भूतं ॥ [illegible] ॥ विययश्विनाहवनाट [illegible] विनावि [illegible]
दृश्यमन्नाध्वदवनायाम हावला ॥ कनकाभ्यास्मरवनाया ॥ श्रमतः ॥ कोष्ठायस्मव ॥ यस्रान्नाडाजसिहस्संवेवक्त्रद्धाहिदेस्मथ्यवाः ॥ वत्सापालाकदालाथ मानि [illegible] ॥ नाक सीयसकालो [illegible]
लिनीकथा ॥ ॐ देवुष्यथागन्धवंग्राहि गृहणन्तु ममाहूतिं ॥ खीलितायूक्ति ताहत्वा एतत्याद्यलहोजनन्तु ॥ युक्त्यामिथदामस्य [illegible] यामिषसंस्कृष्ट सत्व [illegible]
हाजनी ॥ सर्वे येवीवडग्रामाणां यनिस्वाद्यथिवीनसा ॥ सर्वेशाजनसंसृष्टमसीसुरहरवन्तुमाः ॥ छिन्ने कण्ठं यथासूकं महे [illegible] ॥ तथा [illegible]
स्याद्यथेदम् ॥ स्वस्वम ॥ सखसख ॥ स्खस्खम ॥ मिमसिमि ॥ सिद्धम ॥ मिमिमिमि ॥ स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति ॥ शान्ति शान्ति ॥ गया ॥ [illegible] यामिधदाम [illegible] यथाहं नानिवा कार्ये ॥ [illegible]
यथासूक्तसर्वे ज्ञावन्तु ताहूर्ग ॥ स्याद्यथेदम् ॥ कलके ॥ कललं ॥ वलनि ॥ कतूणालय ॥ खलुम ॥ ॐ निसंज्ञामाति स्वाहा ॥ ॥ विषाश्चियद्धं शावहाकृष्यामि [illegible]
कनकमूनिश्रेकाष्ठ्ययविशाव दाजमूनिश्चितौ तम ॥ एतानसस्को त्रयारूपमानाभूर्ध्वे श्वेतश्चेश्वदवीनयूजा ॥ कायेनवा च मनसाविस्त्वा प्रसवानि [illegible] ॥ [illegible] मत्वा [illegible]

३२ ॥ शक्तिरूपि प्रसन्ना ॥ नादवन्ताश्रुत मनाउ दशा ॥ ऊर्ध्वलिङ्गाक्षिमाभवन्तानित्यं ॥ ममसर्वसत्वानाञ्च स्वाहा ॥ ✿ ॥ स्वदसर्वादरू [illegible] आक्रमना [illegible] ॥ [illegible]
सुप्रमर्दनीनाममहायान सूत्रं समाप्तमिति ॥ ○ ॥

श्रावक [illegible] कबुद्धवाभिसलस्य॥ समयश्रीबुद्धनाथा॥ प्रवचनस्थधर्मयायासमक्संस्था॥ बुद्धः बुद्धनावगोनु॥ [illegible] विसृ [illegible] विद्या [illegible] श्री॥ [illegible] गधायाथा [illegible] दसनि [illegible] स्यथन
नु, मा स्तूर्णं नामाम जग [illegible] लगम [illegible] मविनम [illegible] नमामि॥ स्तम्स [illegible] विनन्दवीइष्ट सत्त्व निर्वाणली [illegible]॥ विद्याराज्ञी महामानमायु [illegible] मो [illegible] मोवृ [illegible]॥ माद माः [illegible] श्रीया [illegible] नमः सप्तानां
बुद्धानां सश्रावकसंघानां॥ नमो लोके ये दमानीन
मोमं [illegible] यप्रभूस्वानां वाचि सद्वानां महासत्त्वानां नमो लोकागामिनां॥
नमः [illegible] नमः [illegible] नां नमः [illegible]
नां॥ नमः सम्यग्गतिप्रतिपन्नानां एवं नमस्कृत्वा कुमारः
महामायूरीविद्याराज्ञीप्रयोक्ष्यामि॥ यस्याः विद्यासमन्तमुदुःप्रव
कुसु [illegible] विद्य [illegible]॥ [illegible] वान
कुम्भाण्डनागयक्षगन्धर्वो॥ किन्नराः महोरगाय [illegible] नाद
सा॥ [illegible] पिशाचा॥ भूतना॥ कटपूतना॥ स्कन्दा उन्मादा
याम्बुप्रमानाय [illegible]॥ [illegible] कुम्भण्डाहारा॥ भूत [illegible]
नाट्यविदारा हारा वस्ताहारा॥ मांसाहारा मर्गहारा मज्जाहाराः
नोज्जाहारा वस्याहारा मांस्याहारा॥ गन्धाहारा धूपाहारा॥ पुष्पाहारा
ना॥ फलाहारा [illegible] स्याह [illegible] भूक्ष्याहारा॥ धूपाहारा [illegible]
माहाहारा॥ श्लेष्माहारा॥ सिंहानकाहारा॥ उच्छिष्टाहारा॥ वस्याहारा वान्ताहारा॥ अशुच्याहारा॥ मूत्रलिकाहारा॥ यामविला॥ इष्टविला॥ वीद्रविला॥ दवलं [illegible] ना॥ [illegible] सामायवाग्विद्याराज्ञी [illegible]
मि, न [illegible] सूत्रग्रलिखि रास्यामि॥ सूयनामक्कुमयायविलाइष्टविलावीद्रविलायवस्त्राणहरा॥ सर्वेग्रहाडाकडाहारा॥ सर्वकर्म [illegible] सीमाबिला॥ संमद्दविला॥ कल्याणविला॥ सर्व कुमवृद्धधर्मसंघाधिप्रम [illegible] नाः [illegible] मे [illegible]

[illegible] मितिनिक [illegible] धिः॥ हावधि॥ ह निकनि॥ श्रीमति॥ हविप्रिच्छ ला॥ लम्बू॥ प्रलम्बू॥ कालपाशे॥ कालसेनदवि॥ यमदंष्ट्रि॥ यमराक्षसि॥ भूतग्रसनि॥ धानि [illegible] थेमं गर्भयुक्तं प्रमवाति वशस्याम॥ वज्रधममम [illegible]
सर्वकर्माय वृद्धस्य [illegible] वस्त्रु [illegible] सर्वगमनस्य [illegible] शिष्यतु मममन्त्र य [illegible] स्वाहा॥ ०॥ एवं मया श्रुतं एकस्मिन् समये भगवान् श्रावस्त्यां विहरति स्म जेतवने अनाथपिण्डदस्यारामे [illegible] नः [illegible]
वस्तीजितवने अनाथपिण्डस्यारामे तस्मिं समये तेन [illegible] प्रति
ना स्वा [illegible] स्वातन्त्रिद्वि स्वामन्त [illegible] सघयल
वसतिस्म नवाद [illegible] विनय प्रव्रजिप्त॥ अगुविद्याश्रय [illegible]॥ अगुविना
[illegible] मनोजापातिय [illegible] गच्छ मं [illegible] धमम्मे विनय [illegible]
विलि [illegible] कुमीवा विकरा इ॥ खिनवारदारुना कृत्वा [illegible] निर्व
कि [illegible] क्षेत्र [illegible] धमामा [illegible] यिति॥ कृष्णकीर्ण [illegible] न
यमाना॥ मध्ये नीच पपिवलतय मानो मूर्छितः [illegible] अपूर्वलिहरिते
सावस्थिता एकान्ते स्थानं॥ एकान्ते [illegible] अत्रायुष्मानानन्दो भगव
[illegible] नगरा [illegible] नाद [illegible] मंद [illegible] मावद [illegible] खी
कम्मनन्दवाचा॥ अङ्ग भगवन्तं श्रावस्त्यां जेतवने अनाथपिण्डदस्या [illegible]
श्रावस्त्यां जेतवने [illegible] प्रति [illegible] नयात [illegible] विनयप्रव्रजि
त॥ अगुविद्याय सीप [illegible] अगुविनागतरूपमं धर्मेविनयी॥ संघस्यार्थे यक्काकदारूणियाहस्तेनागंतुक मम्मलातु हिंदारुसुलि [illegible] महता [illegible] सर्पेण दक्षिणे [illegible] कत्ता अपुष्टः सर्पेणाकस्मायातु भूमौ पतितः [illegible] न [illegible]
दष्टो भूमौ पतितो विवर्णयमाना अपूर्ववत्ति॥ तस्या हृदिगतसद्ध्यविवेष्य॥ एवं भूतं [illegible] न [illegible] सुगुला [illegible] कतद् [illegible] मन [illegible] नानयाम [illegible] चुम्बावे विद्या [illegible] कृशान [illegible] प्रिय [illegible]

निग्रहं यथिया ललनी शान्तिस्वस्त्ययनं दण्डपरिहारं शस्त्रपरिहारं विषदूषणं विषनाशनं सीमाबन्धं धरणीबन्धं कुर्वन्तु देवग्रहाणां नागग्रहाणां मरुद्ग्रहाणां गरुडग्रहाणां गन्धर्वग्रहाणां किन्नरग्रहाणां महो
रगग्रहाणां यक्षग्रहाणां राक्षसग्रहाणां प्रेतग्रहाणां पिशाचग्रहाणां भूतग्रहाणां पूतनग्रहाणां कटपूतनग्रहाणां स्कन्दग्रहाणां उन्मादग्रहाणां छायाग्रहाणां अपस्मारग्रहाणां ओस्तारकग्रहाणां
२४ रेवतीग्रहाणां ओदकिवसाथवताउविद्विसमकडुहुकडह दिस इत्या इत्थि विमड लिअमडलिधिमावमुताहाद्धनाद । एकाहिका द्वितीयका त्रैतीयका चातुर्थिका सप्ताहिका अर्द्धमासिका मा
सिका न्देव मागिकाम्भो हृल्लिकानूनिसयमुनाद्वियमकर्णे दन्तशूलानानुखदन्ता दमानुपदन्ता ह्यानिका त्थितिका कुक्षिरो सान्निपातिका सर्वज्वराः शीर्षार्त्ति ॥ शिरावाहिमपन्यथ॥
मार्गं कण्ठ ॥ मार्गं हृद्दार्त्तं गलग्रहं कर्णशूलं दन्तशूलं हृदयशूलं उदरशूलं म लिङ्गशूलं वस्तिशूलं पादशूलं अङ्गप्रत्यङ्गशूलं वायन ॥
वरदकम नावधम क्षिया गन्त्रागानागमुखथार्गं कण्ठ । सर्वे महाभागीं सर्वबुद्धाधिष्ठिते ॥ तद्यथा ॥ ॐ विठि विठि विठि हिठि मिठि निठि श्रांउ घाठ हमठि हाननिवतु ठिथिशाभि निमबेलिगुं कहिलि
नक्षिति हिवा स्वस्ति मयि सिमविहरति ॥ स्वस्तिमवेमहावातुं सर्वबुद्धाधिष्ठिते ॥ तद्यथा ॥ ॐ विठि विठि हिमि हिमि इमि इमि इमि इमि ॥ हिमि हिमि विरुद्ध वयल विमल ॥ हुलु हुलु ॥ अमृतविकाले किमलकाले ॥ ब्रकीकीकिकि हुलु हुलु वसु लुकाले काले हुलु हु
ि लुले मले हुले मले लिलि लिलि मेल मेल तिम तिम इम इम इम इम ॥ हिमि हिमि विरुद्ध वयल विमल ॥ हुलु हुलु ॥ श्रमु विकालि कालि कालि मडाकालि ॥ प्रकीर्णकिशि हुलु हुलु वसु लुकाले काले हुलु हु

लु हुलु हुलु थाथा इस्वाहा इस्वाइमइस्वा ॥ गोलायावलायाय निवलाया । थियु ॥ हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि ॥ मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मि
लि ॥ १० ॥ किलि किलि किलि किलि किलि किलि किलि किलि किलि किलि ॥ १० ॥ चुलु चुलु चुलु चुलु चुलु चुलु चुलु चुलु चुलु चुलु ॥ १० ॥ मुरु मुरु मुरु मुरु मुरु मुरु मुरु मुरु मुरु मुरु ॥ १० ॥ मुलु मुलु मुलु मुलु मुलु मुलु मुलु मुलु मुलु
हु हु हु हु हु हु हु हु ॥ १० ॥ वावावावावावावावावा ॥ १० ॥ याया या याया या याया या ॥ १० ॥ डाल डाल डाल डाल डाल डाल डाल डाल डाल डाल ॥ १० ॥ दमनि दमनि निदयथनं ॥ ज्वल ज्वल निदयवधने
हिलि ॥ गर्ह निर्वलि ॥ स्तम्भनि निदयनि मायनि मदनि निधावनि हिलि हिलि कामिनि कर्मनि मर्दनि मथुनि विलेधनि स्तम्भनि मोहनि ॥ कविसाक विसः कवि शाविशवियहे ॥ ज्वल ज्वल निइमइ स्वनि मूढकानि
लोयावलायां । यनिवलायावबन्धुहुवव ॥ सममनठलि किलि किलि स्वाहा ॥ मेगीम वाक्षुप्रुमेधीद्रावाव नमुच ॥ विनुमान्धसुमेमेधी दृष्ट गोरजव ॥ ॥ तालन गवनाद ॥ मेवाध्यान किलि मेद
लुथादपूना गेषुपूलरुद्र पूमसदा ॥ नन्दोपनन्दोना गोयो वनुवन्नो यमसहिनो दवाग्रधमाधिसीग्रामममनुरुवन्तो महर्द्धिको ॥ ... मेधीमन्दबमनर ॥ ... ... अप ...
श्रयनाङ्गिनमभेधी मेधी ह्रि कायप्रनतच ॥ महामनस्विनानिर्यथेव वमनस्विना ॥ वालवाइयलालय नागवानुग्राम ... ॥ ... ... ॥ ... ...

शो । नन स्व विच मम श्रीनागराजश्च निलयस ॥ गाजन कथक्कुणीन ॥ सुवीना मान थेवचनुं वमा विपन कालन मे श्रीम स । वेन [illegible] कन्दा कृणैनम श्रीसव [illegible] न व । कोल [illegible] नमन्दन [illegible] लीयम [illegible]
[illegible] लयचरा मम मे श्रीमे श्रीलसुयूकनच । श्रुमानूमाध्ययनागास्कथेवाकन्त मानुया ॥ कृगिलयमहानागामुचिलिन्दश्च विक्रन ॥ पृथिवीचमध्ययनागास्कथेवडा । लनि । श्रना ॥ श्रूक नोकेच ना [illegible]
२५ ना ॥ एकमुखो हि गोमी हि मे श्रीमनमुनि लयस ॥ भ्रूयादकमूम ॥ मे श्री मे श्रीम हि यदमूवा । चुकुस्यद मूमसे श्रीमे श्रीवकूपदमूव ॥ मामग्रया दका हिस्क मोमि हि [illegible] यादका ॥ [illegible]
मं हिस्कव कृयरा ॥ सर्वनागमूममे श्री यनागाजल निश्रिता ॥ ॥ सर्वभूतमूममे श्रीयकवित्य थिवी श्रिता ॥ सर्व सत्व मूममे श्रीयस्य ई मनुष्ठवना ॥ [illegible] मथ [illegible] नवकुर [illegible]
सर्वे वैमू ज्यिनह सकु सर्वमकु निवाम या ॥ सर्वेरुद्रा दिपश्यन्तु माकथिन्नायमागमन ॥ मेश्री चिरि समास्क यकमा मिविपडू अर्ता नर्गो रुवैपविय रुवैवन । थे ब निघालनि ॥ नमो [illegible]
मास्त्रु श्रापथ्य नमास्तु मुक्ताय नमास्तु मुक्तय ॥ नमास्तु शान्ताय नमास्तु शान्तय नमास्तु विमुक्ताय नमास्तु विमुक्तय ॥ यत्र काणा वाहिनयो वव्मा स्तु वान्नम सूचमम याल यकुस व [illegible] ॥ सर्वो यद व [illegible]
[illegible] सर्वदशनयः सर्वव्याधिय ॥ सर्वग्रहव्यः ॥ सर्वग्रहव्यः ॥ सर्वविषयस्य ॥ नकाकुर्वन्तु जीवतु वर्षशतं पश्यतु शरदां शतं ॥ श्रूतपूर्वमानन्द हिमवन्त ॥ पर्वतराजा दक्षिणोपार्श्वे [illegible] कुवनामानाम मयूरराजाय

निवसति स्म । स्यनया महामायूर्या विद्याराज्ञा कल्यं स्वस्त्ययनं कृत्वा दिवा स्वस्तिना विहरति । सायं स्वस्त्ययनं कृत्वा रात्रौ स्वस्तिना विहरति ॥ नमो बुद्धाय नमो धर्माय नमः संघाय ॥ नमो भगवत्यै महामायूर्यै [illegible]
[illegible] यथा । हुहुहुहुहु ॥ ॥ नागललेलेले । इत्व लललेला । हुयहुय विडि विडि थुसुथु हुरु हुलु हुलु हुथ जिनिथ जिनि । मूगल ... वलाम ला । ॐ मिरि ला । तिलि मला [illegible] तिलि मिल । [illegible] मिल । इत्वयइक्ष । [illegible]
[illegible] लाव लावय ला विमला । ॐ हिहि निहि हिहि विविहि विनमो बुद्धाय नाकिरि लिकिरि गोदादिका । नमो दृना हालदाल वर्षन्तु देवः समन्त नदसा भू दिशासु नमो बुद्धानां स्वाहा । मा ॥ [illegible]
या महामायूर्या विद्याराज्ञा रक्षां स्वस्त्ययनं कृत्वा सर्व कुलारि । वेटा मयूर कन्यका रिःसा [illegible] मा नामन नामे [illegible] न पर्वन याधि [illegible] मलः [illegible]
[illegible] विवनस्य मादव सादन्य नर्व पर्वत विवनमनुष्य । विष्ट ॥ मन तुग्र याथिके श्री घेनागं [illegible] नवनास्य [illegible] नावनम व [illegible] मि मयूर [illegible] वेदः ॥ [illegible]
किलथ ॐ मामव महामायूर्या विद्याराज्ञा मानस्य कावीरु ॥ नमो बुद्धाय नमो धर्माय नमः संघाय नमो भगवत्यै महामायूर्यै विद्याराज्ञि ॥ [illegible] यथा ॥ हुहुहुहु ॥ ॐ नाम ललेले ॥ इत्व ल ल ला ॥ नाम [illegible]
डविड थुसुथु हुरु हुलु हुलु हुथ जिनिथ जिनि । मूगल ॥ वलामला ॥ ॐ लिमला तिलि मला ॥ ॐ लिमिल तिलि मिल ॐ लि तिलि मिल [illegible] विमला ॥ ॐ हिहि हिहि विनिहि [illegible] नमो बुद्धाय

विलि किसिगोद्यादिक्षा । नमार्हतां दालदालवर्षेदुद्दवसमन्तनदगम्भूदिशाम्भ नमाबुद्धानां स्वाहा ॥ भूथनम्माद्यसना । अविमुक्त: स्वलिनाशमनथविगयमनुयादः ॥ ॐ नानियमन्त्रयदान्तृ ... विक्षिप्रा । न
माबुद्धायनमोधर्मायनम: संघाय । नम: सर्वबुद्धविराससामसूक्ष्मनाद्व ॥ नमामहामामायूर्ये विद्यानाद्दे । गायना । सिद्धाम्भ सिद्ध । मावनिमा कनि मुक्त विमुक्त । अमल विमलनिर्मल: अमुवषु ...
२८ भ्याहिनष्मगर्भ रत्नगर्भे रुद्रमूरुदसमन्तरुदा । सर्वार्थसाधनि घनमार्थसाधनि सर्वानर्थप्रसमानि सर्वमङ्गलसाधनि सर्वमङ्गलव धनि मनसिमानसि महामानसि भुतुनाभूतुत । भूत आ
धनि माकलि अृष्यने भूवनो विनेक विमल अूभृत अूमनगूम बलि । वुद्ध वुद्धबोधबुद्धेबुद्धे समनाबधे अनसंजीवनि । श्रीकटेङ्कवन्दु यक्षुम्र । सूर्य सूर्यकान्त । वीतरुषयम्भवलो ब्रह्म ... ब्रह्म
यूक्षमवे गथग्रहितम नरुतनकर्मा स्वाहा ॥ नमः सर्वबुद्धानां स्वा सिरुवंश स्वाना सिकाजीवतुवर्वर्गनयथ्यसुसवदागा गुविरघविः मुखिवाहा ॥ स्याल्पूनचानन्दमूथ: सकेनकाल ...
मयनमूर्वणविरासानाममयूरवनाजीवतूवानि । नयूनयवेंद्व थों । तक्नस्यहना: अनमवसतनकालननसमयतमूवणविलासानाममयूरनाजावतूव: अृख्याग्रानन्दमहा ... यविद्यानाक्षाक्रु
यमनुगा आत्म्यामि । तद्यथा । ॐ लिमि लिनिलिमिलि किलि मितिमिलि निलिमितिमितिनि तिनिलिमिलिविनि मिनिमि विनिमितिमिनि केलिमिलि सुरुवारुवारुवा सूवविविविके सिम्यावित्रमतिनम बुद्धान्

विलि किसिध्राक्षमूल ॐ किंदाषालादिनमूलरुवा रुरुवा दुदिवुनहिबुद्धनहिलिलवुद्धनहिक्षुतकवयायविवेवद्व: समन्तनवमागन्दशमामानू । ॐ लिमिलि किलिमिलिकनि ... इस्वस्वक्षमा
छिदलिमसंकुवहबूसवहवुसनवूसन नवसमन्तकनकेलानद्धे लिम अनिमघाय । विशिलवहनि । सकूलरुवुमरुव अहासहिप्रनहमुलानहमुमालवर्षेदुद्वानवादकनम वे: नम ... सायायलिक्षानीरालिदनि
वालिक्षनालि ॐ लिमिभिष्ठि किनिलिमिक्षि ॐ लिमसिंध्यन्तृवा: मिवामन्त्रयदास्वाहा ॥ हृदमानन्दमहामायूर्यीविद्यानाङ्गाक्रदयम् ॥ हृदयानन्दसहामायूरी विद्यानाङ्गीग्रामगन्धन ...
लेया । मूवध्यागननममनसिकलेया । यधिगमनेडवदगन्धनवा । उच्चलमध्यागनन श्रोत्रमध्यागननम्मिमध्यगननडदकमध्यगननत्र त्यथिकमध्यगनन प्रविमिक्रमध्यागनन । देवादम ...
नअहिदस्यनविषयीननसर्वकयसन्निवाभन वेमनसिकले या हृविननमनसिकलेया वानिकायेनिकल्पेष्मिकसन्निवामनकय रुहुबूलवयु ... सम्बयविषयन्मदमनस्या
नयूथाथिनाहृदः समानश्रालुवासमूल्यश्रा भूमनसिकलेया । तद्यथा: वथावीदानन्द दत्तुनमूयानदत्तादप्रदाबवालायदाहं पाक्रान्तन । आज्ञाभद्रप्रविलायनया । ... विनास्वलामानमहत्स्वोन ... म
दर्शनाहिम्बमवमूयनसर्वथावि विनिविलिथ्यास्यरुवेयानि । हृभवानन्दमन्त्रयनामनसिकलेया: तद्यथा । विलिलिलिकनिमिलिव ... वुद्वहवह बूमनाजनमवलिकव ... सम्बस्वहिसवमुद्धे

मध्रियच्छवन्धनबहिय निबद्धनवादकनबबंधुदव ॥ समकनननमारुगवना[illegible] हितायङ्ग गोमिबिकाय ॥ आसनद्वाराग्रयाय निक्कु[illegible] मिल[illegible] मिक्कनमाहगवनबुद्धाय सि[illegible]
नाथस्वाहा ॥ पुनरपरं आनन्द महामायूरी विद्याराज्ञी[illegible] ॥ सर्वसत्त्वानां[illegible] यथि विद्यालन यथि ग्रहं यथि विद्यालन[illegible] [illegible]
२१ नैसीमावर्धवरलाव[illegible]कुम्भुदीवद्ध[illegible]दास न ॥ नाहमानन्द समनुपश्यामि सदेवके लोके समारके सब्रह्मके[illegible] [illegible]लिकायां[illegible] [illegible]
यामहामायूर्या महामायूरी विद्याराज्ञीं[illegible] यविक्रालेन यनिग्रहेण यविद्यालमन[illegible] [illegible]विद्यालमनमन विक्षनागमनगाम
बन्धेन धरनीवन्धेन[illegible] ॥ देवा वा देवी वा देवपुत्रा वा देवदुहिता वा देवमहल्लकका वा देवमहल्लिका वा देवपार्षदा वा देवपार्षदी वा ॥ नागा वा नागी वा
नागपुत्रा वा नागदुहिता वा नागमहल्लकका वा नागमहल्लिका वा नागपार्षदा वा नागपार्षदी वा ॥ असुरा वा असुरी वा असुरपुत्रा वा असुरदुहिता वा असुरमहल्लकका वा असुरमहल्लिका वा असुरपार्षदा
दा वा असुरपार्षदी वा ॥ मरुता वा मरुती वा मरुतपुत्रा वा मरुतदुहिता वा मरुतमहल्लकका वा मरुतमहल्लिका वा मरुतपार्षदा वा मरुतपार्षदी वा ॥ गरुडा वा गरुडी वा गरुडपुत्रा वा गरुडदुहिता वा गरुड[illegible]

[illegible]नमहल्लकका वा [illegible]नमहल्लिका वा ॥
[illegible]का वा गरुडमहल्लिका वा गरुडपार्षदा वा गरुडपार्षदी वा ॥ गन्धर्वा वा ॥ गन्धर्वी वा गन्धर्वपुत्रा वा गन्धर्वदुहिता वा गन्धर्वमहल्लकका वा गन्धर्वमहल्लिका वा गन्धर्वपार्षदा वा गन्धर्व[illegible]
रा वा किन्नरी वा किन्नरपुत्रा वा किन्नरदुहिता वा किन्नरमहल्लकका वा किन्नरमहल्लिका वा किन्नरपार्षदा वा किन्नरपार्षदी वा ॥ महोरगा वा महोरगी वा महोरगपुत्रा वा महोरगदुहिता वा [illegible]
महल्लकका वा महोरगमहल्लिका वा महोरगपार्षदा वा महोरगपार्षदी वा ॥ यक्षा वा यक्षी वा यक्षपुत्रा वा यक्षदुहिता वा यक्षमहल्लकका वा यक्षमहल्लिका वा यक्षपार्षदा [illegible]
पार्षदी वा ॥ राक्षसा वा राक्षसी वा राक्षसपुत्रा वा राक्षसदुहिता वा राक्षसमहल्लकका वा राक्षसमहल्लिका वा राक्षसपार्षदा वा राक्षसपार्षदी वा ॥ प्रेता वा प्रेती वा प्रेतपुत्रा वा प्रेत[illegible]
दुहिता वा प्रेतमहल्लकका वा प्रेतमहल्लिका वा प्रेतपार्षदा वा प्रेतपार्षदी वा ॥ पिशाचा वा पिशाची वा पिशाचपुत्रा वा पिशाचदुहिता वा पिशाचमहल्लकका वा पिशाचमह[illegible] वा
पिशाचपार्षदा वा पिशाचपार्षदी वा ॥ भूता वा भूती वा भूतपुत्रा वा भूतदुहिता वा भूतमहल्लकका वा भूतमहल्लिका वा भूतपार्षदा वा [illegible]पार्षदी वा ॥ कुम्भाण्डा वा कुम्भाण्डी वा कुम्भाण्डपुत्रा वा कुम्भाण्डदुहि
ता वा कुम्भाण्डमहल्लकका वा कुम्भाण्डमहल्लिका वा कुम्भाण्डपार्षदा वा कुम्भाण्डपार्षदी वा ॥ पूतना वा पूतनी वा पूतनपुत्रा वा पूतन[illegible]हिता वा पूतनपार्षदा वा [illegible] ॥ कटपूतना वा कट[illegible]

पूठनमपुत्रावा ऌठष्ठूतनइहिनावा कठष्ठूतनमहस्त्रकावा कठष्ठूतनमहत्रिकावा कठष्ठूतनयार्येदावा कठष्ठूतनयार्येदीवा ॥ ष्ठेयोवाष्ठेयीवा ष्ठेयपुत्रावा ष्ठेयइहितावा ष्ठेयनहस्त्रकावा ष्ठेयमहत्रिकावा ष्ठेय
र्येदावा ष्ठेयार्येदीवा ॥ डन्माथावा डन्मादीवा डन्मादपुत्रिकावा डन्मादइहितावा डन्मादनहस्त्रकावा डन्मादमहत्रिकावा डन्मादार्यदावा डन्मादार्येदीवा ॥ छायावा छायीवा छायपुत्रावा छायइहितावा छायन
हस्त्रकावा छायमहत्रिकावा छाययार्येदावा छाययार्येदी ॥ [illegible] वा अपस्मारावा अपस्मारीवा अपस्मारपुत्रावा अपस्मारइहि ॥ [illegible] अपस्मारनहस्त्रकावा अपस्मारमहत्रिकावा अपस्मार
२८ नयार्येदावा अपस्मारयार्येदीवा ॥ डाकपक्षावा डाकन ॥ कीवा डाकिनकपुत्रावा डाकनकइहितावा डाकनकनहस्त्रकावा डाकनकमहत्रिकावा डाकनकयार्येदावा डाकनकयार्ये
दीवा ॥ दुयसत्रिमीय त्वमस्कन्धस्य यमनाथाथीश्रुवनार ॥ गधवीश्रुथीयसंक्रमीयत्य यस्कस्यत्वयमनाथाथीश्रुवनानगधमी ॥ श्रुवकाननतत्रिकाः ॥ नदवादवसमिमितियस्थाने नगन्धा
नसमिमितियस्थाने नामुषाःमुवसमिमितियस्थाने नमनुष्यामनुष्यसमिमितियस्थाने नगरुडागरुडसमिमितियस्थाने नगन्धर्वागन्धर्वसमिमितियस्थाने नकिन्नराकिन्नरसमिमितियस्थाने नमहोरगमहोरगसमि
मितियस्थाने नयक्षायक्षसमिमितियस्थाने नवाकस्मात्कसमिमितियस्थाने नप्रेतायप्रेतसमिमितियस्थाने नपिशाचपिशाचसमिमितियस्थाने नकुम्भाकुम्भसमिमितियस्थाने नकुम्भाण्डकुम्भाण्डसमिमितियस्थाने न

तनपूतनसमिमितियस्थाने नकटपूतनकटपूतनसमिमितियस्थाने नस्कन्धस्कन्धसमिमितियस्थाने नान्मादडन्मादसमिमितियस्थाने नछायाछायसमिमितियस्थाने नापस्मारापस्मारसमिमितियस्थाने नाडाकनक
डाकनकसमिमितियस्थाने लपयन ॥ यथेनामहाविद्यां कश्चिद लिङ्गमिष्यमिसच्छायाश्रूकस्य स्कन्धः स्नूथाश्रुः कस्य वमस्पीः ॥ छमगात्रमक्रयदामनसिकर्तव्या ॥ तद्यथा ॥ ॐ लिमिलि किलि मिलि किलि
मुसु ॥ मुसुमुसु ॥ यवम मठकवया ॥ यी ॥ श्रुनायायारा गोयदाहिका ह्लिलि मितिति किलिका कइकाकहर ॥ काह्लिलि मिलि मिलि मिलि समकर्ण ह्ला ह्ला ह्ला ह्लि
हिलि किलि किलि किलिसार्वबवर्वशुलुनुलु बलबल विति ॥ तितिवुलुवुलु चिटि विटि मिमि शिशि शिशि शिशि ॥ १८ ॥ हि हि विः ॥ हि ॥ शिशि शिशि ॥ १९ ॥ हकहकहकहक हुहुहुहु हुहुहु
हाहा ॥ २० ॥ दवहनाह नबलजम्भप्रजम्भ सर्वदुष्टप्रदुष्टानांर ॥ ॐ स्कमिलानलिनी ॥ सर्वसत्वानां सवबोदशामितुषी यक्षिणाः ॥ यविग्रहं यसिआह्लन गाङ्गिहस्थायनदयावहास्थ
यविहारं विषद्धवर्णविबनामनंगौ मावन्धं यव दीव श्वयरकथामित्रा वेरुवर्षयनयस्थे गवदासनं ॥ तद्यथा विकुमुल विरविकमाल हलहलमाल कलकलमालस्थूरस्थूर ॥ वनुवब्रलाथ
८॥ हकहकस्थन ॥ हर विरि सर्वदुष्टप्रदुष्टानां हृदयविषमूलविषमन्त्रविषसर्वबुद्धानामिजनयकसयनवबवनकववर्त विविहिविहन विधनिहन विश्व सत्वानां सत्यं सर्वबुद्धानांप्रजकस्थ मय सर्वबुद्धार
४ नागिविधि

२७ नांष्ट्रा वकसं घानांभडन। धलामला॰॰लिमलानिलिमलानिदडुदनिलिमानिमाडुमाविमा बुमुकुमुयथदुसमडुचा श्रुंडु नाठनिल दुक्रनाठ वर्षं हुदवढलिक्षिगिसमङ्कनानवमाना दुसमागा मुम श्री
मसर्वसद्धं घु बुसदगवविलिबुदाविलिकवळवंवदुकदुल ढ्वनिगवनदुमूदुस्थप्रियकथश्रावळयुनिवढनधादकनवर्षदुःखसमङ्कन। नमारुगवक ढ्वलुगोहिसिकाय ढ्वहिदा यगोवादिकायढ्वर्म
विकाय श्रुलिकवा कुन्कलं श्रुहनहुक्वन दुश्रुसन मागनयामनि क्रुलंधांनि क्रुलनमा [illegible] वनवुद्धानां। श्रुगोकमामुस्यजिनाविधर्थाः भिभिनःपूणुवीकस्थद्धुल गालस्थद्धुलडयगाधायिथ्रुहुः
क्रुगिवीसद्धुलकक्रुढ्वन्दवाम्रूणा॥ वुद्धथ्वकानामधूणाड इस्थद न्यथ्राव शूलडयगमधकाध्ययथुथ्रुद्धुल मुनिगाक्व पुद्धव डथयवाधिसमवायधोकम॥ थवढुदुढ्व वुमहाविवाय
याहवनाम क्षि रदिप्रसम्रा॥ नाहवनामुदिकमनाडदया। ॥ कुवकुसालिंवगिवस निर्यकथथा। ढ्वलिमिविलिविलिविलि कलिवालिडइस्वनधुइमादवुसनवुसनक्रुकुकनकोलिन्द
नऊ मूलढ्वकिसनमाकुनलिकुश्रालिनावायलिमामायलियस्थनियथ्ययथ्यनिक्रुथिलवाड्ढ्वनिढ्वनिवानिसिधदुभड्रामिताम-कुयदा॥ स्वाहा। ढ्वमापूनवानन्दमहामडया॥ वढ्वलसहायनिमानामिनी
॥ गडबणादवानामिश्रुनवडुर्हिमहानाडेवढ्वा विंगनिक्रिश्चमहायक्रसनायनिक्रिःशयाक्रानन्दश्रानीमदीयवीनीनामधूद्धस्कमानमधुकधिप्रदइष्ट विनिडयसंक्रामसाश्र वास्य रुन्मृ ढ्वाधुर्डकासथवश्रं क्रानी

नश्रुथा। कीलिमूलत्रनशुमूलसमन्त्रमूलनठनाडकुसनाडकुलमिलयाबुश्रुनडुकाढ्वलिकिगिगोधहिकाडडुचूमानिन्नमजानमावुद्धानां। स्वक्षिवाक्षियदन्वाकुश्रलिवास्तुवहुधदस्वक्षिमागेड्रुकंकानास्वालि
प्रस्यागमबुव। स्वक्षिवावोस्वक्षिदिवास्वक्षिमयन्दिमस्त्विन। सर्वत्रस्वक्षिधासाडुमाद्येयोयायमागमञ। सर्वदिवश्कल्याना॥ सर्वनक्रत्रनडकाः॥ सर्वमहद्धिकावुद्धाः॥ सर्वेदद्मानिनाग्रवा॥ श्रुमन्नणध्यवाधि
नस्वक्षिरुर्वेतुसक्रनः॥ श्रुनयामहामाक्षुयीविश्राधाक्रा। कथागनलायिकयास्वानक्रिक्रावन्कौकुतुथुक्षियविहारायेयविश्रहधा। वियालनगान्क्षिस्वस्याधनेदथुयविहारे [illegible]
यद्धदगीविधनागनेशामावन्धेवनणीवचश्च क्षेत्रडीवदु वधिगनिष्यथ्रडुसवदासमदे। यश्रानन्दयक्रामहायक्रामहायक्रा॥ समुद्रकुललदिक्रमांकि। यस्रुमंश्रीयवेकवाज [illegible] सव
कवाडधुश्रुठवीधुमहादवीधुनदीधुमहानदीधुकुञ्जधुम। हाकुऊपुथवसल [illegible] नमधुकठा गोवृयद्धलधूमिगिरियुहास्वमामाजश्रमहा स्मशानधुवढ्वधभूमहावढ्वधयु [illegible] समहा
सगयबुधामयुधायधुडयानधुवनधुयवनधुकाननधुवधथेयुधयथेधुवचयानन्दमहायक्राडकेवयोवाडजानायंक्रिकवगानिनयनयानहामाहु श्रीविश्रावाड्राह्मणनिक्रि॥ नकाउ [illegible]
गयिनिश्रुहयवियालनेशान्क्षिस्वस्याधनेदथुयविहारेवगश्रुमनिहारेविषदुवणीविषमागनी। शामावन्धेवनणीवचथकुवदु [illegible] नवेगनियथ्रडुसवदासं। कयथा। हनिलिहानिवलिकोल

ड्डमलिड्डाम लिमाद निस्कन्कु निडक्कु निश्चयेन्दु स्वाहा ॥ पूर्वायामानन्द दिशायां धृतराष्ट्रो नाम गन्धर्वमहाराज प्रतिवसति गं ... गन्धर्वाधिपति ... गन्धर्वमित ... गन्धर्वानामाधिपत्यं करोत

३९ रक्षियः पूर्वायां दिशायां रक्षति यथाविधालयं रक्षिसायपि समृद्धः सपौत्रः सज्ञातिः सामात्यः ससेनापतिः सप्रदूतः सदूतः सचरविचरः ... सह नयाम महामायूरीं विद्याराज्ञीं स्वातिं भिक्षुं ... ममसर्वसत्त्वानाञ्च

रक्षां कुर्वन्तु जीवतु वर्षशतं पश्यतु सन्दासती ॥ तद्यथा ॥ मुसुरु मुसुरु ... सुरु सुमस्वाहा ॥ दक्षिणायामानन्द दिशायां विरु ढको नाम कुम्भाण्डराज प्रतिवसति कुम्भाण्डाधिपतिः ... नाम

कुम्भाण्डगतस कोट्य पतिवासाधि कुम्भाण्डानामाधिपत्यं करोत यपि दक्षिणायां दिशायां रक्षति यथाविधालयं रक्षिसायपि समृद्धः सपौ त्रः सज्ञातिः सामात्यः ससेनापतिः सप्रदूतः ... स

सयानिसदाः नयाम महामायूरीं विद्याराज्ञीं स्वातिं भि क्षुं ममसर्वसत्त्वानाञ्च रक्षां कुर्वन्तु जीवतु वर्षशतं पश्यतु सन्दे सती ॥ तद्यथा ... ॥ ... ॥ ... ॥ वल्गु ...

सामवति ॥ वल्गु मालिनि वल्गु निपुति कथावु विद्युस्वाहा ॥ पश्चिमायामानन्द दिशायां विरूपाक्षो नाम नागमहाराज प्रतिवसति नागाधिपति ... नागकोटि ... नागानामाधिपत्यं करोत

यः पश्चिमायां दिशायां रक्षति यथाविधालयं रक्षिसायपि समृद्धः सपौत्रः सज्ञातिः सामात्यः ससेनापतिः सप्रदूतः सदूतः सप्रवनः सयानिसदस्वन यामहामायूरी विद्याराज्ञी स्वातिं भिक्षु ममसर्वसत्त्वानाञ्च रक्षां

रक्षां कुर्वन्तु वर्षशतं पश्यतु सन्दासती ॥ तद्यथा ॥ वइनि वइ निवइ निवइ नामहि ... दि विद्यमति ॥ कुरुकुरु ... ॥ ... ॥ ... ॥ ... ॥ सहा ... ॥

यामानन्द दिशायां वैश्रमणो नाम यक्षमहाराज प्रतिवसति यक्षाधिपति ... यक्षानामाधिपत्यं करोति ॥ यत उत्तरायां दिशायां रक्षति यथाविधालयं रक्षिसायपि स ...

ज्ञातिः सामात्यः ससेनापतिः सप्रदूतः सदूतः सप्रवनः सयानिसदाः नयाम महामायूरीं विद्याराज्ञीं स्वातिं भिक्षुं ममसर्वस त्त्वानाञ्च रक्षां कुर्वन्तु जीवतु वर्षशतं पश्यतु सन्दास ...

तद्यथा ॥ ... हिलि मिलि मिलि मिलि विमति हिलि हिलि हिलि विमति हिलि विहिहि नियल्लु यल्लु पिंगल वल्गु वल्गु दत्त ... वसुमति निहती विवी वसुमति स्वाहा ॥ ० ॥ पूर्वेण ... नामरुद्र ...

... पश्चिमेन विरूपाक्ष ... उत्तरेण ... ॥ वैमहाराजलोकपाला यसस्विनः ॥ ... ॥ माल ... महा ... महाबला ॥ ... ॥ ... ॥ ...

... यक्षस्विन ॥ ... महर्द्धिकाः ॥ तेषन यामहामायूरीं विद्याराज्ञीं स्वातिं भिक्षुं ममसर्वसत्त्वानाञ्च रक्षां कुर्वन्तु जीवतु वर्षशतं पश्यतु सं ... ती ॥ तद्यथा

... समलकिलि तिलि मिलि गिलि वा ... स्वाहा ... समन्त ... ... स्वाहा ...

३१

ॐ विठिनि विठि यि विठि हि विठि हिलि हिलि किलु कुलु कुलु मिलि मिलि कुलुल तत लम्बोदरा ॥ डकुकु अक्षमानन्दसमा यक्षसेनापतीनां नाम निथमन्त्रं प्रतिवसन्ति । तद्यथा । ... यानववाहनः ॥ मि-
थिलायां प्रतिवसन्ति देवसत्याय यावत्क ॥ सायनया महामायूर्या विद्याराज्ञ्या बालं ... सर्व सत्वानां ... रक्षां कुर्वन्तु जीवन्तु वर्षशतं पश्यन्तु शरदां शतं ॥ तद्यथा । ... नाम ... लिप्यन्तु
बलि विचिनि गौरि गन्धारि चण्डालि मातङ्गि मालिनि ... हिलि हिलि ... गति गति गौरि गन्धारि ... विहारिणि । लिहि लिहि ... स्वाहा ॥ ... यातलि ... नायावद
यक्षो ... ॥ ... मानव ॥ व ... जयपाली ... तालय ॥ ... पर्यति ... कौशम्ब्यां ... महाबलो महानडः ... विघ्न ... ग
... ग ॥ ... महासेनो महाबलः ॥ कालो ... काल ... कपिलवः ... मुनि ॥ ... मुनि ... ॥ ... मुनि ...
... नायां ... ॥ ... वाराणस्यां महाकालः ... ॥ विष्णु ... कायां ... ८
... यालिपुत्रे ... ॥ श्रावस्त्यां ... ॥ ... जातावस्त्र ... मिव ... ॥ ... ॥ ... प्रो

... गन्धारदेशे ... ॥ महागिरि गिरि ... सप्तावार्ष ... कालिक्यः ... ॥ ... दत्त ... ॥ ... कलिङ्ग ...
... यावन ... मर्दन ... यक्षो गिरि ... मालव ॥ रुद्रश्च ... सर्व ... मालवे ॥ गौतमक ... पालितकः सार्थवाहाः ... ॥ ... दक्षिणा ...
... शिव ॥ शिव ... वने ॥ ... ॥ ... शिलायूप ... कपिला ॥ ... ॥ ...
... याम् ... ॥ ... महा ॥ यक्षो ... निवासकः ॥ ... मालिनी ... विराटे ... ॥ ...
... कल ... ॥ मथूरायां गर्दभको ... कलसाह्वः ॥ ... सूर्य ... यक्षो गिरि ... ॥ विजयावे ॥ ... ॥ ... लक ... यक्षः ॥ ...
... ॥ ... प्रतिष्ठाने ... ॥ ... नामि ... ॥ ... ॥ ... दर्शनः ॥ ...
... महा ... ॥ ... वनवास्यां ... पालकः ॥ ... ॥ ... वनायः ॥ ... ॥ ... प्रियदर्शनः ॥ ... प्रियः ॥

हाकायद्धितकस्त्रिमूर्धामवक्रमः । स्वनक्रविशालाश्चगुडकयडदुम्बय ॥ सुनाला गन्धवेगाल्यांशाल्मिवल्लां विशाचनः । शुद्धिकुञ्जवचितकः कांपिल्यकांपिलस्तथा । वकुलादडिहान्यायांमगुणांय

हरद्या ॥ मेगमसम्बयावाल्लीग्रसजागडसाकडी ॥ ववनायीदरतनुर्यालयचवनक्षयः । कुनुकेशचयश्चत्री तनवकुतनाकेक ॥ यकृताचतत्वमहालुम्लतमवला ॥ तियालिनथसिद्धार्था

लेवा सेन ॥ सिद्धयाकुस्थाश्च धूसूकुलायांशू । लग्रवेव । यक्ष्मासिहवलीयाकुसिहयाग्रवलावली ॥ कादीवर्ध । महासूनलथायवधूनबूयक्ष । धूयादकङ्बनस्याः पीमाग १०

गविसुरा । गोयाखयवेनीयदः । सूत्येनश्चैवना । गम । वीबवाकृयगाकेकाकन्यीवसूत्यावदः ॥ कोगायाशय नयागोगुडिकायायेन । प्रकेः । यकवादलिसूकुयनाम्ना

हुनरूयकया ॥ सूगोकत्वैवकाया पूसूवपूकाटक गश्लनूकहवसिद्धा । थोमन्दकयाजिनरूपा ॥ सूत्रोदकमकाकस गौश्वमलिकानन । विकटकदाश्वयय

॥ बकामथमवीयथ सोलदया महायसा ॥ वेनाटकमावधूयकृकामनुहामधू । यकाहेनकटश्याकलयायिटकबेयायि ॥

नि । गाथायकामेडानिकानेऽानकालितयाश्राव सिन्धुमिन्धुपायवरपूकगनायस्य महागिन्यामहावला ॥ डेस्यूकयाक्षिकस्य वसनवीनक्रमिश्र ॥ कन्याध्यादेलिनाद

लिकनयवाध्मीवद ॥ यास्थिवदलिनामाहुवसन

कलिंगमूमगुलामगुलासमनलकेश्वरयकालिश्यांमानीविनामकक्रियानु ॥ वदालयकपालेशुवक्षाश्वमहाजुकः । जिनवेशावाक्पूत्र

निद्रागकः । सानागिनिहमवसोवसनसिन्धुगागव ॥ त्रिशूलयालिभिपूयकालिङ्गपूत्रमर्दनः ॥ योवत्सलगजुद्रमितसिद्धलमूव ॥ मुककूपपाद

गुवावगामलयमहापूत ॥ प्रकुजनयदवकपूर्विम लाधूलिमवसः । वकुडावकुडाबानमानलिश्चैवकामद ॥ यूग्रीव । कमूप्रबुद्धः कायनीमलद्वेवव । घान

मपूसीकवः ॥ धमविश्रयवाङ्कीककटकपूववर्पिगलम धूर्मवेदमयूरस्मूलः । कवाडध्योतियानक ॥ कूकादवकासल मबूनमकदवकः । विकसनथवाका

न ॥ विडुलयैवकासीमयत्रीशाप्रियदर्शनः । कर वयकावाजयूहविपुलस्मित्रिवासकः ॥ हयगकमहस्रलयकाना वधूजायाव ॥ शूहिङ्कजायी

॥ नन्दीवनदिनगवग्रामधायवलिश्रितः । दवावनायवेग्रमणः । वसिन्धयवियालकः ॥ यकाटीयविश्वा कवसीनिवा ॥ ग्रहमहलिंदाकाः ॥ महालिन्यामहावला

नाइवर्वासूयवाडिनाः । साबिमध्याक्षतिमकबल्लीवक्षयराध्विनः ॥ दवामूवमाविसीग्राममनूलवकुमहर्विकाः ॥ कथनयामहा मूर्यविद्यावाज्ञानमहर्षी । सर्वेसत्वानाम

त्रिशालय यक्षिगृहे यक्षिणी यालनं गांकिन्द्र ऋयन नद्वस्तुव विहारे गरुडाय विहारे विघद्दयने विमनाग नेगीमा बद्धं वनवा वथश्च कूर्वे ङीवे वहुवर्ष गादद्य स्तुम नवदासने । नयथा । अकट विकट दवि [illegible]
[illegible]गिविवरलि बावलि दक्ष दक्ष दक्ष बृक्ष बृक्ष । हन दह नदह नदह मदह नहन दह नहन दह नहन । १० । अमितामम । दह दह दह दह दह दह दह दह दह दह दह दह दह दह । ११ । अहिहि मिमिनामम । मबव मबव यव यव यव यव मवव मवव वद [illegible]
व । १० । प्रत्यर्थिकाम्मम पुपु पुपु पुपु पुपु पुपु पुपु । १२ । नागय । अहिहि मिमिनामम । हह हह हह हह हह हह हह हा । १० । डिठि डिठि डिठि डिठि डिठि डिठि डिठि डिठि डिठि डिठि डिठि । १२ । नागयक्षनमा वु [illegible]
३३ लुलु लुलु लुलु लुलु लुलु लुलु लुलु लुलु । १४ । हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि हिलि । १० । मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि नागाहे । १८ । [illegible]
[illegible] हुहु हुहु हुहु हुहु हुहु हुहु । १५ । विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि विटि । १० । नागयक्ष कुम्मम हिक्क मिक्क । विक्ष वृक्ष [illegible] मम [illegible]
[illegible] मथे । अमले विमले वज्र वज्र [illegible] सूर्य सूर्ये का [illegible] । [illegible] वङ्कुवर्ष गानं यच्छतु सवदासने । [illegible] मह [illegible] सना [illegible]
[illegible] गोवर्द्धन गिरि विद्यालयति । वीयामानन्ददिग्गा याविद्यावामहायक्षसेनापतये । प्रतिवस्ति यक्षवी दिग्गन कृतिय विद्यालयति । नयथा । [illegible]

[illegible] मा [illegible] विद्यावा [illegible] सर्वसत्वानां कनकाकूर्वे ङीवहुवर्ष गानं यच्छतु सवदासने । दक्षिणा [illegible] मा [illegible] दिग [illegible] विद्यावामहाय [illegible] सनायकाय । प्रति [illegible] यक्ष [illegible] न [illegible]
[illegible] लयति । नयथा । सिद्धयसिद्धे । सखिला नन्द्ध [illegible] यन यामहामामा सूर्यविद्यावाह्लीवामकिन्द्रा । सर्वे शत्वानां कनकाकूर्वे ङीवहुवर्ष गानं यच्छतु सवदासने । पश्चिम यामा [illegible]
वद्वामामहायक्षसेनापतये । प्रतिवसति यथाधिमाय दिग्गन कृतिय विद्यालयति । नयथा । हविंदे निक्ष [illegible] । गलच्छ [illegible] यन [illegible] मामा सूर्य विद्यावाह्ली [illegible]
[illegible] वङ्कुवर्ष गानं यच्छतु सवदासने । उत्तर यामानन्ददिग्गा याविद्यावामहायक्षसेनापतये । प्रतिवसति [illegible] यक्ष [illegible] । मादिग्गा [illegible] विद्यालयति । नयथा । [illegible]
[illegible] नन्द [illegible] विमूलये [illegible] यन यामहामामा सूर्यविद्यावाह्ली वामकिन्द्रा । नकाकूर्वे ङीवहुवर्ष गानं । वच्छतु सवदासने । [illegible] नन्द महायक्ष [illegible]
[illegible] विदि [illegible] दिगोवर्द्धनगिरि [illegible] विद्यालयति । नयथा । याक्षि कपाल [illegible] मा [illegible] यन [illegible] मामा सूर्य विद्या [illegible] वकाकूर्वे [illegible]
[illegible] वर्ष गानं यच्छतु सवदासने । ब्रह्मानन्द महानन्द महायक्षसेनापतये । प्रति [illegible] विद्यालयति । [illegible] । यन या
महामा सूर्यविद्यावाह्ली वामकिन्द्रा । नकाकूर्वे ङीवहुवर्ष गानं यच्छतु सवदासनं ॥

चत्वानः मग्धान न्दमहायुक्तसना यनयाथग्रुजनीस्तुप्रतिवसंति थगुरुनिथगर्नांसत्वात्रकुन्ति यनिवालयन्ति [illegible] मामाग्रुयिर्षा [illegible] मामहामा [illegible] नाहा नामिहि
मायरकी कुवेल्कुशीवत्तुव थेगर्न यग्धुतुगवदासमर्ते ॥ डन्दुन्दु मानस्तु ग्रुमलाय्यमहावाडुस्य यमत्राद तोनामानियसव्वाप्रवंक्तियवियालयन्ति ॥ [illegible] वीथा [illegible] सयोग्र [illegible] स्यनामस्यति
३४ [illegible] कोनुग्रहाथेलोकमनुविचनन्ति। तथा ॥ कुम्भसाम सूर्या वसू [illegible] ॥ प्रसयन्ति न वद्धा [illegible] गानस्य न्दन ॥ कामं [illegible] निकन्तोनिल [illegible] ॥ [illegible]
दयधकाक ॥ मालागिविद्दमवन ॥ पूर्व [illegible] दिनकाविद्द ॥ गोपालयक्ष [illegible] दवधानवबाडाजिनखेन ॥ यावालगमे [illegible] मुजो दोघा [illegible] निजन ॥ [illegible] समयगन्धर्वे [illegible]
हलीवधिकजुक ॥ दीर्घगाक्षि थ मानलि ॥ एगयक्षा महायक्षा ॥ मनाया ॥ मणिनायका ॥ आदिमसक्षन्तिमश्च [illegible] वक्ष्ययसंविन [illegible] मणक्ष्यम [illegible]
मंत्रिप्रम [illegible] महानाडाश्राथावयन्ति ॥ सूर्यमयक्षा विह ० यन्ति ॥ सूर्यमयक्षानमुक्तनि [illegible] सर्व [illegible] णस्य महावाडस्य [illegible] ॥ मध्यनयामहामायूर्यो विद्याराज्ञा [illegible] नि [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] वयधिग्रनयग्धुतुसनवदासमर्ते ॥ यविज्ञायक्षुकानिकलहहरणुन विवादविग्रहत्स्य ॥ वेवियालयक्षुमनुष्यग्रहाणं ॥ अमनुष्यग्रहाणं ॥ देवग्रहाणं ॥ नागग्रहाणं ॥ [illegible] सुपर्ण [illegible] ॥ [illegible] ग्रहाणां

नं ॥ असुरग्रहाणां गन्धर्वग्रहाणं ॥ किन्नरग्रहाणां महोरगग्रहाणं ॥ यक्षग्रहाणां राक्षसग्रहाणं ॥ प्रेतग्रहाणां पिशाचग्रहाणं ॥ भूतग्रहाणां कुम्भाण्डग्रहाणं ॥ पूतनग्रहाणां कटपूतन [illegible] ॥ [illegible] ग्रहाणां [illegible]
[illegible] ग्रहाणां छायाग्रहाणं ॥ डाकवकग्रहाणं ॥ नक्षत्रग्रहाणं ॥ लयग्रहाणं ॥ नर्कीकुर्वन्तु ओजोहारिणीनां गर्भाहारिणीनां दसाहारिणीनां मांसाहारिणीनां मेदाहारि [illegible] मज्जाहारिणीनां जाताहारि [illegible]
[illegible] विताहारिणीनां वल्याहारिणीनां माल्याहारिणीनां गन्धाहारिणीनां धूपाहारिणीनां पुष्पाहारिणीनां फलाहारिणीनां सस्याहारिणीनां ॥ आहुत्याहारिणीनां ॥ पूयाहारिणीनां विष्ठाहारिणीनां मूत्राहारि [illegible]
[illegible] श्लेष्माहारिणीनां ॥ खेटाहारिणीनां ॥ सिंहनकाहारि [illegible] णीनां ॥ वान्ताहारिणीनां अशुच्याहारिणीनां ॥ बलाहारिणीनां [illegible] ॥ सर्वेषां महा [illegible] कामं [illegible] नकोदकि [illegible]
[illegible] ॥ डन्धर्न नाथावकाठन ॥ विद्याना [illegible] [illegible] कृत्याकर्ष [illegible] ॥ हस्ताक्ष [illegible] ॥ हलीदिमावध्रु ॥ [illegible] ॥ इस्तो [illegible] कृत्याकृ [illegible] ॥ [illegible] कृत्यानां [illegible]
[illegible] दकेरुयान ॥ यवबर्क कृतयान इर्लिकुरुयान ॥ स्त्र समनिरुयान ॥ कुकालरूद्र कृतयाना यवतीलस्य कृतयान ॥ बलि [illegible] कृतयान [illegible] कृतयानां ॥ [illegible]
[illegible] कृतयान ॥ मर्कीकुर्वन्तुवामीरिक्ष ॥ सर्वसत्वानां च दद्रुकण्डूकुष्ठकिटिभ मरुगगुरवयिरकयाभावेसवासाहनिगरुयान ॥ सिंबा वाहि मधन [illegible] ॥ [illegible] वेद [illegible] मन्थावव [illegible] नामा

३१

गं मुभ थागं कणु थागं हृद्रागं गलय हिं कर्णमूलीं दक मूलीं हृदयमूलीं हष्ठ मूल मूद्धन मूलीं गणुमूलीं वामि मूलीं गुद मूलीं [illegible] निमूलीं त्र [illegible] नमूलीं [illegible] मूली [illegible] मादमूली गुं गत्र वाम [illegible]

न मयन मयकृत्र काहिकं वाहिकं त्राहिकं चातुर्थकं सन्यहिकं र्द्धमासिकं मासिकं द्वैमासिकं माहूर्त्तिकं नित्यज्वरं विषमज्वरं भूतज्वरं मानुषज्वरं मानुष्य [illegible] सर्व [illegible]

[illegible] सर्वज्वरं सर्वव्याधिं सर्वग्रहं सर्वविषं सर्वव्याधि सर्व नयगुनाय यकृत्वाम लिङ्गः सर्वसत्वानां च स्वाहा ॥ ह्वादश महामी मानन्दमहा [illegible] धिपा स्वाहा [illegible] जिसत्वा मातृ३ ज्ञ [illegible]

ब्दिना जाय मामा जामा थिन ब्लिमा । मा: पुनः कट मोढ दश । नयथा लम्वा विलम्वा प्रलम्बा डान [illegible] हा भी मी हि विकमा ह [illegible] धिगला का सा [illegible] ली [illegible] वा मा का कल [illegible] द

[illegible] मामहा धिपा य । ज्ञिमखी य त्रिमखा वर्णवन्ध्या यमख्विन ॥ नवाम यम धिमा धिगाम मनूवर्ण्ठि महद्धि का [illegible] महामा [illegible] धिया नाङ्गा याम [illegible] ॥

[illegible] वर्ग [illegible] सवदास । ज्ञिम वाण मकुयपु मवकु ॥ नयथा । हननपथ भूमल मिलमूल मरद्दिमल मयिदिव ॥ हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु ॥ १० ॥ [illegible]

[illegible] मति मति ॥ १ । सिद्धि सिद्धि सिद्धि सिद्धि ॥ १ । स्वामलिङ्गः ममसर्वसत्वानां च स्वाहा ॥ खिलि खिलि खिलि खिलि ॥ १ ॥ स्वामलिङ्गः सर्वसत्वानां च स्वाहा ॥ पूर्व [illegible] नन्दमहा धिपा सध्या भाग [illegible]

[illegible]

१२

मला क्षिकामनूष्यानां विद्द धिका या लि धी विसत्वा मातृ : वृक्तिगनाव ज्ञिना गाय मानाव क्रिन्नु जगादि नक्किम ॥ मा पुनः कट मो : नयथा । मद । मद ना मदा [illegible] मा [illegible] महामा धी [illegible] विस्री [illegible] स ना

[illegible] नि । ज्ञग्य नागूरू महा धिपाथ : गद्धिमन्द्या प्रा दिमन्द्या वर्णवन्ध्या यगख्विन : नवा सूवम धिस्रीमाम [illegible] द्धि महद्धि का । मा ध्यन या महामा पुष्या विद्या नाइ [illegible] द्वक [illegible] दरु वर्णी

गर्न ग्रन्थुकुमर वदागं ॥ नयथा । हनपथ पथ मल मिलमूल मरद्दिमल मथि लिक ॥ हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु । १० । हुलु हुलु हुलु । १ मति मति मति मति । १ । सिद्धि सिद्धि सिद्धि सिद्धि ॥

स्वामलिङ्गः सर्वसत्वानां च स्वाहा । खिलि खिलि खिलि खिलि खिलि ॥ १ ॥ स्वामलिङ्गः सर्वसत्वानां च स्वाहा ॥ पूर्व वानन्दम घमहा धिपाधा मान्यो नि [illegible] जिका मनूष्याणां वि

धिका या लि धी विसत्वा मातृ : वृक्तिगनाव ज्ञिना गय : मामा धिवार्ध्र । मा: पुनः कट मा ॥ नयथा । मूग्रोदिकावर्णि निक्षा वि [illegible] विका [illegible] द्र का गुह्य [illegible] का मि

[illegible] काराधि वर्णि निकापवि । ज्ञग्यना: सप्तम हावि गाया सद्धिमन्द्या प्रदिमन्द्या वर्णवन्ध्या यमख्विन : नवा मुवम धिस्रीग्राम मन [illegible] द्धि महद्धिका ॥ मा ध्यन या महामा धु

[illegible] कुवर्ण [illegible] ग नद्य युक्त मरदाम र्ग ॥ नयथा । हनपथ पथ मल मिलमूल मरद्दिमल मथि लिक ॥ हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु । १० । हुलु हुलु हुलु

[illegible] स्वामलिङ्गः वरा कुवर्णकु जीवद्ध व [illegible] खिलि खिलि खिलि खिलि खिलि । १ । स्वामलिङ्गः सर्व [illegible] स्वाहा ॥ ज्ञमा । पूर्व [illegible] महा व [illegible] या या लि

मति मति मति मति । १ । सिद्धि सिद्धि सिद्धि सिद्धि । १ । स्वामलिङ्गः का वका कुवर्णकु खिलि स्वाहा

२६

षिसत्वामातुकु क्किगमानक्किमोजयमामामाव क्किमाजमापिवक्षितः॥ नाः पुनः कदमाः॥ तद्यथा कुण्डा निकुण्डानन्दा विष्णुलानपितामि॥ इष्यनाः यकुमहावाकरुस्या स क्षिम [illegible] मक्ष्यावर्णुवन्धा
सम्पिन्नदवाप्पुवमपिसंत्रामममनुरूवकुमहक्किकाः॥ नाथ्यनयामहामायूर्यीविद्यानाज्ञीवाम क्षिकाः सर्वा कु वेकु जीवकु वर्ष [illegible] गनमाराम॥ तद्यथा॥ हव लवव वमलामिल [illegible] समद क्षिम
[illegible] सुक्किक॥ हुलुहुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हु नुरुनुरु॥ १॥ नुरुनुरु॥ २॥ मक्षिम क्षिम क्षिम क्षि॥ ३॥ सिद्धि सिद्धि सि द्धि सिद्धि॥ १॥ स्वाम क्षिकाः सर्व सत्वाय [illegible]॥ [illegible]
क्षिवाक्षिवक्षि॥ १॥ स्वाम क्षिकाः सर्वसत्वानां च स्वाहा॥ ॥ शुक्लाविमानन्दमहानागकस्यामानसानिकराजिकाः मनुष्या नीचिहथिकामाक्षि [illegible] मा [illegible]
मोजयमानानक्किमाजमापिन क्षिमनः॥ नाः पुनः कद माः॥ तद्यथा॥ महामूलीमाकुसा कोकसिनी कैवा डोमुमिद्राम क्षिकाक [illegible] लीमीमा [illegible]
नक्किमी पुरुषमावकदा नः काः॥ अपिपुक्षिकाकुलानिसवकन्धु न्यागानक्षाम मप्रकावा॥ गन्धक मनुगहक्किगदायय क्षि॥ मनुष्याणामाक्षहवक्किमहाक [illegible] माम क्षिकावर्द [illegible] मा
धाप्रडी॥ छ्यानामृष्टमहावाकस्यः॥ सक्षिमक्ष्याय क्षिमक्ष्यावर्णुवक्षयसक्षिन्य स्थवाप्पुवमपिसंत्राममनुरूवक्षिमहाक्किकाः॥ नाथ्यनयामहामायूर्यी [illegible]
[illegible] हुलुहुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु॥ १॥ नुरुनुरु॥ २॥ मक्षिम क्षिम [illegible]॥ सिद्धि सि [illegible]
अमनंथस्थाहसनदागम॥ तद्यथा॥ हवलवव वमलमिलमूलमद क्षिमक्षिमहक्षिमिक्ष

क्षि सि द्धि॥ १॥ स्वाम क्षिकाः सर्वसत्वानां च स्वाहा॥ स्वक्षिस्वक्षिस्वक्षिस्वक्षि॥ १॥ स्वाम क्षिकाः सर्वसत्वानां च स्वाहा॥ दशेममाश्रानन्दमहावाकस्या याक्षिवाविसत्वामातुकु क्किगमानक्किमोजयमाः [illegible]
नक्किमः॥ नाः पुनः कदमाः॥ तद्यथा॥ हावीनीनाकसी॥ पिंगलानाकसी॥ संभिनीनाकसी॥ धवमिश्रानाकसी॥ कुम्भ [illegible] नाकसी॥ कुरुकुल्लानाकसी॥ लक्षिकानाकसी॥ अनलानाकसी॥ इष्यनाकमहावाकस्यः॥ सक्षिमक्ष्याय
क्षिमक्ष्यावर्णुवक्ष्याय सक्षिनः स्थवाप्पुवमपिसंत्राममनुरूवक्षिमहाक्किकाः॥ नाथ्यनयामहामायूर्यीविद्यानाज्ञीवाम क्षिकाः॥ नवाक्षिवकुजीवकुवर्षगमयिथ्यकुसमन [illegible]॥ तद्यथा॥ हवलवव [illegible] मलमिलमूल
मद क्षिमक्षिमक्षिक्षि॥ हुलुहुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु नुरुनुरु॥ १॥ नुरुनुरु॥ २॥ मक्षिम क्षिम क्षिम क्षि॥ ३॥ सिद्धि सिद्धि सिद्धि॥ १॥ स्वाम क्षिकाः सर्वसत्वानां च स्वाहा॥ [illegible]
स्वक्षि॥ स्वाम क्षिकाः सर्वसत्वानां च स्वाहा॥ दशेममा नीदमहावाकस्या याक्षिवाविसत्वामातुकु क्किगमानक्किमोजयमा नानक्किमाजमापिन [illegible] नः॥ नाः पुनः कदमाः॥ तद्यथा॥ अनार
[illegible] कानाकसी॥ वीडानाकसी॥ समुद्रानाकसी॥ प्राणहावि णीवानाकसी॥ विद्यावनानाकसी॥ वनुद्धवनानाकसी॥ शवनानाकसी॥ श्रुतिवनानाकसी॥ हलवनानाकसी॥ चक्रवनानाकसी॥ चक्र
याडानाकसी॥ विनीपलानाकसी॥ इष्यनाकमहावाकस्यः॥ सक्षिमक्ष्याय क्षिमक्ष्यावर्णुवक्ष्यायसक्षिन्यः॥ स्थवाप्पुवमपिसंत्राममनुरूवक्षिमहाक्किकाः॥ नाथ्यनयामहामायूर्यीविद्यानाज्ञीवाम क्षिकाः॥ नवा
कुवेकुजीवकुवर्षगमयिथ्यकुसमनदामगं॥ तद्यथा॥ हवलवव मपुवमलमिलमूलमद क्षिमक्षिमहक्षिमिक्ष॥ हुलुहुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु नुरुनुरु॥ १॥ नुरुनुरु॥ २॥ मक्षिम क्षिम क्षिम क्षि॥ ३॥ सिद्धि सिद्धि सिद्धि सिद्धि॥ १॥
स्वाम क्षिकाः सर्वसत्वानां च स्वाहा॥ स्वक्षिस्वक्षिस्वक्षिस्वक्षि॥ १॥ स्वाम क्षिकाः सर्वसत्वानां च स्वाहा [illegible] कुवेकुस्वक्षि स्वाहा॥ दशेममाश्रानन्दमानसा याक्षिवाविसत्वामातुकु क्किगमानक्किमोजयमामानक्किमोजा

मेव स्थित ॥ ताः यून क्रमोत यथा ॥ ब्राह्मी माहेश्वरी कौमारी वैष्णवी ऐन्द्री वाराही कौबेरी वारुणी याम्या वायव्या आग्नेयी महाकाली च इति ॥ कात्यायन नाम महामातृ श्री विद्या वज्रा [illegible] हुं वं [illegible] वज्र वषेगत
घग्य निशव सगते ॥ तद्यथा ॥ हस्व लव स्वपुप्रमल मिलमूल मर्द लि मल म त्थि तिकि ॥ हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु ॥ [illegible] ॥ हुलु हुलु ॥ नति म विम [illegible] सिद्धि सिद्धि सिद्धि सिद्धि ॥ स्वाहा ल्लि सर्व स
[illegible] वाहा ॥ वलि वलि वलि वलि ॥ स्वाहा सि ॥ स वसत्वा नाव स्वाहा ॥ आ स्थान [illegible] नाम महा यिग विनि वनस्थ मी [illegible] हुलु तथिति [illegible] ॥ या [illegible] नाम गुसा
[illegible] हुम्रा लिन क्षिवगच्छे नेहिन्द्र तितया यिवाः विसत्वा माद्रुः कुलिंगमाव विनाशाय माना व [illegible] यिन किन थे मा [illegible] मुना मघा वाज्ञी स्वाहा [illegible] नाम वा [illegible]
[illegible] वषेगनय [illegible] दास नं ॥ तद्यथा ॥ हस्व लव स्वपुमल मिलमूल मर्द लि मल मर्द्द तिकि ॥ हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु ॥ हुलु हुलु ॥ [illegible] ॥ म विम विम हिम विमि सिद्धि ॥
सिद्धि सिद्धि ॥ स्वाहा [illegible] सर्व सत्वानां स्वाहा ॥ वलि वलि वलि वलि ॥ स्वाहा [illegible] सर्व सत्वानां स्वाहा ॥ [illegible] मानन [illegible] नामवाकसी [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] लानाम
वाकसी ॥ पद्मा नाम वाकसी ॥ महिषा नाम वाकसी ॥ मालिका नाम वाकसी ॥ नाडिका नाम वाकसी ॥ कलनी नाम वाकसी ॥ वलसा नाम वाकसी ॥ विमला नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥
वाहिनी नाम वाकसी ॥ मारीची नाम वाकसी ॥ हुतासनी नाम वाकसी ॥ वारुणी नाम वाकसी ॥ काली नाम वाकसी ॥ श्रीवसी नाम वाकसी ॥ गुल्ला नाम वाकसी ॥ हला नाम वाकसी ॥ वला नाम वाकसी ॥ ग्रसनी नाम वाकसी

कवाली नाम वाकसी ॥ यक्षिणी नाम वाकसी ॥ पिङ्गला नाम वाकसी ॥ विदुवा नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ गन्धवी नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ वारुणी नाम वाकसी ॥ मदनी
नाम वाकसी ॥ विद्याधनी नाम वाकसी ॥ भूगनी नाम वाकसी ॥ गर्जिता विलीनी नाम वाकसी ॥ [illegible] विली नाम वाकसी ॥ दण्डवा नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वा
कसी ॥ वज्रपवा नाम वाकसी ॥ कृन्दा नाम वाकसी ॥ जयनी नाम वाकसी ॥ वर्द्धनी नाम वाकसी ॥ गर्डनी नाम वाकसी ॥ [illegible] नी नाम वाकसी ॥ [illegible] मा नाम वाक [illegible] ॥ डल्लाम [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वा
कसी ॥ कालचारी नाम वाकसी ॥ यमदूती नाम वाकसी ॥ महा नाम वाकसी ॥ भूवला नाम वाकसी ॥ प्रबला नाम वाकसी ॥ [illegible] कसी ॥ उडुडु [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वा
[illegible] वाहनी नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ घोर नी नाम वाकसी ॥ मर्द नी नाम वाकसी ॥ माडिनी नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम वा
कसी ॥ द्विवसवना नाम वाकसी ॥ मत्थिनिकी नाम वाक सी ॥ श्रावना नाम वाकसी ॥ विहङ्गना नाम वाकसी ॥ भूमि [illegible] नाम वाकसी ॥ [illegible] वाली नाम वाकसी ॥ [illegible] नी
नाम वाकसी ॥ मना [illegible] मा नाम वाकसी ॥ सामा नाम वाकसी ॥ वसुधा नाम वाकसी ॥ वसुधा नाम वाकसी ॥ दन्ती नाम वाकसी ॥ हिडिम्बा नाम वाकसी ॥ नील [illegible] नाम वाकसी ॥ विद्या नाम वाकसी ॥ [illegible] नाम [illegible] तिम हावा
कस्थः ॥ सह्रिमस्थाय निम स्थाव वर्णे वज्याय स्थिनः ॥ देवा सूवम यिस स्वाम मनू हव लि मर्द्द [illegible] काः ॥ कात्यायन या महामातृ श्री विद्या वाज्ञा [illegible] हुं वं [illegible] वज्र वषेगनय [illegible] दास ॥ तद्यथा ॥ हिर

३८

लि हिलि हिलि हिलि हिलि । १ । मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि मिलि । १४ हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु हुलु [illegible] । १५ [illegible] ठिठि ठिठि ठिठि ठिठि [illegible] ठिठि ठिठि ठिठि । १६ हिलि हिलि

हिहि [illegible] । १ । गुरुवह्न ऊ । वक्ष वक्ष । हाव हाव । वन वव । हव हन । हव हन । वत चन । हुलु हुलु स्वाहा ।। नमः सर्वबुद्धानां स्वाहा । प्रत्येकबुद्धानां स्वाहा । अर्हतानां स्वाहा । मैत्रीयस्य बोधिसत्त्व[illegible] महामत्र[illegible] स्वाहा । स

त्रैधाविसत्त्वानां स्वाहा । अनागामिनीं स्वाहा । सकृदागामि नां स्वाहा । स्रोतापन्नानां स्वाहा । सम्यग्गतानां स्वाहा । सम्यक्प्रतिपन्ना नां स्वाहा । ब्रह्म[illegible] स्वाहा । इन्द्राय स्वाहा । पुण्डरीकाय स्वाहा । स

[illegible] स्वाहा । वायव स्वाहा । वरुणाय स्वा हा । यमाय स्वाहा । इन्द्राय स्वाहा । वैश्रमणाय [illegible] स्वा हा । [illegible] अभिवर्णाय स्वाहा । विरूढकाय चतु

गानाय स्वाहा । शून्य स्वाहा । [illegible] स्वाहा । हादवाः नां स्वाहा । नागानां स्वाहा । असुराणां स्वाहा । मनुजानां स्वाहा । गरुडा नां स्वाहा । गन्धर्व[illegible] । किन्नराणां स्वाहा । महा[illegible]

त्रिपथ स्वाहा । विद्याराज्ञाय नामा । विप्रजय स्वाहा । [illegible] पिशाचानां स्वाहा । भूतानां स्वाहा । कुम्भाण्डानां स्वाहा । पूतनानां स्वा हा । कटपूतनानां स्वाहा । [illegible] नां स्वाहा । उन्मादानां स्वाहा ।

नां स्वाहा । [illegible] स्वाहा । नादसानां स्वाहा । यक्षाणां स्वाहा । वज्रस्य येषां स्वाहा । रुद्राणां स्वाहा । नेकशाणां स्वाहा । प्रेतानां स्वाहा । अमितानां स्वाहा । अपितानां स्वाहा । सिद्धव्रतानां स्वाहा । सिद्धविद्यानां स्वाहा । [illegible]

यानां स्वाहा । भूयस्मा[illegible] स्वाहा । [illegible] कानां स्वाहा । [illegible] नाथ स्वाहा । ऊरुनाथ स्वाहा । वायमीय स्वाहा । ब्राह्मि[illegible] स्वाहा । गवविय स्वाहा । भूयवे[illegible] स्वाहा । वज्राहीय स्वाहा । मानुष्यीय स्वाहा । नागराज[illegible]

य स्वाहा । गा[illegible] स्वाहा । [illegible] लीय स्वाहा ।

हा । गरुडद्वयाय स्वाहा । [illegible] स्वाहा । महामानसीय स्वाहा । मतङ्गवीय स्वाहा । मालिन्द्राय स्वाहा । समन्तरुद्राय स्वाहा । महासमन्तरुद्राय स्वाहा । समयाय स्वाहा । महासमयाय स्वाहा । महाप्रतिसरा

य स्वाहा । [illegible] वनाय स्वाहा । महासागवनाय स्वाहा । दण्डवनाय स्वाहा । महादण्डवनाय स्वाहा । मुविन्दाय स्वाहा । ममुविनिन्दाय स्वाहा । जयन्तीय स्वाहा । गान्धीय स्वाहा । भूयवीताद स्वाहा । [illegible] य स्वाहा ।

वर्णवेशासाय महामयूरराजाय स्वाहा । महावारुणाय स्वाहा । मञ्जुघदानां स्वाहा । महामायूरीविद्याराज्ञै स्वाहा । [illegible] मि महाविद्या [illegible] महामन्त्र [illegible] । महाप्रति[illegible] महाव[illegible] श्वास लिका । हारा [illegible]

[illegible] । हता । [illegible] । विद्यु [illegible] । वेदा । प्रसका । ह ता । [illegible] या शूयेगमाता । हतासा [illegible] सागवाविद्याः । हता । [illegible] का [illegible] या [illegible] ता [illegible]

हता । सर्व [illegible] । प्रवा हिवाद्ध [illegible] कालीयका वाशुर्थ का । सम्फलिका । शुद्धमामिका । माहिका । देव मि कामीहृलिका नित्य हावा । शून्[illegible] मानुष [illegible] वा । विष म [illegible]

वा [illegible] का । [illegible] का । श्लेष्मिका । सान्निपातिका । हता । सर्व हवा । दद्रु कण्डु किटिभ कुष्ठ का [illegible] मावैसर्पा लाह लिंग हन । [illegible] वर लिंग [illegible] स [illegible] महा । [illegible] भगन्दरार्श [illegible] अपगोक

[illegible] शूल [illegible] कर्ण शूल दन्त शूल पार्श्व शूल पृष्ठ शूल उदर शूल [illegible] शूल गुद शूल यानीय शूल [illegible] शूल [illegible] शूल । हस्त [illegible] शूल [illegible] । सर्व ग्रहा । सर्व विषा ।

सर्व व्याधय । [illegible] वलिकं च कुमम सर्वसत्त्वानां च [illegible] लिकं [illegible] सर्वमहानाथ सर्वबुद्धानां [illegible] । नमो [illegible] नमो [illegible] नमो [illegible] नमो [illegible]

[illegible] नमो [illegible] सर्वसत्त्वानां [illegible] लिमाङ्कः [illegible] लिंग [illegible] सत्त्वानां [illegible]

लिछिलवाय स्वानां स्वकुलसमस्तसत्वानां स्वाहा। इमे ऽपि महानागराज्ञां नामानि। तद्यथा। वृद्धसागरो नागराजा। ब्रह्मा नागराजा। [illegible] नागराजा। उपनन्दो नाग[illegible]। समु[illegible] नागराजा। समुद्रयूपो नाग
राजा। सागरो नागराजा। सागरयूपो नागराजा। मकरो नागराजा। नन्दो नागराजा। उपनन्दो नागराजा। नलो नागराजा। उपनलो नागराजा। सु[illegible] नागराजा। वासु[illegible] नागराजा। [illegible] नागराजा। गुरुत्मो
नागराजा। वरुणो नागराजा। पाण्डुरको नागराजा। श्वेतलो नागराजा। मानवो नागराजा। भीमो नागराजा। श्रीकण्ठो नागराजा। श्रीवर्द्धनो नागराजा। श्रीभद्रो नागराजा। सुवर्ण[illegible]राजा। [illegible] नागराजा
३९ सुमित्रक्षो नागराजा। गलक्षो नागराजा। शुक्लकनो नागरा जा। सुवाहुर्नागराजा। शतवाहुर्नागराजा। सुमनुर्नागराजा। [illegible] प्रभो नागराजा। [illegible] नागराजा। उदुकाक्षो [illegible]राजा। [illegible] नागराजा
कुनो नागराजा। नदनो नागराजा। गर्जनो नागराजा। वि घातनो नागराजा। [illegible] नागराजा। वर्द्धनो नागराजा। विमलो नाग राजा। सु[illegible] नागराजा। बलकोशो [illegible]राजा। कृष्ण ११
गौतमो नागराजा। गन्धर्वगौतमो नागराजा। गयागौतमो नाग राजा। शृङ्गगौतमो नागराजा। हस्तिगौतमो नागराजा। आदेवलिको नाग [illegible] विषो नागराजा। वि[illegible]
जा। चित्रसेनो नागराजा। मुचिलिन्दो नागराजा। नमुचिलिन्दो नागराजा। सुविलिन्दो नागराजा। वासवो नागराजा। वासुप्रभो नागराजा। गिरिर्नागराजा। गिरिवर्तको नागराजा। तक्षकु[illegible] राजा। [illegible] नागराजा। सुनन्दो[illegible]
राजा। कर्कोटको नागराजा। हस्तिकच्छो नागराजा। पाण्डुरको नागराजा। पिङ्गलो नागराजा। प्रलम्बो नागराजा। पाण्डुरवको नागराजा। [illegible] नागराजा। सुषलालो नागराजा। कालो नाग[illegible]राजा। [illegible] नागराजा। [illegible] नागरा
जा। नारायणो नागराजा। कम्बलो नागराजा। हैमो नागराजा। विरोचनो नागराजा। वाकिशो नागराजा। ऐलवाहुर्नागराजा। गन्धो नागराजा। सिन्धुर्नागराजा। वक्रुर्नागराजा। मन्यस्थो नागराजा। सुनक्षत्रो नागराजा। सु

प्रतिष्ठितो नागराजा। [illegible] नागराजा। वनुलिखो नागराजा। निमिन्धरो नागराजा। स्कन्धरो नागराजा। रुद्रो नागराजा। सुरुद्रो नागराजा। यमरुद्रो नागराजा। बलभद्रो नागराजा। मालिनो नागराजा। का
लि[illegible] नागराजा। द्वौ कालकौ नागराजानौ। द्वौ पीतकौ नागराजानौ। द्वौ लोहितकौ नागराजानौ। द्वौ श्वेतकौ नागराजानौ। मालिनो नागराजा। सुमालिनो नागराजा। दर्भो नागराजा। [illegible] नागराजा। [illegible]
[illegible]राजा। उपहिनो नागराजा। सुप्रतीर्थिको नागराजा। मणिसूत्रो नागराजा। धनसम्भो नागराजा। विद्युत्को नागराजा। विद्युत्पाक्षो नागराजा। क्षेमङ्करो नागराजा। [illegible] नागराजा। [illegible] नागरा
जा। गौतमो नागराजा। पाञ्चालो नागराजा। पञ्चकूटो ना गराजा। प्रभासो नागराजा। विष्णुर्नागराजा। उपविष्णुर्नागराजा। सु लिको नागराजा। कालिको नागराजा। वलिको नागराजा। किं
कुली नागराजा। किम्बको नागराजा। किम्पको नागराजा। हस्तिगौतमको नागराजा। सुमानुषो नागराजा। मानुषो नागराजा। सुमानुषो नागराजा। [illegible] मानुषो [illegible]
नागराजा। मातङ्गो नागराजा। कूटको नागराजा। उत्पलमा नागराजा। वनुको नागराजा। सूलुको नागराजा। कुम्भको नागराजा। प्र लको नागराजा। [illegible] नागराजा। [illegible]
मेवलालो नागराजा। मनस्वी नागराजा। कर्कोटको नागराजा। कपिलो नागराजा। शबलो नागराजा। उत्पलो नागराजा। नृपको नागराजा। यविको नागराजा। तक्ष[illegible] राजा। [illegible] नागराजा। धूर
मादिको नागराजा। वृद्धिको नागराजा। कम्बलाश्वतरौ नागराजानौ। प्रलम्बलौ नागराजानौ। शुद्धिलो नागराजा। महामूर्छितो नागराजा। यमिकालो नागराजा। सुमूर्छितो [illegible] राजा। सुमूर्छितो नागराजा। आ
लाघो नागराजा। सिंहलो नागराजा। द्रमिडो नागराजा। द्वौ दक्षकौ नागराजानौ। द्वौ शुक्लकौ नागराजानौ। द्वौ वृषभकौ नागराजानौ। हेमवतो [illegible] नागराजा। आर्य[illegible] विमण्डलकौ

४०

ओं ह्रि । कालनकालं विध्वानयति । कालनकालं समस्तानि ध्यादयन्ति । बुद्धधर्मसंघगृहीत सिकापदा [illegible] भवनगताः निमकालगरूड [illegible] वालु [illegible] । [illegible] कनेन यातु [illegible] । बनानां श्वानाम्
हानतं विमानवाणि नादीर्घा यूयां महागाथा मह छिका महाहागाम [illegible] विवाना शुचिव । लप्रक्रकाः । सद्धि [illegible] वनुचक्रयः [illegible] । देवासुर [illegible] ग्रामम [illegible] । [illegible] नागनाः
नः । सपूहः सयं जाः सत्रान्त सामातयः सुसनायतसः सहनाः सप्रबनाः सबाविसराः सूनयामहामायूर्याविद्याराज्ञा [illegible] । नबाहुं वनियुधि [illegible] बविग्रहद्ययविया [illegible] वयवि
हावरिगलं यविहारे विग्रहवर्णयिमनागने गीमावर्थं वने लीवथश्वकवर्द्धडीवेद्ध वर्षगनयथ्य [illegible] भवदासनं । [illegible] वंडुर्ह मङ्ख [illegible] थानुद्धिष्ट [illegible] मकलाय [illegible]
लोस्या नियन्त्रस्य सयोनस्य जाप्रनसूगनस्यानागतस्य । सूः किवाउहुयान । वोवरुयान । शुनिरुयान । ड्दकरुयान । भूमिरुयान । ववकनेयान । [illegible] यान । [illegible] यान । [illegible]
रुयान । वेणुनृगरुयान । [illegible] वरुयान । शूमनरुयान [illegible] । गन्थ [illegible] यान । [illegible] रुयान । महाचकरुयान । [illegible]
डुकरुयान । डार्हिकरुयान । शुकालनरुयानरुयान । कवनगवणरुयान । घिशावरुयान । तूनरुयान । कुमाष्टुनरुयान । धूतनरुयान । कटपूतनरुयान । कृच्छरुयान । [illegible] रुयान । [illegible] यारुयान । शूषमा [illegible] रुयान । डाक्कुः [illegible] रुयान । [illegible]
यान । नाहसरुयान । सर्वरुयान । [illegible] । इर्हुक । इर्हु । इर्हु । [illegible] इर्हाः । इर्हिः । इनिलिन । इलीघिनावधूनरुयान । निनिवद्धकर्कशिदिम [illegible] भ्रातलहलिम रुयान । [illegible] सर्वरुय । वाशिवलिकि
[illegible] दकिवेलवनाउ विद्युमक । इर्हुकुः इर्हुः इर्ह्व । इर्हुयाः इर्ह्याद्धिन । इनिलिन । इलीघि [illegible] । नमो [illegible] सूनकाय नमो [illegible] नमोऽस्तु [illegible] नमो [illegible] विमुक्ताय । [illegible]
वा [illegible] कमय्यनि । न [illegible] । वलिसर्वमहावार्त्रे सर्वबुद्धाधिगष्ठुते । नमोऽस्तु बुद्धाय नमोऽस्तु बोधये नमोऽस्तु मुक्ताय नमोऽस्तु मुक्तये नमोऽस्तु शान्ताय नमोऽस्तु शान्तये [illegible] नमोऽस्तु विमुक्ताय । [illegible]

वाहिनयाय [illegible] मन्त्रपदानि सर्वसत्वानां च यथाविधालयकुस्वाहा । इत्यं चानन्द महामायूरी विद्याराज्ञी [illegible] नामस्य सर्वबुद्धानुज्ञाता मिनावाचानुमा [illegible] । तद्यथा । [illegible] मह्य महद्य [illegible]
शूवभयवत्कुरु [illegible] । हुविकि विकुविकुवि । भूविभूविस्वाहा । इत्यं चानन्द महामायूरी विद्याराज्ञी [illegible] नामस्य [illegible] बुद्धानुज्ञाता वाचानुमादिना [illegible] मिमिलि [illegible] विभु [illegible] लिलि
लिमिलिककुल्लल । भूवनग्गूवचनावनि [illegible] हिलिहिलि [illegible] विकु विमूविमु विस्वाहा । इत्यं चानन्द महामायूरी विद्याराज्ञी [illegible] वासम्य [illegible] बुद्धानुज्ञामिनावा [illegible] नुम [illegible] । वहिमत्तिनलि
तिवक । हवहन [illegible] कुलकुलिनिहनिहिह्नि [illegible] गकादिमकादिनतमतिनि । गिविगिविगिविगिगिविगि [illegible] । डस्वाहा । इत्यं चानन्द [illegible] वयाराज्ञी [illegible]
छ्नरालि नावाचानुमादिनाव । तद्यथा । हितिमितिकुतिमुः किहुतिभूतदहदहिलिम कवक वक विथ [illegible] कवाधःनाव । वववयवयहद [illegible] हा । इत्यं [illegible] मिताचिताय
स्वावाज्ञी [illegible] नाम सम्यक्सं बुद्धनराधिनावाचानुमादि दिनाव । तद्यथा । मलुलनकलुनलकानल विथविवरथवि [illegible] वपुवज्र । विवरुविनवा । स [illegible] लिलिनिमु [illegible] मुत्तु । हरे
हलहलहलहल । १ । रुहवलिसिद्धिस्वाहा । इत्यं चानन्द महामायूरी विद्याराज्ञी काश्यपेन सम्यक्सं बुद्धनराधिनावाचानुमादि दिनाव । तद्यथा । भूत्तुनकनुसमत्तुत्तवलत्तु [illegible] वतिमलमत्तिनिकाः
शूमवसिद्धाहत्वत्तहत्वहत्व । १ । यत्तुयत्तुपुत्तुमत्तु । १ । यत्तुयतिसिद्धिस्वाहा । इत्यं चानन्द महामायूरी विद्याराज्ञी मया घण्ठहिमा [illegible] नाम सम्यक्सं बुद्धनराभिनावाचानुमादिनाव । सर्वसत्वानां हिताय । तद्यथा हि
[illegible] लिमितिकिलिमिलिद्ध तिलिसकावसकनसक्क्रुवला । शूकमलि । ठहुठहुठह । सवक । धूसथ । हूसहहनन । [illegible] । नामिनिकहू [illegible] वकिनत्तकनवनिप्रहका [illegible] मिलिलि [illegible] हिहास्वा

वलं कुवलं । वलिङ्गं वहि्न वह्निक भृकुटि कृष्णवह्नि कुष्माव दुदव । समन्त नदशमु दिगामु नमो भगवते कुमुदाय कनवकु नमो भगवते [illegible] भिजयमोदाहि कायकुदाय [illegible] मुचिमन्त्रायन [illegible]

दुदयन प्रिय । शूलिनालवुकत । कुलनाल । नानायलियानायनि । यथानित्यर्गनि । सिध्यतिम महामिता मन्त्रयथा । महामयथा [illegible] मुनि नासम्यर्क वृद्धेनकामिना [illegible] नूमादिनाव । मूलनं [illegible]

स्वाम्रिङः स्वस्थ्यनेकनमवसिवर्मसनानाव कालनारुव कुरुष्णिः । यविज्ञाण यविग्रहय वियालनमागि स्वस्त्ययनं दण्डुय विहाय कालकुय विहार्न विमहय सदा विमनासमं [illegible] मावक्यं [illegible]

४१ विद्यानाम्रेहीम मीथेनवाषिसलनना षिनावाच्यनूमादिनाव । न [illegible] ॥ [illegible] पिषिविपिविक्रं ॥ [illegible] किश्रतिश्चतिश्च ॥ [illegible] १९

वर्षमन स यथा सुवदा मनं । ह्रयीवानन्द महामायूरी वि

विवाविवाविवाविमहवा विषविवाविजायस्वाहा । ह्रयीवानन्द महाः

मायूरी [illegible] महायनिना नाषिनावाच्यनूमा

हा विलि दे गुं के गवथग वक्ष्ल यालिनि वा विवा विवाः

विकि विकि विकि विकि विकि । ५ । किनथवृक्षमूलनवन्तुकवतुकविशाकुह्र

सवनेवव [illegible] ह्रीकमश्चि [illegible] निह नं विषं । वृक्ष

नाम । नदयथा । हिलि हिलि निमिलि मिलि मालिनि वद्धनि । वि

नागा मिनडा हन विषं । सहदागा मिनडा हन विषं । प्रोमनश्च यन्नडा हन विषं । सर्ववादिनडा हन विषं [illegible] हन विषं । [illegible]

नडा हन श्रिषं । ग्रन्थ वृक्षनडा हन विषं । शूलिनडा हन विषं । वमुलयागहन विषं । शूनूनमायाहन विषं । नागविद्या हन विषं । वृक्षमूलहन विषं । ह्वन्तसक्षिहन विषं । महामायूरी विद्या [illegible] निहन विषं । [illegible] आसक्रामन्त

हनविषं । विष्णुवक्रहनघिषं । शूलियाहन विषं । [illegible] विषं । हादा । [illegible] वसिलिकवक्रु स्वामनिः सर्वविद्यानूवसनानविद्या । हानाहनविद्या । कालकूटविद्या । दर्दुरविद्या । [illegible] विद्या [illegible] विद्या । विद्या [illegible] । मह

संकटविद्या । सर्ययमूत्रिलकीटलूनकालरमण्डु कमान्तकारसन वदन दिग्धमूत्रकत्र लालटक विद्या । मनुष्यविद्या मनुष्य विद्या । दृष्टिक विद्या । गन्धविद्या । विषविद्या । [illegible] स्वाहानि [illegible] सर्वकले [illegible]

हा । ह्रयीवानन्द महामायूरी विद्याराज्ञी मन्त्रपदवान सिनुवराहा षिनावाच्यनूमादिनाव । तद्यथा । कुलमालाकुलवायटीकुलमथनिघा [illegible] विविवा [illegible] मिनुमलि [illegible] हाला

। सिहिल मिनि विषिनिकुनूकुनूसवव । हहहह सिवहू लहसमिमिसिमिसि कपिलकपिल मूल । हाहीह सर्वेदह वहष्टनाडा नमा मिहलयाचाक्षग्रन्थ । निग्रहनेकवो [illegible] दवा [illegible]

इदन्नडा । १ । वज्रयनयस्वाहा । ह्रयीवानन्द महामायूरी विद्याराज्ञी

ह्रीवक्तुरि हावाकें तो षिनावाच्यनूमादिनाव । तद्यथा [illegible] लन्ययनद

[illegible] मन नसवकवा [illegible] किमुटिमुटि [illegible]

वरकवर किरि । टटटट टो । दादादादादा । वावावावावा । ग । हलह

लहलहलहलह । सिद्धि सिद्धि सिद्धि सिद्धि । ममसर्वसत्वानाञ्चः

[illegible] विकि [illegible] यमद [illegible] हाजा [illegible]

क । मूलकदत्वान । ब्रह्मदत्वान । ह्वन्दुदत्वान । सोमिदत्वान । दवद

त्वान । नागदत्वान । शूनुदत्वान । मनुदत्वान । गन्धर्वदत्वान

[illegible] महावनदत्वान । [illegible] दत्वान [illegible]

व्रनदत्वान । विसावदत्वान । मुनदत्वान । [illegible] यमनदत्वान । कठपूटनदत्वान । क्षिनरदत्वान । उन्मादत्वान । यादत्वान । [illegible] दत्वान । डाकिनीवदत्वान । वकदत्वान । [illegible] वीवदत्वान । [illegible] दत्वान

इदवादत्वान । सर्वदेवमुद्रणेद्भ्यः । स्वस्ति भवतु स्वामिनिकाः सर्वसत्वानां कुडीवद्दुव यंग यश्वमवदासनं । इन्द्र कावमान [illegible] नदीवाह्री । नाम्नामालि । तद्यथा । गङ्गानदीवाह्री । सिन्धुनदीवाह्री । [illegible] नदीवाह्री । सीतानदीवाह्री

सवद्यू नदीवाह्री । शूकिवतीनदीवाह्री । यमुनानदीवाह्री । कुहानदीवाह्री । वितस्तानदीवाह्री । गण्डकीनदीवाह्री । वियासा नदीवाह्री । ऐरावतीनदीवाह्री । [illegible] नदीवाह्री । [illegible] तीनदीवाह्री । [illegible] नदीवाह्री । [illegible] नदीवाह्री

कावेरी नदीराज्ञी । ताम्रपर्णी नदीराज्ञी । मधुमती नदीराज्ञी । वेत्रवती नदीराज्ञी । क्षुद्रमती नदीराज्ञी । शुक्तिमती नदीराज्ञी । गोमती नदीराज्ञी । चर्मण्वती नदीराज्ञी । नर्मदा नदीराज्ञी । सामग्रा नदीराज्ञी । [illegible] नदीराज्ञी । [illegible] नदीराज्ञी ।
शुभवा नदीराज्ञी । तामवा नदीराज्ञी । यामुनाला नदीराज्ञी । सुवास्तु नदीराज्ञी । प्रतिकिका नदीराज्ञी । रेथादा नदीराज्ञी । विमला नदीराज्ञी । निरञ्जना नदीराज्ञी । महानदीराज्ञी । हिरण्यवती नदीराज्ञी । वर्षस्या नदीराज्ञी । इत्येता वा-
न्याश्चान्या नद्यो या इमं पृथ्वीमण्डलं प्रतिवसन्ति । तासु सर्वासु नदीषु यक्षा नागा भूता राक्षसा कुम्भाण्डा गन्धर्वा किन्नरा महोरगा [illegible] प्रेताः पिशाचा [illegible] पूतनाः कटपूतनाः स्कन्दा उन्मादा छाया अपस्मारा ओस्तारका वा-
४२ नका डाकडाहाराः गर्भाहारा रुधिराहारा वसाहारा मांसाहारा मेदाहारा मज्जाहारा जाताहारा बल्याहारा माल्याहारा गन्धाहारा धूपाहारा पुष्पाहारा फलाहारा सस्याहारा आहुत्याहारा पूयाहा-
रा विष्ठाहारा मूत्राहाराः श्लेष्माहाराः खेटाहाराः सिंहानका-हाराः उच्छिष्टाहाराः वान्ताहाराः अशुच्याहाराः स्यन्दनिकाहाराः नानारूपा विरूपा वक्ररूपाश्च नरूपा कामरूपा विविधरूपा निवासिन: २०
प्रतिवसन्ति । ते ऽप्यनेन महामायूरीविद्याराज्ञा स्वातिं भिक्षोः कौकुर्वतडी वकुलवर्षशतं पश्यतु शरदां शतं [illegible] मानन्द पर्वतरा[illegible] नामानि । तद्यथा । सुमेरुः पर्वतराजा । हिमवान् पर्वतराजा । गन्ध-
मादन पर्वतराजा । शतशृङ्ग पर्वतराजा । खादिरक पर्वतराजा । अश्विनक पर्वतराजा । स्वर्णपार्श्व पर्वतराजा । फणिमन्धर पर्वतराजा । निमिन्धर पर्वतराजा । चक्रवाड पर्वतराजा । महाचक्रवाड पर्वतराजा । इन्द्रशैलः पर्वतराजा ।
ब्रह्मासन पर्वतराजा । श्रीमक पर्वतराजा । सुदर्शन पर्वतराजा । विपुल पर्वतराजा । वक्राकुल पर्वतराजा । किमिल पर्वतराजा । मणिकूट पर्वतराजा । चमत्कृत पर्वतराजा । वज्राकर पर्वतराजा । सुमेरुवसुधान पर्वतराजा । [illegible]
मच्छित्र पर्वतराजा । विराशिष पर्वतराजा । शूष्यक पर्वतराजा । चन्द्रप्रभ पर्वतराजा । रुद्रशैल पर्वतराजा । सूर्यकान्तः पर्वतराजा । विन्दु पर्वतराजा । विन्ध्य पर्वतराजा । चित्रकूट पर्वतराजा । [illegible]शैलः पर्वतराजा । मलयः पर्वत-

राजा । सुवर्णशृङ्ग पर्वतराजा । पारियात्रः पर्वतराजा । सुबाहु पर्वतराजा । मणिमन्त पर्वतराजा । सुषेण पर्वतराजा । ऋक्षवन्त पर्वतराजा । खदकक पर्वतराजा । गोशृङ्ग पर्वतराजा । [illegible] पर्वतराजा । [illegible] पर्वतराजा । काल-
पर्वतराजा । शृङ्गवन्त पर्वतराजा । मुचलिन्द पर्वतराजा । [illegible] पर्वतराजा । दर्दरः पर्वतराजा । कैलास पर्वतराजा । महेन्द्र पर्वतराजा । सह्य पर्वतराजा । काल[illegible] पर्वतराजा । [illegible] पर्वतराजा । गोपगिरि पर्वतराजा । रुद्र-
नमान पर्वतराजा । वलूवगृहः पर्वतराजा । कोकनाद पर्वतराजा । नामनाद पर्वतराजा । इत्येते चान्ये च पृथिवीमण्डले पर्वतराजानः । तेषु पर्वतेषु नागा [illegible]
पिशाचा भूताः कुम्भाण्डाः पूतनाः कटपूतनाः स्कन्दा उन्मादा छाया अपस्मारा वसन्ति [illegible] सिद्धविद्याधरा [illegible] प्रतिवसन्ति [illegible]
कौकुर्वतडी वकुलवर्षशतं पश्यतु शरदां शतं । सर्वथा यानेन यन्त्रकल्याननृत्य [illegible] अनेकविधि [illegible]
स्वस्ति दिवा स्वस्ति रात्रौ स्वस्ति मध्यन्दिने स्थिते । स्वस्ति सर्वमहाराज सर्वबुद्धा द्वि-मङ्कवः स्वाहा । [illegible] मानन्द [illegible] [illegible] सर्वतामानि [illegible]
नर्वन्ति । पूर्वस्यां दिशि [illegible] इक्षु नासमक्रतुः पूर्वस्यां दिशि [illegible] यक्षिणीय [illegible]
पश्यतु शरदां शतं । महामायूरीविद्याराज्ञी [illegible] विशालवतीयस [illegible] दक्षिणस्यां [illegible]
[illegible] यावान्भवन्ति [illegible] अरकौकनाटडी वकुल वर्षशतं पश्यतु शरदां शतं । सुप्रभा नाम महानगर [illegible] दक्षिणस्यां [illegible] यथा [illegible]

४२ मां हि सं वरुलिय विद्या लयन्ति ॥ अथ नयाम हामायूरी विद्या नाड्डा स्वाहा भगिरि ॥ सर्वसत्वानाञ्च रक्षा कुरु वेद्रु डीव रक्षव धो भर्ग यच्छ तुमवदा गते ॥ भगिनिकास मगु विसा द्धेव वाडर [illegible] दयदन्ता ता ॥ [illegible] ता वाथ
नाय्वेव नन्वानिदव तिसयमी ॥ स्थ्यानासयूनन्दद्राडरु वद्याव कान्ति ना यडरुनायादि गंवक लिखवि विद्यालयन्ति ॥ तद्यथा याम्हामाहेय्यूं [illegible] विद्या नाड्डा स्वाहा भगिरि ॥ सर्वसत्वानाञ्च [illegible] कोकुरु वकुरु ॥ वरुवध
गतयच्छतुमवदा गते ॥ इडदुक्कवमानन्दग्रहानां नामानि ग्रहान कस्त्र यव वकहाडामह ॥ सुप्रदः ॥ अमृति [illegible] निवदयन्ति ॥ तद्यथा ॥ सूर्याग्रहश्चन्द्राग्रहः [illegible] ग्रहः शुक्रग्रहः शनैश्चरग्रहः ॥ रा
हुग्रहः ॥ वृद्धाग्रहः वाकुव मूलच्छाग्रहः धूमकेतुग्रहः शुक्लविंशतिनक्षत्राः सप्त सप्त दिग च्छिमा ॥ ते नाग्रहक्षत्राय सवाकु कं तुष्टं सकर्म्मः सुगों वन्दु मसो [illegible] सक्षत्रिंशदनून वाः ॥ इ
दयासम्पन्न मस्कन्न वक्र सं क्षेमनायुधाः ॥ तद्यथा हि क नाल कमहानडा महाद्धि काः ॥ विद्यासमनुमादक्नु सूत्रसन्नेनेथन सा ॥ तद्य नयामहामायूर्या टि [illegible] वाना [illegible] नकाकुर्वकुरुडाव २१
कुवर्ष गतयच्छतुमवदा गते ॥ इडदुक्कवमानन्दर्यो नाणो नामह [illegible] मानि सिद्धव्रतानां [illegible] विद्यानां दो फयग सां नद यवनवासिनां [illegible] धुवानामयकयसामृद्धिमनीयवाहि
ह्रानां विहायगामिनां ॥ अमीनामानि कीर्त्तयिष्यामि ॥ तद्यथा ॥ अष्टमकोनाम महर्षिः ॥ वामकोनाम महर्षिः ॥ वामदेवानाम महर्षिः ॥ मार्कीनाम महर्षिः ॥ मार्कण्डेयो नाम महर्षिः ॥ विश्वामित्रोनाम महर्षिः ॥ व
सिष्ठनाम महर्षिः ॥ वाल्मीकिनाम महर्षिः ॥ काश्यपोनाम महर्षिः ॥ वृद्धकाश्यपोनाम महर्षिः ॥ भृगुनाम महर्षिः ॥ भृङ्गिरसानाम महर्षिः ॥ अङ्गिरानाम महर्षिः ॥ भागीरथोनाम महर्षिः ॥ अ

आत्रेयनाम महर्षिः ॥ पुलस्त्योनाम महर्षिः ॥ स्थूलशिरानाम महर्षिः ॥ यमदग्निर्नाम महर्षिः ॥ वैशम्पायननाम महर्षिः ॥ आपस्तम्बायननाम महर्षिः ॥ दारीनाम महर्षिः ॥ दार्वानीनाम म
हर्षिः ॥ समङ्गिरानाम महर्षिः ॥ उदग्रोनाम महर्षिः ॥ सगरोनाम महर्षिः ॥ कात्यायनीनाम महर्षिः ॥ कीलिनीनाम महर्षिः ॥ मूकीलिनीनाम महर्षिः ॥ गुरुनाम महर्षिः ॥ मवताना [illegible] महर्षिः ॥ पदना [illegible] महर्षिः ॥ [illegible] लको
नाम महर्षिः ॥ आश्वलायननाम महर्षिः ॥ हिमवानाम महर्षिः ॥ लोहिताक्षोनाम महर्षिः ॥ वैशम्पायननाम महर्षिः ॥ दुर्वासानाम महर्षिः ॥ पुलहानाम महर्षिः ॥ शुक्रोनाम महर्षिः ॥ [illegible] नाम महर्षिः ॥ सुजातोनाम
महर्षिः ॥ गनेश्वरानाम महर्षिः ॥ वृद्धानाम महर्षिः ॥ उद्दालि नोम महर्षिः ॥ गार्ग्यायननाम महर्षिः ॥ एकशृङ्गानाम महर्षिः ॥ सावि [illegible] नाम महर्षिः ॥ [illegible] नाम महर्षिः ॥ [illegible]
कृष्णायननाम महर्षिः ॥ कात्यायनाम महर्षिः ॥ काश्या यनानाम महर्षिः ॥ कपिलानाम महर्षिः ॥ गौतमानाम महर्षिः ॥ तीक्ष्णम [illegible] नाम महर्षिः ॥ [illegible] नाम महर्षिः ॥ आत्रेयोनाम मह
र्षिः ॥ शालिहोत्रानाम महर्षिः ॥ सुनक्षत्रानाम महर्षिः ॥ सुनेमीना मम महर्षिः ॥ सुमित्रानाम महर्षिः ॥ वालिखिल्यानाम महर्षिः ॥ नारदानाम महर्षिः ॥ यव [illegible] नाम महर्षिः ॥ त्रिमिलानाम महर्षिः ॥
इत्येतानाम्नानन्दयो नाणो महर्षयो वेदानां कर्तारो मन्त्राणां प्रवर्तयितारः ॥ तेऽपि मया नानावृत्तर्षयो नाम महान [illegible] सिद्धा सिद्धयुनाक्रम [illegible] महामायूर्या विद्याराज्ञ्या स्वाहा [illegible] कुरु वेद्रुडीव रक्षव धर्भ
यच्छतुमवदा गते ॥ तद्यथा ॥ हिलि हिलि मिलि मिलि भूलि भूलि हिलि तिलि मिलि मिलि ॥ हुहु हुहु धसनिमथानिद हनिघाट नियव नियावनि [illegible] मा ह नि [illegible] स्वाहा ॥ इडकु
दुक्कवमानन्दग्रहजपजिनीनामानि ॥ यव नागमपूना नु [illegible] कुत्ति नमहामयरू वा [illegible] समन्तपायामनुष्यानि [illegible] निघ [illegible] नवक [illegible] ग्रहा [illegible] वरि [illegible] ॥ अविं

४५ ऽजायति। ...त्रयप्रजायति। ...प्रजायति। ...प्रजायति। मूलस्य प्रजायति। मूलहः प्रजायति। मनुष्यप्रजायति। [illegible] प्रजायति। [illegible] प्रजायति। मूत्र प्रजायति। [illegible]
सर्वकर्मावग्रहाय ति। [illegible] मानां [illegible] स्मानप्रजायन [illegible] महामन्त्र [illegible] मायूरी विद्याराज्ञी [illegible]
[illegible] तद्यथा। हिलिरि मिलिरि मिलिरि मिलिरि हिलिरि मिलिरि मिलिरि [illegible] मधनि [illegible] नियत्र नियाव [illegible]
लिनाहतिनिकृष्ण निस्कृष्ण नियसुवाहा। [illegible] मानन्द महाविद्यानामानि। तद्यथा। [illegible] यकिलि [illegible]
[illegible] जलामला। कलागुहा। [illegible] किविका। किविकिविका। [illegible] विपुला मकुलि। किविविमिनव [illegible] प्रमाति [illegible]
[illegible] वल्कनाम महानाग [illegible] तव मूल स्वाहा। [illegible] महाविद्या। [illegible] महामायूर्या विद्या [illegible] विद्याराज्ञी [illegible] २२
[illegible] मानन्द महा [illegible] नामानि। तद्यथा। [illegible] नाम महा [illegible] नाम महा [illegible] नाम महा [illegible] नाम महा [illegible]
[illegible] नाम महा [illegible] नाम महा [illegible] नाम महा [illegible] नाम महा [illegible] नाम महा [illegible]
महामायूर्या विद्याराज्ञी [illegible] हृदयं [illegible] मायूरी विद्याराज्ञी [illegible] [illegible] नाभिताचाद्यनुमादिताच [illegible]

[illegible] शाक्यमुनिना [illegible]

[illegible] नाभिताचाद्यनुमादिताच। शिखिना सम्यक्संबुद्धेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। विश्वभुवा सम्यक्संबुद्धेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। क्रकुच्छन्देन सम्यक्संबुद्धेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। कनकमुनिना सम्यक्संबुद्धेन
नाभिताचाद्यनुमादिताच। काश्यपेन सम्यक्संबुद्धेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] सम्यक्संबुद्धेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] महामायूरी विद्याराज्ञी [illegible] नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible]
नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] महानागराजेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible]
नागमहाराजेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] राजेन नाभिताचाद्यनुमादिताच। [illegible] सनाथमित्रि [illegible] विगमिनि [illegible]
[illegible] विगमिनि [illegible] [illegible] महामायूरी विद्याराज्ञी [illegible]
[illegible] ग्रहणा [illegible] ग्रहणा [illegible] ग्रहणा महा [illegible] ग्रहणा [illegible] ग्रहणा [illegible]
[illegible] अपस्मारग्रहणा [illegible] शुनमिक्रमनीया [illegible] महामायूरी [illegible] हाविद्या [illegible] हाविद्या [illegible] महाविद्या [illegible]
[illegible] हाविद्या [illegible] हाविद्या [illegible] हाविद्या [illegible] हाविद्या [illegible] सिंहासन [illegible]
[illegible] हाविद्या [illegible] शुनमिक्रमनीया [illegible] [illegible] ० ० ० ० ० ० ०

अनतिक्रमणीया [illegible] ब्रह्मादिभिः [illegible] नीयवानन्दो [illegible] नवाधुर्थकेनस [illegible] दिकनमासिकनदेवमासिकनु [illegible] नि [illegible] ग्रहेभ्यो [illegible] वानयेति [illegible] मासिकनमासि [illegible] ॥ अनतिक्रमणीया
लिथावलो [illegible] वनदकेनाभावकेमा [illegible] गेनानागेन [illegible] वागेनवकमु [illegible] शूलेन [illegible] शूलेनयाग्र्यशूलेन [illegible] शूलेन [illegible] शूलेनगतशू [illegible] शूलेनयानी [illegible]
दकशूलेनयादशूलेन [illegible] शूलेन ॥ अनतिक्रमणीयादद्रु कण्डु किटिभ कुष्ठ [illegible] गण्डु [illegible] भ्यामावेसर्यो [illegible] ॥ अनतिक्रमणीयासर्वेषां [illegible] सर्वविघ्न ॥ सर्वदुष्ट ॥ सर्ववैरेभ्यः सर्वरोगि ॥ सर्वकालि [illegible]
४२ भावाने ॥ यद्धर्मोऽज्ञानन्दमहामायूरी विद्याराज्ञी मतिक्रमल ॥ [illegible] वेदयालि ॥ [illegible] ॥ [illegible] दयिष्याति ॥ सर्वबुद्धवी [illegible] सर्वबुद्ध [illegible] लाकानन्द [illegible]
विद्यवादिनाहवयू ॥ वज्रपाणिमहायोगानन्द [illegible] नयये [illegible] मेहानन्दस्य [illegible] मायादत्य [illegible] वानां [illegible] गणाय [illegible] मूर्ढानमभिनि [illegible] मायास्यावि [illegible] ॥ [illegible] २३
यावानन्दमहामायूर्या विद्याराज्ञा [illegible] सनावावध्यन [illegible] नन्ददस्तु नमा [illegible] ॥ प्रहा [illegible] गेन ॥ [illegible] मात्रय [illegible]
[illegible] नवा [illegible] विष्यति ॥ नवी [illegible] विष्यति ॥ [illegible] विष्यति ॥ नादकनकालेक विष्यति ॥ नवास्यकायावि [illegible] मिष्यति नग [illegible] मिष्यति ॥ [illegible] बलस्या [illegible] विद्यु [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] मिदानि [illegible] सर्वदस्यविमुक्तः सर्व [illegible] विषष्यति ॥ [illegible] यथि [illegible] नन्दया [illegible] विद्यार्या [illegible] यैवानन्दमहामायूरी विद्याराज्ञी ॥ [illegible] मानाह [illegible] ॥ सर्वनामा [illegible]
[illegible] विष्यति ॥ यावत् [illegible] ब्राह्मण [illegible] विष्यति ॥ [illegible] स्यानन्दमहामायूर्या विद्याराज्ञा ॥ स्मेरणादेव सर्व [illegible] देवनालि [illegible] मिष्यति ॥ [illegible] सकलसमा [illegible] वारस्य

स्वस्त्ययनं वा कृत्वा ॥ [illegible] मानन्द [illegible] महामायूरी विद्याराज्ञी [illegible] ॥ यावत्प्रवावयमहामायूरी विद्याराज्ञी सर्वदेवग्रहसमेवावक [illegible] वनगुप्त [illegible] नामायूरी [illegible] मायूरी [illegible] कानां [illegible] ॥
[illegible] नतुं नतुं [illegible] ॥ नागोद्धवप्रथमाहद्य [illegible] लोकक्रया विद्या ॥ निर्विषा भगवान्बुद्धो बुद्धसत्यदमविषो ॥ नागोद्धवप्रथमाहद्य [illegible] लोकक्रयाविद्याः ॥ निर्विषा भगवान् [illegible] समसत्य [illegible] विषी ॥ नागोद्धवप्रथमाहद्य [illegible]
लोकक्रयाविद्याः ॥ निर्विषा भगवान् [illegible] सत्येन विषी ॥ [illegible] सर्वबुद्धानां [illegible] ॥ कथागतस्य [illegible] यानमया ॥ [illegible] ॥ सर्व [illegible] विषामहामायूरी विद्याराज्ञी [illegible]
[illegible] भगवन्नि [illegible] नानन्द भगवन्तः ॥ [illegible] भगव [illegible] भगवत्यः ॥ [illegible] नावा [illegible] सत्र [illegible] महामायूरी विद्याराज्ञी [illegible]
[illegible] विद्याल [illegible] यनदपुण्य [illegible] वि [illegible] नाम [illegible] [illegible]
[illegible] नन्दनन [illegible] ग्रायुष्मानानन्द [illegible] भगवान् [illegible] सर्वसमाया [illegible] भगवतन्यादो [illegible] ॥ [illegible] भगवन्नादं [illegible]
[illegible] भगवानायुष्मन्तमानन्दमुवाच [illegible] महामायूर्या विद्याराज्ञ्याः प्रभावो [illegible] ॥ तथावादि [illegible] भगवन्तमानन्द ॥ [illegible] भगवन्न [illegible] विष्यति ॥ भगवान् [illegible] आयुष्मानानन्दो [illegible] महा [illegible]
मागम्य [illegible] पृथ्वी [illegible] ॥ [illegible] तथागतस्य [illegible] ॥ [illegible] भगवानायुष्मन्तमानन्दमामन्त्रयते [illegible] मानन्द [illegible]
[illegible] मायूरी [illegible] नागानां मूयासक्तानां मूयामिका [illegible] ॥ साधु भगवन्नि [illegible] यायुष्मानानन्दो भगवत [illegible] मामहामायूरी विद्याराज्ञी [illegible] ॥ [illegible] नामायूरी

काना॥ सूर्यासिकाना॥ छेदमवावइ गवाना [illegible] नाग्रायु ष्मांथ स्वानिति क्रुर्थे चनस्यांयविषविसन्नियमिता सविग्निोदसनानामू [illegible] सम [illegible] किमव [illegible] सनुष्या मनुष्याशसर्वे नगवमासा [illegible]

मस्यनन्द विनि॥ ॥सूर्य महामायूरीविद्याराज्ञी सुविनक्षाय देमूयाह ग्रनि लक्षा समाकारुगवेनी॥ ॥ [illegible] सविम्नमथम नमवा [illegible]

४३ गुहविदवनि॥ ॥सम श्रीजवन महामायूरीनक्षयिकायनन ग्रुल्पद्ध [illegible] जग्रायुष्मानाकुलमीवः॥ ॥विद्ध्यनं॥ [illegible] ग्रहे [illegible] ग्रहे [illegible] ग्रहे [illegible] किंनु

वग्रहेः गन्धूउग्रहेः गन्धर्वग्रहेः महोरगग्रहेः मनुष्यग्रहे चममनुष्यग्रहेः भ्रमग्रहेः पिशाच॥ ॥ [illegible] भृग्रहेः डाय सि ठकाकेः डुनूकेः [illegible] २४

थ्यनुष्यामनुष्यैः सर्वैः आयुष्मानाकुलो यनरुग वांसृ माय संक्रान्तः इयसंक्रम्य रुगवनः यादो शिवसावदिर्वः [illegible] प्रिग्रद [illegible] रुगवदमूयना [illegible]

ग्रवलेयनिस्म॥ सूथरुगवान् ज्ञानमववाकुलमामन्त्रयन्ते स्म। किंहिवाकुल ममपूवनः छि नोमुर्याणि ग्रवले यसि ग्रवमू [illegible] आयुष्मानाकुलो रुगवत्यामतवदश्रोवत [illegible] हा [illegible] रुगवद्या [illegible] विद्

मिलीनवभमहामायूरी सानःंक्षयिकायनन ग्रस्येद्वगोसादरुगवंस्मृत्र विहथ्यानदेवग्रहेनागग्रहे यक्षग्रहेः राक्षसग्रहेः मरुतग्रहेः वमूनग्रहेः किंनरग्रहेः गरुडग्रहेः गन्धर्वग्रहेः महोरगग्र

हेः मनुष्यग्रहेः अमनुष्यग्रहेः प्रेतग्रहेः भूतग्रहेः पिशाचग्रहेः कुम्भाण्डग्रहेः श्रीयीतिः काकेचूनूकेः कीटैः सर्वा सूर्येन ग्रेष्ठ मनुष्यामनुष्यैः सर्वैः सूथ [illegible] नामायुष्मन [illegible] कुल [illegible]

मवचर्णा विद्याराज्ञेत मूलायविषदोचकावचल गुप्त यक्षिकृणां किंकृणीनामूर्यासकाना सूर्यासिकोनांच सर्वसत्वानाश्च दीर्घ नाउम थीयहितायमुरुयाय [illegible] मायरा विद्यारा [illegible] सुद्धो [illegible]

गारुक्षावनक्षांसिसाव नदंगा सासदक्षा। रागाअसूवा। ग्रकानवक्षा। सूनवीवा। नववीवा। नस्नवीवा। कनवीनाकनकन वीवा। [illegible] किसवा। [illegible] सा [illegible] सि [illegible] मवा। [illegible] मत्ता। मह

किक्षाविदथिका। लोनूक्षिका। सूक्षोदवा। उयाउयाः लिका। वल्लवलाविक्रा लिवितिधिला लिलिहितिसूमलि। वमूमलि चुनूनले चुलूचुलूनले चूनूचूनेचू [illegible] चुलुनलि [illegible]

हावीनकिहावीनकि। कावीनकिकावीनकी। कवीटकाकवि ढकि। गौविगन्धा विचगुलिमाकक्षि। वमालि। वक्षसि। भवलिखानः [illegible] डष्टपालिका। कवका। विवी। [illegible]

वेलनाटिका। काकलिका। ललमलि। लक्षमलि। ववाहकुल। मथलड थल। कनवीषकनकनवीष। नमवीषनवनववीष। सूवीष [illegible] वीष [illegible] कुवमलि। [illegible]

सर्वार्थसाधनि। परमार्थसाधनि। सुग्रमिहनाक्षेराजा। यमाराजा। वरुणाराजा। कुबेराराजा। मनश्रीराजा। वासुकी [illegible] विरु [illegible] राजा। विरूपाक्षाराजा [illegible]

५१

णोराजा। ब्रह्मासहस्राधिपतिराजा। बुद्धारुणवायुधर्मस्वामीपाजा। श्रूवुलवालाकानूकुण्यकाममससर्वसत्वानाञ्च रक्षां कुर्वन्तु विनायकवित्र्येयवियालनगान्ध्रि कुन्ध्रयनदगुयविहतुक्रुवविहारं ... अङ्कुकं लिखिबनागनेगीमावर्द्धं श्रवणाय

वेलुवीवक्तुवयेगनेयगुञ्जुमवदासनं। नयथा। हिलामिला उयिला। छिवमनिविवमति। दलमति। लवमति। नवमति। उनुउउमति। रुनुरुनु रुरुनु रुनु नुवववन ... मुमितिमुमितिमिवल्गु। कालिके। श्वेतदिमेलानिमिसाम...। कुलवधु...

डयपूलडउयवश। वलनन। वेलनाडिविनूनाडि वायुवयिनि। विषादहि सालाहिते। श्रूगुवयगुव। कनानकयूयकेवमति। हूनडिम मूनमति। धन्यमध्ये हिनश्चगर्ने। महावलानुवल। कित ...

डयागोवाहिडि। वुवुवुवु कुरुकुरु वुव नवहवगूवुभुवुभुवुमति वेचुमति। धुवुचर। चवचर। दियवविमति। विश्वकनि। नागनि। विनासनि। वज्रे निमाकुनि। विमाकति। मावनि। विमा...नि ... मोहनि।

निविनावनि। साधनि। गोयनि। सेसाधनि। विगोयनि। सेद्धिः निलिसिकिविलि। सिद्धिस्वनि। साधूरूपमान। नेवनवमान। दवहूवन्धुम। दि। दिदिविहिविधिविधि विश्वनि। कुरुकुरु ...

वृद्धानाम्बाह॥ श्रूम्या अनूपूनः वाहूलमहासीनवनी विद्यायोद गोहवयदसनायां मूलग्रन्थिवधाहं नवार्यमानायां कण्ठेनवार्यमानायां समन्धाधाजनगनस्यवकालना रविद्या ... वद्धं वीनुद्वाल्पवीन

श्रावाशमनूष्यावाशनतिनविषयति। नविषेन समृन्नन्द्भवानप्रज्वलान विद्यामन्त्रानयतातः। नयाविनाग्निनानविद्याद्यतनवालकविषयति। विद्यामन्त्रप्रथागानाञ्च सर्वेषां सामापूप्रयूक्तानाञ्च ... नीसिद्धवी

वसंवाहनीयवत्रयूक्तानाञ्च वन्धनी। यववन्धनानाञ्च प्रमोचनी। सर्वेषां गसाकविघ्नविनायकानाञ्च सम्यक् विनाशनकरी। कलिकलहकोनूम ...

वज्रपूरसमनकरी। सर्वबुद्धविसायनकरी। याग्रहानमुच्योनसभवास्यमुद्रान्मुद्धी मूर्द्धकस्थेवमजम्भी। वजयालिध्वास्य महायक्षसेनायति वज्रपाणिदीक्षिलिनप्रतिलिखनसीव ...

ली हृतननवीयायया वसमूद्धानस्थ्यन। वसानघ्रमहाराजीनास्थेमथनवज्रशमूद्धानस्यनयायु। हवचावाग्रदागशाव विनासयपूगमुस्माइयवलाकाद्यवने रवयुः भूतकवर्धावाड ... न्यानि ...

श्रूयायनूपूनवाहूलमहासीनवनीनाममहाविद्यायां सर्वयविवालितायांनाउवीवोदनानिविससन्तानवीकोकानवइग निमध्यगतः सर्वेसर्वाः प्रतिमूच्यन्त छये ...

वकीमहाविद्याप्रकनवयागडीनदीवालुकासमैवृद्धैरेगवः किः नाविश्रूयवसिद्धायवनमसिद्धासिद्धयवाज्ञामासर्वदवनागय कगतुवीभूवगनूगवूतविन्नव ... वा

सूनयुनयिगावादिडिवृद्धिताः॥ सर्वडिनगतायविह तासर्वतथायद्धाधायसगोयायासमूवमममसर्वसत्वानाः शुनवज्रवैवेंकुरुगिवमायागयममसयविवा ...

वसत्वानाञ्च रयवसर्वदासवेथा सर्वदःसर्वावन्धुमूरुनवन्तु ॥ ॥ इदमवोचद्भगवानात्तमनाश्च यूष्माग्राहरनं मावसर्वावनायवतें ... वेद्यला

हगवनानाथिनमसयोनन्द त्रिति ॥ ॥ आर्यमहासीनव ॥ ॥ मीनाममहाविद्याराज्ञीसमाप्ताः ॥ ॥ नमासमन्तबुद्धाय ... नमः ... सर्वाय ...

॥ नमः सर्व्वबुद्धबोधिसत्त्वेभ्यः ॥ एवम्मया श्रुतम् एकस्मिन् समये भगवान् महावज्रमेरुशिखरकूटागारे विहरति स्म ॥ महावज्रसमाधिनिष्प्रयुक्तिप्रतिष्ठाने महावज्रबोधिसत्त्वैः सकलत्रिलोकमहाराज पुष्पितत्रिणाद्यदल
यष्पुष्पशाखाविततमहावज्रवालिकासंस्तृतभूमितलेन महावज्राधिष्ठानेन महावज्रमण्डलमाडम्बरोत्सवदेवानामिन्द्रस्य रत्नमयक्रीडासिंहासनका...निश्रुत...सर्व्वविचित्र...पुष्पितवृक्ष
४८ हार्य्यसमन्वागतेन सर्व्वबुद्धाधिष्ठानाधिष्ठितेन ॥ सर्व्वधर्म्मस महायानयोग्यसर्व्वकुशलमूलनिर्जातवज्रनागाभिरूढिर्व्विविधसर्व्वालङ्कारविभू तथागतसमाधिवज्राङ्गवाहनसर्व्वसत्त्वकायवाक्चित्तवज्राधिष्ठानपूर्व्ववज्रवालिकेयमनुत्तर
नायसिम्बर्म्मकविभ्रमहास्तम्भ पञ्चवर्ण्णमहावज्रविमानसमा विभूषितविचित्रवर्ण्णमहावज्राधिहार्य्यसर्व्वधर्म्मवधिविलम्बनामनु कृत सर्व्वविलम्बितमुक्ताहारार्द्धहारविचित्रबद्धमहाध्वजपताकापवमके
ड्नाघण्टानूपुराधिहार्य्यसमन्वागतेन नववर्ण्णबुद्धक्षेत्रतथा गतमहायुधामघाद्भिर्नाम महावज्रसमाधिविहारिणा महाहिदये लोकधातौ महाप्रभे...विमानमहाविमाने...आर्य्यावलोकितेश्वरसहस्रपु
मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षावत्यविविक्तवर्य्यविहारविहारिणा सर्व्वगतेन ॥ तत्र भगवान् वज्रगर्ब्भगवलानम्बोधिसत्त्वेनमहासत्त्वेन वज्रकायेन च वज्रहस्तेन च वज्रसंहतेन च वज्रनाभेन च
डविच्छविच्छिन्नवज्रधनुर्द्धरेण च वज्रपाणिना च सुवज्रेण च वज्रसेनेन च वज्रकेतुनाचबोधिसत्त्वेन महासत्त्वेन ॥ एवं प्रमुखैः पञ्चमात्रैर्म्मिर्व्विर्बोधिसत्त्वकोटीनियुतशतसहस्रैः ॥ सार्द्धं सर्व्वैः कृतैरुत्पन्नमहाकायैः ॥

वैरहर्त्तिः क्षीणाश्रवैर्व्वशीभूतैः सुविमुक्तचित्तैः सुविमुक्तप्रज्ञैः सर्व्वाचित्तवशिपारमिप्राप्तैः महाप्रभावेरद्ध्यमार्गपरमपारमितैः सर्व्वगुणोपेतैः तद्यथा आयुष्मता च
शारिपुत्रेण आयुष्मता च महामौद्गल्यायनेन च आयुष्मता च सुभूतिना च आयुष्मता च महाकौष्ठिल्येन च आयुष्मता च पूर्णेन मैत्रायणीपुत्रेण च आयुष्मता च कफिनेन च आयुष्मता चानन्देन च आयुष्मता च राहुलेन
आयुष्मता च गयाकाश्यपेन च आयुष्मता च नदीकाश्यपेन च आयुष्मता चोरुबिल्वाकाश्यपेन च एवंप्रमुखैः सर्व्वकुशलैर्महाश्रावकैः सार्द्धं महतीभिक्षुसंघेन च अपि महाप्रतिसमाधिविनीतै
लायां निलिलाम्बिकैः शुद्धावासकायिकैर्द्देवपुत्रैः ॥ ब्रह्मणा च सहापतिना ॥ ब्रह्मकायिकैर्द्देवपुत्रैः सार्द्धं ॥ सुयामेन च देवपुत्रेण सुयामकायिकैर्द्देवपुत्रैः विश्वकर्म्मणा च सन्तुषितेन च देवपुत्रेण
परनिर्म्मितवशवर्त्तिना च ॥ परनिर्म्मितवशवर्त्तिना च ॥ शक्रेण च देवानामिन्द्रेण सर्व्वैर्देवपुत्रैः वैश्रवणेन च ॥ धृतराष्ट्रेण च विरूढकेन च ॥ विरूपाक्षेण च सुयामेन च ॥ विरू
पाक्षेण च ॥ एवंप्रमुखैर्देवपुत्रैः सम्मानितैः स्थितैः सर्व्वलोकपालैः ॥ सागरेण च नागराजेन ॥ नन्देन च ॥ उपनन्देन च ॥ वासुकिना च ॥ तक्षकेण च ॥ अनवतप्तेन च ॥ मनस्विना च ॥ महामनस्विना च ॥ एवंप्रमुखैः सर्व्वमहोरगैः
श्चनागराजैः ॥ द्रुमेन च किन्नरराजेन ॥ सुमनकिन्नरराजप्रमुखेण ॥ पञ्चशिखेन च गन्धर्व्वराजेन ॥ सुमनागन्धर्व्वराजप्रमुखेण ॥ सर्व्वार्थसिद्धेन च विद्याधरराजेन ॥ सुमनकविद्याधरराजप्रमुखेण ॥

यथा कुलपुत्र गवां पूर्व भाजन । पुनः कृतवान् भाजनविवारण विश्राम कारणं च । मालिन्य दुगण । पूर्ण द्रुतगतं । याक्षि कारनं महाप्राणा भाजन मनः कृतवान्यं विवाद । कालि निमावय पूर्व पुराणायां सिन्धु या स्य
क्लिष्ट मलाला ममा लिसिः सत्त्वक्लिष्ट महानाद्य सारिसिः । सत्त्वक्लिष्ट महाविवरेः । पूर्व कवी वा प्रवेशस्य सर्वेन कृतमहदहरेः । क्लिष्ट विधिस्य । पूर्वि माकर सर्वमावे । हृदिस्य विधिस्य विनायक विस्थ देशे
५७ क्लेश महद्विषैः । सर्व विघ्न भवेत भाजन क्षण कृतं लेन व लोकया । सेन सर्व समुद्रय विवारण विकरवान व । विपुला का ध वि । दध्न मालिनाय नेत्राणां सर्वोपाय विनायक मार । सत्त्व राष्ट्र
वायुरिसिः । पिण्डान्न च स्यालीकन । पुनः कगलकादीनि युगान्त सहस्र सविवारण । नारायण नव । सर्व विवारण । द्रव्यानन्द काम कृतनव । लौह । माकवानव । दा २
यक्षिनाव । मध्यास्थानव । विनायक रक्षण पुनः कवि स्वविधि । नायक विविवारण । मध्या वकार नव । वद्धकल्पं शिष्यत्रगीनि । सिंः । सत्त्वाहकालिसिः । वज्राङ्क माव । दण्ड भक्ति लं । वलि
ः मलिक्लिष्ट वज्राङ्कु नीतिसिः । वज्रासनं नव । सुवाहुनाव । सूर्य हितकानव । पुनः कावत्कललय विवरणावात । तदद्वीप बुद्धधर्मसंघाधिकृत सत्त्वपरिमितानन्त महायान रत्न धर्म विनागय दण्ड मध्य वीर सूर्य गाम कल ।
महा वग्न कृष्णत्र शिगावात्मा दायस्माव सामासरिंसु वाक्य व वैः । सूर्येण तद्व व पूर्णता । वद्धकावद्धव पूर्वकता । पूर्वकुलवद व सूत्रता । सं नयावद व याव नयावद रत्नया । सर्व वरमाण्डिनि ।

दशिताव पुजाव सा च । दवनतया सार्द्धं पु । दलायि स कृतवान् पूर्व वाक्षितपर्मी वक्रः पूर्वविनि स्थितावृहत्कार्ये । पूर्वविधुर्पूर्ण नान सनाव । पूर्वनि मूलसत्त्व वेते नाम महाकालि याजनि । धर्म कालि
नवाग्नि ज्ञातमहा पूर्व मलक्षणा लेति न गारी नवक्र भाजनि स्पूर्व भावनि विचालि नस वाभावयव । सर्वेसत्त्वानवलोकितमूर्द्धीनिजित सर्वेमानककर्मीकाविसः । सर्वसत्त्वज्ञानस्वविचित्र महारू वीकाव ।
वयायम न । सर्वेसत्त्वानसमवाग न । सर्वबुद्धधर्मसम बाग न । सर्वमारयव यवा दिक्षालि मणप्रमथन तत्क नकीर्ति । गतलोक पूजाय न सिद्धि मात नादासनुप्तिना । वेद्यान्यवो
पादसंस्थायाया यतिमाणवात्यकाठीनि युगान्त सहस्र दानशील क्षान्ति वीर्य ध्यान प्रज्ञायायवलप्रणिधान ज्ञानयाव । मिनन्दन नव पारावि निवर्त्तितदकिरान समन्तपुत्र सनव ।
लवक्रवसीमनुजाञ्जनालङ्कृत नगात सारि । पुनः का वज्रवलय वहिकारसिन्धु नमाय वीणा सूसाहस्त्रिका । पुनः कवनक्रवल । मकर सूर्य श्रीपूर्णलालितमुक्ता वली निवन्धन मण्डुमकालयु
नवावद्धनवलमुक्ता वली किङ्किणीजालकालक लीनादिता । पुनः वज्रनलयमकारपूर्ण कविलम्ब कर्कनमहा कर्कदनेन्द्रनील पुष्यराग मरस्मि भालावलोकि तसमनाया सादिका । पुनः व वज्र वितमला ।
काविक्षविनादलान यक्र काटीनि युगान्त सहस्र प्रज्ञाया यविकाव । पुनः क ल्पद्रुम माय गारिगानि कथ । पूर्वमानव व जनन्य आसनं निषण्णः । कासन पवकरा ज्वलप्रिया कलन पूर्वसहस्रानि न

५०

…प्रहाणम् उत्तान् वेणाजिनं हिमि नाम । सूर्यमिपूर्णे वैदूर्य बलाकप्रियदर्शी नाम महाविमानं बोधिसत्त्वं ऽवतीर्यत्वं भगवान् सर्वाङ्गमपि तावन्मोहं ध्यायति स्म । अथ ताम् महाकल्याणीं ययेमानम् …
नक्षिवतो यमि पूर्णे यमिश्रङ्गे मये वदान्ते ब्रह्म वैर्यं स्वयकाय यति स्म । अथ खलु भगवान् मूर्ध्न सर्व कायप्रभोतं गोलं वेचूर्ण सहस्रन नाम महारश्मिं जालं समुत्थापयति स्म । तेन सर्वरश्मिजालेन यदिमा त्
त्रिमहासाहस्रमहालोकधातु ब्रह्माविलं स्फुटीकृत्वा ।
यावत् स्वकमानदीवालुकायमानि बुद्धक्षेत्राणि सर्वाणि ।
ना भूत्वा मन्मस्फुटान्य तावित्ताच्च इवनु । ये तावद् बुद्ध
त्रि पूर्णा हताग बन्धनं कसिद्धा समनकोटी नियुतशतसह
स्रं क्षम्य कूटागारविमानं समर्थमोह ध्यायति स्म । सहस्रमहाधाव
के वीमिं महेन्द्र महासङ्घ विद्रिति दृष्ट्वा । यागकायादिकानि
देवनाग यक्ष गन्धर्वासुर गरुड किन्नर महोरगे समाह्वेत्य
अथ खलु भगवान् विद्यां संमन्त्रयति स्म । अथ महा
प्रतिसर्वा महाविद्या विज्ञामि सर्वस इ दृष्ट्वा ययाऽत्व
णीपम्या नाम सर्वदुष्टप्रमर्दनी । यस्मात् श्रवणमात्रेण याया यागच्छन्ति सेवाये । सूत्रधारा सर्वसत्त्वानां सर्वविषप्रमोचनी । काशपुत्रात्सर्वसत्त्वानां लोकनाथेन कामिता । यः किञ्चिणाय सर्ववेदि … यावदा
दिताः । इत्य वाक्यार्थं कल्पस विलोक्य मूलालय । कृतकर्मनीकस्थामच्छ यज्ञा मालयन्तुवि । इत् न नागा यियावानां मुहुर्ते नव वदाम् । अत्र यूयं मन्त्रं शृणुत सर्ववृत्तगत्यपि । महाराजे इन स्मा नि

नाम महाराजी हिनी । स्वाहा । नमादाय यस्मा वाच्य विद्यावाचानि निग्रहा । अङ्गरक्षा महाराजाधिराजमानुयं भुजाम् । स सर्व दिक् । दिशा शान्ति स्वस्ति सर्वार्थ सम्पत्रमा । यथ वज्रपाणिनं सप्तकि काले ग्रागृह
णा । … कर्मानवा मन्त्रमूलकर्मान्निमूचनं । नाविषमगवन्नाभिनिग्रहं न शवादेकी । मृगानि विषफलं वै वाकोल वायूर्वर्चावन । सर्वगद्भुत्म्य मध्यात् निक्षिया वासाहिता सा । इय यस्तगा निस्सहित्वा यथ्यानकोव
न्ध्यपि । सर्वमां स्रन्समिथ्यानिकष्टयाम्प्रानिनिलगः । यः कश्चिद्धाव प्रव्रहिर्याका । वाहोव निलगः । न समावी
जिनायपि लि मि स्वस्तिनाराङ्ग सरमनोतीमद । नि
नागराजत्र थेवच । धापिस व्यामहावीयावुद्धा । स
लेकनायवाः । श्रावकाः । सर्ववृद्धानां विद्याक्षमा महत्त्विका
बद्धाजिवेहि समनिप्त सिमनापावनकसर्वे । वज्र …
य्ययका व्राराज नश्वस्वस्त्वा । तस्मिन काल विद्या
क्षिनि वा राजीन गच्छ यः । गन्धर्वशिद लोके समाद्भुतमा विज्ञ स
इद्धवाः । महिमकेगा न मन्त्रातः काणिक्षियागतश्चवा । स
रूमिहि गणामस्म नथान्यमा यक्षापिकाः । अथ यत्र स्वमहाराजादेवाध्येन मंहर्द्धिकाः । निर्तीसवाक्षानियमि प्रियति मन्त्राभ वरनमवे । वुद्धाध्येव महात्मानो विद्याद्वज्ञा … हा बल । मातृगन्धर्व … नावाक्या
श्री वज्रकावालेया श्वेत महा श्वेता तथैव च । महाकाली च दृष्ट्वा चक्रहस्ता महाथा या वा । सूर्या गौ वज्रयास … व्याप्ति महाबलाः । … महादिव्या … मन्त्र … शुद्धि … । … नामानि कनव राम

५४।

कमला । कथावस्थाम हाराणा य मऊ ... लि स्नवन । मुच्यन्ती मणायूजा स्वविकाशावविमला । मुहा महा कथा वी वचाय विपुल माहिनी । माद स्नेवा ... सेवबुद्धा हिंकि कि नारिव । कायालिनी महा कामावथ
लीकश्वम । तथा । मूच्यास्वहवा विद्या ऽः सह्लानुयेहकाविका ४ न ... वदाकविपन्नि यस्यि विद्याकथ ... ता । कावीतीयाभिरवा देवडा मि ... दहिनी । ... श्रीडा ... देवनेनक्न स्मि सदानू गा ८
। म ह्यर्याहि स नाममती याश्रीयाचयम्मदा । सर्वसिद्धि सवकस्माः युङगतावि निर्भग ः । स्नुसग तो विवह्विनासू संघ सूति ... दसी । ... वथयथा यिन सर्वकि सवया मानऽसस्य
४ । पुण्यवाच्च लक्ष्मानिती धनधान्यय वद्धि । आदयवचन थ्वाये सूऊ नथ्याराव ब्राह्मि । ष्वविवाय य मय स्तु क्रियावायुक । आ धना । सत वल ... सुद्वानी । माकुणा थ मम् ... न ४ सु
स्वितस्य रावलि लि सर्वव्याधि विवाडि नं ४ । वाऊना कसग स्त्रसा सानः स्नुसम हाऊ नाथ । निर्मिसद्ध ल मल स्त्रा यु ध्मवासि । त्रिवर्हेन । मिथ्या ... सर्वत्र स्याप्स्रयविहसवमेस्तुते ।
वृतिसमयसु सीक्रिनप्रवचन तथा । इः स्वप्नानव वर्तिनं सर्वपाय हत्रीयवा । किं दिवाच्छ्वि वश्यकि येदिद मि कान थैवचं । सर्वा दविनाशाथिरा चित्ताल्लान मदधयेश सर्वका मेद्दाथ्य कासावयमा हु ।
निधानं । तद्विदानीं स्ववक्ष्यामि हृदः सर्वाः स्थली सुभ । नमो बुद्धाय । नमो धर्माय । नमः संघाय । नमः सर्वतथागतानां नमो नमः सर्वबुद्धबोधिसत्त्वधर्मसंघस्य । तद्यथा । ॐ विपुलगर्भे विमल ... ।

ॐ विपुल विमले विमल गर्भे वज्रज्वालागर्भे गतिगहने गगन विशोधनि सर्वपाप विशोधनि । ॐ गुणवति । गगन विचारिणि गगनविलि । गिरि गिरि । गिरि गिरि । निमिलि । समपि गमाचे । गहे गहे । गर्गा गिरि गुरि ।
गमरि गमरि । गह गहि । गर्गरि गर्गरि । गभरि गभरि । गति गति । गहि गहि । गमनि गमनि । गथ गथ । गुरु गुरु । गुरुगुरुने । गुहमुह । गुल्ले चिवले । गुहचिले गुहचिले । गुरुले गुरुले । वुलुवुलु । चले चले । मुचिलि मुचिलि । जयविजय । सर्वभय
विगते । सर्वगर्भ संरक्षणि । सिरि सिरि । सिरि सिरि । मिरि मिरि । धिरि धिरि । धिमि धिमि । गिरि गिरि । घिरि घिरि । समन्ताकर्षणि । सर्वशत्रुप्रम थनि । रक्ष रक्ष मां सर्वसत्त्वानञ्च । विरि विरि । मवाय ... दविताः सा
वेव्याविगत । विरि विरि । विरि विरि । धिरि धिरि । विगत तावरणविशोधनि विविधावरण विनाशनि । मुचि मुचि । मुचि मुचिः । मुलि मुलि । चिलि चिलि । किलि किलि । मिलि कमल
लविमले । जय विजये । जयावहे । जयवति । विशोधे । वति । रत्नवति । रत्नमकुटमालाधरि । बहुविविध विचित्र वेषधारि । चिति ... वति महाविद्ये ... रक्ष रक्ष मां सर्वसत्त्वानञ्च सम
न्तात् सर्वपापविशोधनि । हुरु हुरु । मुरु मुरु । रक्ष रक्ष मां सर्वसत्त्वानाञ्च नाथानाथानां त्राणपरायणान्यनाथ विमोचय सर्वदुःखेभ्यः । चण्डि चण्डि । चण्डिनि वेगवति सर्व
दुष्टनिवारिणि । विजयवाहिनि । हुरु हुरु । मुरु मुरु । चुरु चुरु । धुरु धुरु । आयुःपालिनि । सुरवरमथनि । सर्वदेवगणपूजिते । चिरि चिरि । चिरि चिरि । समन्तावलोकिते । प्रभे प्रभे । सुप्रभे सुप्रभ

५४

विशुद्धे । सर्वपापविशुद्धे । सर्वपापविशोधनि । धुरु २ धरणि धर । वर २ सुरु २ मुरु २ सुरु २ बल बालय सर्वदुष्टान् धूमय गन्धा संशोधय भस्म । ज्वल ज्वल [illegible] त्रि त्रिटि हूं २ वधि [illegible] सर्वविशुद्धे शोधय २

शुद्धे २ त्र २ हि [illegible] सुरु २ मंगलविशुद्धे । पवित्रमुखी । खड्गिनि २ खर २ ज्वलित शिखरे । समन्तावलोकित रश्मि सुप्रभविशुद्धे । समन्तमुखाभिवितान भासित शुद्धे । ज्वल २ [illegible] देवसमाकर्षणि । सत्य

व्रते [illegible] तर २ तारय २ मां सर्वसत्वांश्च नागविलोकि नि हुलु २ हुलु २ कुरु २ कुरु २ किलि २ खिलि २ हुलि २ सर्वग्रहदस्यु [illegible] मिलि २ धुरु २ मुरु २ मुरु २ सुरु २ मुरु २ पविद्य [illegible] । तर २ ता

गविलोकि [illegible] । तारय २ त्र गवति सुद्ध महा तथत्वं सर्व क्रसमन्तनदिगावश्वनवज्राकारवज्रपाशवद्धनवज्रज्वाला विशुद्धे [illegible] त्रि गवति [illegible] गोचनि । ज्योतिर्मा

वनि । क्रोधकरि सुचकि ज्वल २ वल २ [illegible] लतानि । सर्वदेवे वः । समन्तनदिप्याकवनगृहक व मणि २ नतान मानलि । शुचि सिद्धकर्मा सुगतध्वज वज्ररना [illegible] वधूयवद्धकर मां

सर्वत्र सर्वदा । सर्वतथगतः । सर्वाभिदेवत्याः । सर्वायसमन्ताः । सर्वभयविग्रहः । सर्वदुष्टसत्वपरी [illegible] । सर्वकलिकलहविग्रहविवादः । दुःस्वप्नदुर्निमित्तामंगलपापविशोधनि । सर्वयक्षरा [illegible] । [illegible]

विशि [illegible] बलार [illegible] जय २ विजय २ जय २ सर्वत्र सर्वकाले सिध्यन्तु मे । इमां महाविद्यां साधय । मण्डलं साधय विघ्नान् । जय २ सिद्धे २ सिद्धे स्थिरे भूः वरवयूध वयरभूः तलि २ भूतयमे । [illegible] सर्वविद्याभव [illegible]

८

ते । कथाहसिद्धधर्मकविजय नित्रिति श्रुति स्थिति शगवतिसमयमनुपालय सर्वतथागतहृदयशुद्धे [illegible] यमां सर्वविनायसर्वसत्वानां च महाकारुणिक [illegible] । सर्वाशापरिपूरणय [illegible] स्वाहा ।

सर्वग्रह [illegible] सर्वापन [illegible] शोधनि । समन्ताकारमण्डलविशुद्धे । विगत २ विगतमला सर्वमण्डलविशोधनि । सर्वमंगलविशुद्धे । सर्वामंगलविशोधनि । क्षिलि २ सर्वपापविशुद्धे । मलविगत [illegible]

ति । कथावति । वज्रवति त्रैलोक्याधिष्ठिते स्वाहा । सर्वतथागतमूर्धाभिषिक्ते स्वाहा । सर्वबुद्धबोधिसत्वाभिषिक्ते स्वाहा । सर्वदेवतथागतहृदयशुद्धे स्वाहा । सर्वदेवता [illegible] स्वाहा ।

र्वतथागतहृदयाधिष्ठितहृदये स्वाहा । सर्वतथागत स मयसिद्धे स्वाहा । इन्द्रे इन्द्रवति इन्द्रव्यवलोकिते स्वाहा । ब्रह्म [illegible] स्वाहा । विष्णुनमस्कृते स्वाहा । [illegible]

ष्ठिताय स्वाहा । वज्रधर वज्रपाणि बलवीर्याधिष्ठिते स्वाहा । धृतराष्ट्राय स्वाहा । विरूढकाय स्वाहा । विरूपाक्षाय स्वाहा । वैश्रमणाय स्वाहा । चतुर्महाराज नमस्कृताय स्वाहा ।

याय स्वाहा । यमपूजित नमस्कृताय स्वाहा । वरुणाय स्वाहा । मारुताय स्वाहा । महामरुताय स्वाहा । वायव स्वाहा । नागविलोकिताय स्वाहा । देवगणेभ्यः स्वाहा । नागगणेभ्यः स्वाहा । यक्षगणेभ्यः स्वाहा ।

क्षगणेभ्यः स्वाहा । गन्धर्वगणेभ्यः स्वाहा । असुरगणेभ्यः स्वाहा । गरुडगणेभ्यः स्वाहा । किन्नरगणेभ्यः स्वाहा । महोरगगणेभ्यः स्वाहा । मनुष्यगणेभ्यः स्वाहा । अमनुष्यगणेभ्यः स्वाहा । सर्वग्र

स्वाहा ॥ सर्वकृत्येभ्यः स्वाहा ॥ सर्वभूतेभ्यः स्वाहा ॥ सर्वपिशाचेभ्यः स्वाहा ॥ सर्वापस्मारेभ्यः स्वाहा ॥ सर्वविघ्नविनायकेभ्यः स्वाहा ॥ सर्वदुष्टग्रहेभ्यः स्वाहा ॥ सर्वकटपूतनेभ्यः स्वाहा ॥ सर्वदुष्टप्रदुष्टेभ्यः स्वाहा ॥
भूतेभ्यः स्वाहा ॥ ॐ हुरु हुरु स्वाहा ॥ ॐ कुरु कुरु स्वाहा ॥ ॐ चुरु चुरु स्वाहा ॥ ॐ मुरु मुरु स्वाहा ॥ हन हन सर्वशत्रून् स्वाहा ॥ दह दह सर्वदुष्टान् स्वाहा ॥ पच पच सर्वप्रत्यर्थिकप्रत्यमित्रान् स्वाहा ॥ [illegible] मामहितैषिणस्तेषां सर्व
४३ शरीरं ज्वालय दुष्टचित्तानां स्वाहा ॥ ज्वलिताय स्वाहा ॥ प्रज्वलिताय स्वाहा ॥ दीप्तज्वालाय स्वाहा ॥ वज्रज्वालाय स्वाहा ॥ समन्तज्वालाय स्वाहा ॥ माणिभद्राय स्वाहा ॥ पूर्ण
भद्राय स्वाहा ॥ कालाय स्वाहा ॥ महाकालाय स्वाहा ॥ मातृगणाय स्वाहा ॥ यक्षिणीनां स्वाहा ॥ राक्षसीनां स्वाहा ॥ प्रेतपिशाचडाकिनीनां स्वाहा ॥ आकाशमातॄणां [illegible] स्वाहा ॥ समु
गामिनीनां स्वाहा ॥ समुद्रवासिनीनां स्वाहा ॥ रात्रिचराणां स्वाहा ॥ दिवसचराणां स्वाहा ॥ त्रिसन्ध्याचराणां स्वाहा ॥ वेलाचराणां स्वाहा ॥ अवेलाचराणां स्वाहा ॥ गर्भहरेभ्य
ः स्वाहा ॥ गर्भसंधारणि स्वाहा ॥ गर्भसंध्यावरणि स्वाहा ॥ हुलु हुलु स्वाहा ॥ ॐ स्वाहा ॥ स्वः स्वाहा ॥ भूः स्वाहा ॥ भुवः स्वाहा ॥ भूर्भुवः स्वाहा ॥ चिटि चिटि स्वाहा ॥ विटि विटि स्वाहा ॥ धरणि स्वाहा ॥ धारणि स्वाहा ॥ अग्नि स्वाहा ॥ ते
जोवपुः स्वाहा ॥ चिलि चिलि स्वाहा ॥ सिलि सिलि स्वाहा ॥ मिलि मिलि स्वाहा ॥ बुध्य स्वाहा ॥ सिध्य स्वाहा ॥ [illegible] स्वाहा ॥ सीमाबन्ध स्वाहा ॥ सर्वशत्रून् जम्भ स्वाहा ॥ जम्भय स्वाहा ॥ स्तम्भय स्वाहा ॥ छिन्द स्वाहा ॥

भिन्द स्वाहा ॥ [illegible] स्वाहा ॥ बन्ध स्वाहा ॥ मोहय स्वाहा ॥ मणिविशुद्धे स्वाहा ॥ सूर्ये सूर्यविशुद्धे स्वाहा ॥ चन्द्रे चन्द्रे पूर्णचन्द्रे स्वाहा ॥ गोचनि स्वाहा ॥ विमोचनि स्वाहा ॥ ग्रहेभ्यः स्वाहा ॥ नक्षत्रे
भ्यः स्वाहा ॥ शिवेभ्यः स्वाहा ॥ शान्तिभ्यः स्वाहा ॥ पुष्टिभ्यः स्वाहा ॥ स्वस्त्ययनेभ्यः स्वाहा ॥ शिवंकरि स्वाहा ॥ शंकरि स्वाहा ॥ शान्तिकरि स्वाहा ॥ पुष्टिकरि स्वाहा ॥ बलवर्द्धनि स्वाहा ॥ बलवर्द्धनकरि स्वा
हा ॥ श्रीकरि स्वाहा ॥ श्रीवर्द्धनि स्वाहा ॥ श्रीज्वालनि स्वाहा ॥ नमुचि स्वाहा ॥ नमुचि स्वाहा ॥ मरुचि स्वाहा ॥ वेगवति स्वाहा ॥ ॐ सर्वतथागतमूर्त्ते प्रवरविगतभये शमय स्वभगवति
वति सर्वव्याधीः स्वस्तिर्भवतु मम सर्वसत्त्वानां च स्वाहा ॥ ॐ मुनि मुनि विमुनि वरे चुचि चलने भयविगते भयहरि बोधि बोधय बोधय बुद्धिलि बुद्धिलि सर्वतथागतहृदयजुष्टे
स्वाहा ॥ ॐ मुनि मुनि मुनिवरे अभिषिञ्चन्तु मां सर्वतथागताः सर्वविद्याभिषेकैर्महावज्रकवचमुद्रामुद्रितैः सर्वतथागतहृदयाधिष्ठितवज्रे स्वाहा ॥ ० ॥ समन
न्तज्वालामालाविशुद्धिस्फुरितचिन्तामणिमहामुद्राहृदयापराजितामहाधारणी ॥ ततः खलु भगवान् समनन्तरभाषितमिदं महावाङ्मणः [illegible] तत्र भगवन्महावाङ्मण
ः [illegible] महाप्रतिसराचार्या महाविद्याराज्ञः सहश्रवणमात्रेण महाब्राह्मणः तस्मात् [illegible] सर्वव्याधिविनिर्मुक्तो [illegible] यातारो भविष्यन्ति समन्ता

६४ मु[illegible]वकुवोयः तिवद्धितव्यः । नास्ति सत्त्वं कायक सिध्यति । किमिति मेसती । यदा कश्चित्तवस्तु निमहानगयवक्यवाहुलः । तदः क्रमायामाहः क्र क्षिगम[illegible]यदासह मोतिक[illegible] सर्वो भोसिद्ध नक्रमायपा
नरिः याद्रा[illegible]स्वेनस्य[illegible]ः । निर्गतः तदा डनपश्चि । नास्य किञ्चित् दिति । यदि क्षीणाः स्मिनाविष्वलनादक नतयः [illegible] विक या कुल यमानानक्र ह्रामवाडितरु मामि । तदा [illegible]या याडा क्षे कव्यया कु[illegible]
अुपि[illegible]स्वायपिहि । घ्नः । तत्र यस्मिनी [illegible]डुहिता । तदावा   कुलराद्रः क्रमायामाहः क्र क्षिगतः एवंङ मां विद्याम्न नस्यानावीत ।   अुरमां विद्यायां कु नुम्म वेणामहत्ता साधमिस्त्रिम्न नक्र[illegible]
ताहाव मूयगतः । नमो गोयायाः [illegible] कथयाः ग ।   वीन मयिना नस्य धृ । तत्र कासद्धनाः । प्रवी विद्या सर्व तथागताधि ।   ष्ठिता न नक्र कुना यमलवाक्मण अुपि नेदः ति । नवयश्चि ७
नमर्ज्जी नितान्धयया यपिडु । तद्वथमिति यदाम ।   हावाक्मण सूर्याचकमहानगरवयक[illegible]वलिकस्य प्रस्थिनः पू   आविद्याधादिकाम[illegible]न तननद्वियाव[illegible]न तन्क कानागरा
कुन्न कविनः । अुकथि[illegible]ता चथमादनगाद्धहान दाकुः । यावत्कुना [illegible] पादद्धः । मतीव्रवदनाविदयति । यथाजानाति वमजीवितेनिवृक्र मिति । तनवदनावाङ्कि काजुकृताः । नवकपि[illegible]नीति स्थिश्चि
क्रिश्रित्त्वक्तु । अथ सूर्य्यनसूर्याचक महानगर वयविमल विशुद्धिनोमाया सिवाह्वतिनरातिस्मा म[illegible]कृ[illegible]र । नद्यागता । तस्मादः यं महाविद्याराज्ञी जिह्वा प्रकृता । सातस्याभि कनुयमकोना । डव

संक्रमोगा स्महाविद्या प्रवर्त्तियामास समानयकवलायाम नुस्मतनाभूया निर्विमस्तति पतिलाखंकृवातन[illegible]स्या[illegible]व्यवि भावयित्वा ङ मामवनत्याहितयुक्त सहाविद्यां हृदयगतं कायतस्म । यथांव सिवदनुह
नश्चिरी । कुपिवमहाब्राह्मणा क्विंच विस्मृत मिति । वावाणस्या महानगयोम नुपूर्वेणानुविचरमाणो वाडाब्रह्मदहः ङ तिसख्या गाङ्गति । तत्र यावी लिशामि [illegible]विवल्लक्र राजावक्तुवनंवलकार्य सनाथ्य वाया[illegible]स्मिा
दानगरीयपि विवाधीविनागपितु मास्वाद्याः नामपाक्षत्र   स्महादहेस्मा मात्येनिवदितम । पदवयव वक्रधानगर मयहतेन   द्विङ्कुरुचल्लुवय नृयायीकृ यामायमतुल्यवयक्र विनस्म ।
गाजाकथयति । कुस्थाल्लुका तवन्नामा म नक्र । कुष्ठिम   ममहाप्रतिसवानाम महाविद्याराज्ञी यलाह मिमंवक्र नमंवल्ल   कार्य व[illegible]र्जु या मिर समीक दिष्यामि । कुम्य सा गिय सा
पुलिन[illegible] किमिद स्महा वाङ्नासाम्लि कदाचिद्   यिश्रुतमिति । वाडा प्राह । कुह मिदानी यत्सकट्टी नंक वि या   मि । अथस वाजाव ब्रह्मदत्ते नानाग ब्राह्मक विन न्यातग[illegible]ः पु
विवर्ष्य पत्तः ङ मा मम[illegible]प्रतिसर्वा महा विद्या राज्ञी यथा विधिना लिखित्वा शिवः का [illegible]वक्र[illegible]ङ मामवमहाविद्याराज्ञी कवि विद्धि त्वा सीथा ममभ्यः वतीयप्र कापिन नसर्वा[illegible]विवकुवमंवलंदायः म ।
नावतः श्मादितः । श्वताववायावविद्यावकुवनमतः । ङ तिक्षवासी वत्तवक्र वाजा मुकः ङ ति । यवद्धि महाब्राह्मण प्रपेत्त माहानु राव यमहाविद्याव[illegible] सर्वत्तथागतक्र रयम[illegible]विष्ठिताय[illegible] तिवाव

ष्यत्या । सर्वतथागतस्य मैत्र्यादि हस्त्या । अथ खलु भगवान् यद्भिर्ममसमयस्य [illegible] सुवानां सिद्ध [illegible] मानायितनीतं तस्यामानासत्वानां [illegible] यवसुखायत्र [illegible] । यं [illegible]
सर्वविद्यानां हीं यथा विद्यानां लिखितवादिनः कण्ठे बाधाय च्छिन्नमुक्ति । समनं वदति आगतो भिन्नित्ता वदितव्यः । सर्वतथागतकायस्थ तिवदितव्यः । [illegible] कायस्थ तिवदितव्यः । सर्वतथागत [illegible] तिवे
दितव्यः । सर्वतथागतस्य [illegible] तिवदितव्यः । [illegible] लिता । इति गर्भावस्थ तिवदितव्यः । सर्वघनस्थ तिवदितव्यः । स [illegible] मथस्थ तिवदितव्यः । सर्वपापावरणानि [illegible]
न वदितव्यः । सर्वनरकगतिविशोधनस्थ तिवदितव्यः । कः किमिति पूर्वस्य विधि [illegible] महावाक्षणं । कृत्वा तमस्मि [illegible] । [illegible] नवर्याहि [illegible] गतं नमि [illegible] दा
मूल्याय [illegible] दायकः [illegible] नगपार्श्व च यद्भवेत् तस्या [illegible] सर्वमपि [illegible] यति । यावद् [illegible] समयेन महाभ्यां विनाशयः । मर [illegible]
स्वीकृत नाम नु रूपवति । [illegible] । प्रतिगन्धोमहाक मूर्द्धागमनागन्धकवाति । भूयतस्मिन्नं वसुधरा पृथिवी पुद्गलगोड यामकावाप्नुयुः । प्रतिवसति । तेन तत्र [illegible]
नयेन सविशेषः [illegible] नमस्कृत्वा [illegible] महाविद्या [illegible] । समनन्तरवदेहा [illegible] इति सवायां महाविद्याराज्ञ [illegible]

[illegible] : सर्वे त्वामिस्य । यावे [illegible] इति । तस्याश्च नवा [illegible] यस्मिंस्तस्मात् । कालगतः । [illegible] वर्ण वकतवमन्दुल [illegible] तस्य [illegible]
ती । यावत्सा महाप्रतिसरा महाविद्याराज्ञी कण्ठे बद्धा वा स्थिता । समनन्तर [illegible] यस्य तस्या [illegible] स्मिन्न वीर्यो वा [illegible] सत्वानां सर्वदुःखं [illegible] । तत्र [illegible] । सर्व [illegible] यस
नमस्कृत्वा [illegible] स [illegible] इति । भूयतस्य [illegible] विस्मय [illegible] नित्य [illegible] यि [illegible] विस्मय [illegible]
नवः [illegible] । तस्याः [illegible] सत्वानां [illegible] । [illegible] नासित्वा [illegible] दहति नासिद्धा । [illegible] वा [illegible] । [illegible] यमा [illegible]
सियः [illegible] वा [illegible] । यस [illegible] धर्मराजा [illegible] । धर्मता [illegible] । [illegible] महादेवि । तम [illegible] धर्मराजा [illegible] निश्चयः । [illegible] यन [illegible]
ना [illegible] । किमतः कथं तां [illegible] कथं निदिव [illegible] । [illegible] नायम [illegible] । यमस्य धर्मराजस्य । [illegible] महादेव [illegible]
[illegible] नाम [illegible] नासीन [illegible] । कर्म [illegible] महाया [illegible] । [illegible] पुनर्याति सुवालयं । यमाधिप धर्मराजाव [illegible] इति [illegible] यम [illegible]
[illegible] । यथा [illegible] तथा [illegible] काय [illegible] यमस्य धर्मराजस्य [illegible] देववचनम [illegible] धर्मराज

दुर्वाया । पुनरिव तस्मान्नयथा स मनगच्छति दुर्गति । सुगतिं गच्छन्त्यासो भवति सर्वा सन्नाताविति ॥ पूर्वेन कथा नावे गच्छथा पुष्पलावती । तदेकथमदा [illegible] वर्णे । [illegible] सद्गुणो वि[illegible] ।
विवदा । अथ पुरयम युक्त बास्यामाणवकाणां युद्धलावती नगता । तयश्च यनिलितदाता राज धानीसमीपतथ । तवक्षेदसमन्तनवकाला सर्वकाली । मग्नागावीर्यमश्या [illegible] दक्षव [illegible] वनाग [illegible]
६७ अक्कनाल्लोकिन्नवा । यविवार्य समन्तनघुओकिवेल्यनूतवा नु । मावतस्मिन् यद्दि । घतिसवाह्ठ किनामदृष्ट्यिति । पुथमयका । वनसागत य [illegible] सर्वतो नियश्य [illegible] ।
चयनिसम । तब्रमतर्द्द वयथाल्वयधिकि हिति । समनन्तवाया । विततस्मिन्च वनयथैवगानमहास्तवरूपवादवीगवीर्य विकल्प याक्रिगावृहवयपू [illegible] तिनरूद्द हुनायलि [illegible] पूर्वार
वयूत्इदकं [illegible] । मनाति महावाक्ष्मणायविस्मतस्पूर्वीतस्मादव । स्समवविमहायतिस्वाधावयितकालिस्थितया । यथाविविनानिलं । शवीयंगताहितवीधार यितस्मा[illegible] सर्वविगनहूत्थ
सन्यविमुयस । मविकगतिरुयश्चेवस्य ३ ह्लचात । नवचि नागाकियातयिह । किमतिवियनस्यपिरूतत्यवम हावाह्मणाहि युमर्दनमहानगर्व [illegible] नामपुरश्री [illegible]
नकसम्यङ्दं । मविपूर्वं आगको ग्रामाग्राम सम्यग्घ । वर्द्धव । समहासार्थवाहत्तिस्मातवानू । कुथस महासार्थवाह । या[illegible]मासाग्रसमाहाशमूदमवन्ती । याक्रहिमिमिनेव । [illegible] । [illegible] ।
रुकल्मानागाध्वसैकृत्या । मदानामोतगिरस्य दक्षवानिविचफ इत्वामूल्न [illegible] निवज्यानियवकल्पिकमारवर्धा । तत्स्थवालास्वामहनाडंस्तनावाहनावयह स्मसीलैनगाहेत्वाकविवकु [illegible] गानिर । [illegible]

मेथनिमिमिलेयानिमवस्य ह [illegible] महानमूल्राणानंगहैकल्मावद्या । तदवनाविलोमानायावयशि न [illegible] धिलवा [illegible] विशान्तवति । ततस्मा सार्थवाहस्य गम्भकनूलावनूता [illegible] वदनमव वनू । मा [illegible] पुथ
महासत्त्वमावरास्मान्महारूयाह ॥ पुथलस्य महासार्थवाहादरविल्म महामति । वणिजाविस्मतोस्यानि [illegible] जमववीत ॥ मा मा हे वणिजा [illegible] कावीयनविदन । काङ्क्षामि [illegible] स्वामि [illegible] इस्व महा [illegible] वि
न । तना [illegible] नमनगोरू स्वावणिज ००० देववनमवुत्तने । किम ततनमहासत्त्वरूहिसामुमविज्ञानथ । यावक्षो विनमस्मा [illegible] तत्य सावान्महामम । कथं ना [illegible] न [illegible] यथावि [illegible] वि [illegible]
। ततहं [illegible] र्थयतिनास्व स्वामिमामि च्छिद्यामूढादथहं ॥ कुशिः ममममहाविद्यायतिसवानामविश्च न । मर्दनीस वेहहानमिहाव लयवान्कमा [illegible] तना [illegible] पूर्वादि [illegible] नाहि सूतान् । स्वश्क हाणीवा [illegible]
ततमहासार्थवाहस्य प्यास्वहायामिमाम्महायतिसवाम हाविद्यावतीति स्थिवा धजायावयाधिताकथाति स्म । समनन्तवधं जायावथादि [illegible] यामस्मानिहाभूमिवाया म्महाविद्यावाहा स
मुंशवतति मिमिलास्थया नमवहालीवहतयस्यन्ति । तत स्तनागामे ओमनसर्व धामद्विवा वतीयं पूजा कल्मावद्यां तवति मिमिलायां [illegible] सवाग्राहाविद्याषास्कनूतावे
तदक्षमाना । पुथयताथिनाविलयेगताः । तव सार्थिका सेमेहानालेमेहतिमहा वतहाथयाधिताः [illegible] तिहानवतीयं महाविद्या [illegible] सदा सर्वकथागताधिष्ठिताम [illegible] नामहाणाम्मणताह [illegible] स्थि [illegible] तदवा [illegible] त
स्माह्वस्य मवहं धजायावधाधिता रुद्रा धावयितव्या । सर्ववाहनाकालमधावियहदशनी । पुरुम मयति । सर्वद्वं वमनुस्मामनुस्मा विशव विवादपूर्य [illegible] भावयाति । सर्व [illegible] केनाताविन्नपूर्या ।

सस्मविनाडाकानप्रमनाति ॥ यसममस्थानि ॥ सर्वविद्दरविलम्प्यायद्दि देह्निणाविनसनि ॥ सर्वानि वयुथरुनयक्रवनस्थामतिसमादानि ॥ तिवक्षणीरूपवानिसाने ॥ सम्मगवयविधायहूमानि
हेतिविष्यति ॥ सूतिरुक्षानावृत्तिदायां ॥ सर्वेण सद्वैत्तरु विष्यानि कालवृत्ति दैविष्यन्ति ॥ नाकालदृष्टि ४ ॥ यद्युत स्मिन्निमथमहानागारुसमागेवकोतनकालवहनावाडके ॥ यस्मिन्समयक्र्ि दियायास्त्रीमहा
यतिसमनामयवविधानि नन्तर ॥ सद्धेमावायूजासेकार्य यदानानागस्वेननि पूथेनानायस्थेनानावत्ति ॥ समविहस्तिवावेत स्थायनि वजागणवमामिनक्षानानावाडर्थ सनातिनि
१७ ग्रमनानि ॥ घदद्धिणीकर्त्यां ॥ नतसूयाम्भहा मद्यानां य ॥ थविद्दित मासान्याश्यूवयियन्ति द्दवनागजवसम्पत्तुकयगसूथ वायथयाथविधनानानिप्रकथानथासमूयान ॥ स्थानीतित
नमूत्रानामियवदणीयमा ॥ सूसनवद्धगगर्ह ॥ सूयानेवय सूयत ॥ कालनवद्धिनगर्ह ॥ कालनयनि सूयान ॥ किमितिमहावाम ॥ णपूर्विसमामूर्ह्दवनाशविवियथवाडायसानिकवा
नामसूयूकावकुत ॥ किमिति यूगायिन यालीति सिन्धा नवानु ॥ मनयाहृजात मातृणयालि यूगायमानु ॥ सूनानूदीलाया नदाईकायमानूयवेवकलनासमुसगमानव सविता नि
स्वयातिरिमहनानीगणयवद्धनथमनाकायेणानन सयाह ॥ यगाविनयालि ॥ तिनामसूयानमरुन ॥ मूल्यजान समयाधायदायावनकजनामा ॥ निनहासरनाददिणावािधूगानयफ्रयवैमानीद्धावि
सवे ॥ सयाजणनवद्धनाह्मूणतिष्ठसनादवनादिमयनविणयेसूवद्धमिति सिक्ष्यायालयविसूनयन्ति ॥ कहासमाजानसयावनवायगहा ॥ यथायवकिमाजणसर्वयायवनकयनानि

वैसूवसयालिवामान्द्यालि ॥ दवानाकमहानियूजासकायालि कयानियूक्दनानवनूत्रलिलरुद ॥ मयोयानानानन्थागनवर्षानामूनद ॥ जानसकार्यकवुनावन ॥ नहालियसजानकायाल
यकयानि ॥ दानानिवदयानि ॥ दृयवासमूयनसनि ॥ म दानि वयूणानिकयानि ॥ सूकीतान्यानिदानानिदकान लसदमानहृदमायावाम णसूम्मिमवनायवियय
सन्नस्यसजनयदकृणिनगवनमद्दाय हनवमला वत ॥ सकृतेनलस्यमथामनसमागासनसमूल्यमावर्मीतिहका कस्थितमहासवायस्मिननिनाम ॥ सुविनदनि ॥ सहद
सवानामालिकमहाकमायालिस्मयकूयः मामवमि ॥ दविद्यामिलादातिसयामायलायवर्मीयगायन्निसा ॥ सूयकाश्विद वादरियूककविधायाणकस्थितन वदवनम
वदीक ॥ महमायसिन्निवगानस्मिकमीकविद्यामि ॥ यमीयथायामि ॥ यदामममकियिडृविष्याति ॥ तदाहेवमीमूद तियामि ॥ तसारूकवादान्यणीजमहायवाल
दययणाकालसमथनविषिनावकादानायादनः ॥ ननतसवेनजयविणाणायवायविलनूत्याय सर्वसंवद्ध नस्थावजिवामहायेतिम यावन्निर्वाजितर ४ ॥ एवेयानीवनमननम ॥ नमनम
सवानाऊ दाथिग्रः ॥ ३ ॥ वसमवृस्मान ॥ सूननकारणनकदानयथियवनगहनि ॥ एववद्धविवानकविय ॥ यूमाहिमस्वाव ॥ जनावनायमूनिमानदहानगनः मूजिना ॥

६८ कायिकामिदेवतामि । स्वप्नदर्शनदर्ल । एवमादिभिः नानामहानागसमन्तज्वालामालाविशुद्धिस्फुरितविमलामलामहामुद्राहृदयायवाङ्ति नाम [illegible] मलामहाविद्यायोसमाहृदयभिसवानाम [illegible] पृथ
विधिनालिख्य यथाविधिनाकल्पे । कृष्णिकृष्णिनडयवासासितायाः पूयमहिष्याद्या । सर्वीयवाधानन्तस्कपूरवद्धितिलज्जाङविष्यति ॥ पूथसवाद्यापूतेविवृद्धनस्मात्रववाञ्चात्मूलस्यनसिंझा
थिनकृतग्रहविषयश्चवज्रिलवाक्षणोत्सन्निपालय थाविधिनाकल्पायद्धिष्टनयूष्मनद्धतवाडवद्धितियत्नवृलानगा तयाडयवाश्यसिंहायाः पूयमाह्निष्यादचोयथाविधिनालि
ख्यमामाहाय्रत्दिसवाम्महाविद्याधारी कुष्ठवद्धवालि । महतीमहावुद्धवेलायुद्धग्रामकावर्ति । पुनकालिबद्धवेलविले यालिसत्वानान्धानानिदकानि । तथानवानामासानामक्ष
याव[illegible]ज्ञानदिशि[illegible] । शागिदिकादर्शीतीय । यये मयाध्वजवर्तुपुष्कलनयासमन्वागतेऽति । तथाहाद्दामकावि सर्वकार्यग्रामायूयवाहिनामहायुतिमूनानविति
नामस्यविद्यानाम्नी सर्वतथागतहृदिनाडग्रस्नाथी । यद्भूतामहोः सुवद्धा । यदासमादवानामिश्रामहासर्यामम[illegible] द्वे । साईक्षकृतिका[illegible]नामवमहाविद्याङ्गनवजुद्धाव
ग्राममध्ये[illegible] सर्वविभूतानि [illegible] सर्वतथागतविपानि सर्वविघ्नविनायकान् [illegible] एवंहिमहावाह्मणग्रन्थ । विलित्याद्नमूद्र [illegible] सवालिसद्वयमहासदृश्यमीमि

हाकृदिसी[illegible]विद्याधारी[illegible] । सर्वमाथयनवलस्यनाजुवति । यस्मिन्काकण्ठगताताङ्विष्यति । ससर्वतभ[illegible]मानाभिषिक्तानाङविष्यति । सर्वबुद्धवाधिसत्त्व[illegible]विष्यति । सर्वदे[illegible] म[illegible]
श्रीमान्नावाउनयूद्धयतिरिक्षसमन्तसमितवद्धिन । पुजितः सम्मानितानाङविष्यति । सर्वदेवाभूतगमूतविघ्नवम[illegible]पुजितानाङविष्याति । समन्त[illegible] विद्या[illegible]
विगताङविष्यति । सर्वकल्यद्धवायसमाध्यानस्वयगान्दिति । तस्मात्महासत्त्वस्य सर्वरोगाकविगमानाङविष्यति । सर्वेष्वयनाध्या । सम[illegible] ... माि
यानन वज्रायितवा[illegible]ताम्महाविद्यामन्त्रयहृदयानि । समन्तसमितन्तलितिविहाकायक[illegible]नानिष्टहायवानयितष्यानि । समन्तसमि[illegible] ... [illegible]
गथन । सर्वेड । स्वप्नइत्रिमिलमन[illegible]तावाविनष्यन्ति । सर्ववृक्षसर्व[illegible]यस्वप्राइरविष्यन्ति । [illegible] । कुतमन्त्रयहा । सिद्धा । सर्वकर्मा[illegible] ... [illegible]
विशुद्धहूं हूं रूरूहरहर स्वाहा ॥ ॐ कूमन विशालाकिनिगारीव कुलिमूलकपालिहूं रू रू हर हर स्वाहा ॥ पूयवाहिनाहृदयं ॥ ॐ विम लविपुलकरे[illegible]
ज्वलितिवलाविशोधनि हूं रू रू हर बुबुवती स्वाहा । हृदयहृदयविद्या ॥ पूयणाधे । सर्वबुद्धबोधिसत्वेश्वप्रकसन्निधानन एकस्वयनिधाभितानि मानिधार [illegible]
श्रीदहृदयवत्वात्मकानिमन्त्रपदानि सर्वतथागतवर्मीमुद्रयामुद्रितानि ग्राहिदङ्ताकमध्याशाश्ववणाकियूनलिरवनयणन [illegible]वावनयवदङ्मानाः [illegible] सर्वतथाग

३७ ॥ ग्रुसेसिलग्रह[illegible] ॥ महाप्रतिसरा महाप्रतिसरा महाविद्याराज्ञी सर्वमार कायिक दवन विध्वंसनकरी सर्वविद्यासनानुस्मा[illegible]नृत्यानि[illegible]

यमल्लेभूत्वा विषकाश्वादि क्षिप लग्रध्या गविङ्ख लो निवारकाणां चिकित्सितानां विध्वंसनकरी सर्ववृद्धवाणि सत्वा यो गलत[illegible]नानां [illegible]र्वानाम्न्या यिनालेन कवी महर्ष्यानी न्द्र कुल लि

खनवाचन स्वाध्यायन श्रवण धारणानि पूजकानां ॥ यमिधालिकर्य महाधारणी ॥ याव[illegible] धाविधाविधूनयिधिनी ॥ महाब्राह्मणं न्नायानि सवा महाविद्याराज्ञीन को विद्युज्जि

ह्वानि ॥ सवत्र यम महायुद्धीश्राम्या निय यथा देशा स्तो कि नविधि मंस किमि तिवूदेय विसान बमीर्यं महाविद्याराज्ञी सर्व विघ्नविनायकानां विध्वंसयित्री ॥ यदा रगनन्वियि

तयुद्ध सिन वाज्य नमलोकन कावक्षा कुलत्वस्मिप ॥ तामान्के न नाग इन्द्रथागता ॥ हेन्म[illegible] वृद्ध ॥ प्रथमाधि सवृद्ध थनुवाधिमन्कुनायसं[illegible] यस्ते शूस वृद्ध कुल सले

धर्म सिद्धि [illegible] द्वियि कुका मसु नासु स्नुरगवन ॥ म धैमार्ये ॥ सयथि वाशे बनकमारकाले[illegible]युनराननत्व्धर्मा विद्वैनानामूयायैरम मयथरेवगदा कुलीवैर्ह विविधम

बनिय वि[illegible] आविद्या नाधि विघ्ने नानाग्रह करणे ईवन सिनिमायिया गल वृद्ध दिवि भविवा यो दुवा य[illegible]अज्ञभा व्रह्मा ॥ ४ ॥ न ॥ सगवाविपूत स्यवस्ति त वश्या[illegible]निका नकाय लोके लावासि प्रवतामा ॥

स्फ ननिवासा मूर्ख [illegible] यशसी महाप्रतिसरा महाविद्याराज्ञी मनसा स्मरण[illegible] ॥ सर्वदु यामा स ॥ समनकरप्रवालिता यामसी महाप्रतिसरा महाविद्याराज्ञी [illegible] दवसविनि ३२

याधीयांसादहस्र नगव[illegible]मातासमविन वादन कमाहनि युत गत सहस्राणि पूर्वाणां सवक्षवचनानां हलिन रक्षयरधया गभूम वाघ्नि[illegible]भूत करनाम वंवारग्रवहस्रमाला[illegible]ग्रहनस्वव

न इह मावविध्वंसयनइह विलल्विह पूर्य नजीविन सर्वेद्ध ग्रहविघ्न विनायकानां थन रुगवना विहरणं[illegible] ॥ न सर्वदु मावाम[illegible]रक्षनानि निहि नाहवा ॥ कविङ्कि वाय दानिग्रा[illegible]यथा वक्र

लचा सिम मर्की वाखे वाह नाहलभमहानुरावा ॥ ४ ॥ लभ्म यूनस्र स्थागताय ॥ म विवयविनि गृ ॥ नासहपूरुषाह्व्यानस्मिन गवविकलीहला वाहियुसिहीवालिहरसीतां न वनयरा ॥

माविन स्त्रौ ॥ समसत्रौ ॥ समन्नोत्यवलीना ॥ हिन नाम गवनाय धर्मचक्री प्रवर्तितं यथा वृद्धैविति सर्वविघ्नविनायका न्मायांश्च यथा प्रगोलोकविध्वंसयिल[illegible] ॥ यायेगनलेदि

सर्वेहि महाब्राह्मणं मद्दोवलवर्ग आदियारमि नाग्राह्यौ यैमहाप्रतिसरा महाविद्याराज्ञी स्मन्त्र मुत्रेण सर्वव्यसनक्षय गैयवल्य[illegible]यियि निमूग गय यवि शुद्धानासहानां निम्ह

वा इह्वय नासी न स्मा ॥ नलेहि महाब्राह्मणं निलभवानुलय ॥ लमात्रणमनसिकलेह्यासवेकालेचलित खिहाधायिकण्णु गताहि ॥ वाधावयिनव[illegible] कमितिय[illegible]यताक्षय नाम महानाम

यांधाह्व ब्रह्मदेल स्वविहिनकान चिल्पूर्तु धैणाय राहहू ॥ हा न ॥ ४ ॥ सवा हाब्रह्मदहनवव कयुपूर्व स्य ॥ ४ ॥ नाहयरे ॥ रुदवन गल्हन नयूपूर्व जीविनाह्मसशायय[illegible]थन[illegible] सहवाह्मले पूर्वथ[illegible]हा मवैन

विवर्तनीताक्र मिकागानिफसमतपूर्य जीविनाह्व यचायधिक्कु मावत्रा ॥ ४ ॥ कदा सयु वृद्धौ ॥ मामहाप्रतिसरा महाविद्याराज्ञी मानसास्म न वान ॥ लिख्विलाकाचा[illegible] यथिसा[illegible] सस्वां

६०

महाविद्यायाः ॥ प्रभावेन कुसुमकदली हृताम्बरगुरुवंशु यथायाकुमध्याविकाः ॥ इति ॥ ततस्तु वज्रमकपूर्वका ॥ माभ्रक निश्चये [illegible] ॥ [illegible] ॥ तथा [illegible] ॥

या ॥ कुसुमतमास्मिन्प्रदत्तो यद्वा गुरुतागुस्ति तत्र वह्नि नियद्वगात सहस्राणि प्रतिवसन्ति यिसिताः गानि तद्रनी हा स्वा वयम ॥ तत्संपूर्वकवेयवा [illegible]

यान्ता तत्र यद्वा ॥ सर्वे प्रभमनसा हृदयचित्तयप्रभाविता मानुषीतकृत्यिमामद्य इति ॥ तयश्चाक्ति ॥ कुस्मामहाप्रतिसरायां मह विद्यावाह्नान [illegible]

ग्रहं हृदयवसवैवतयद्वा सौकृतः ॥ दृष्टमानीस्वडावीय ॥ यथ्यति ॥ कुथतयद्वाविस्मय मायमात्रं पूर्वमप्रदीत्वा वदिदीवीभत्सं वक्तव्याप्र [illegible] ॥ [illegible]

स्वयार्थे विस्तरणावाविनं४ ॥ तताः पूर्यावाता प्रकुपितस्थ शुभ्रहत ॥ कथयति ॥ यच्छर्व कवनागच्छति नं पूर्ववद्धानयाप्रविद्धि ४ ॥ तत ॥ सर्वपूर्व [illegible] वायूर्वैव [illegible]

तप्रविश्य तास्मिन्महायूरूपसानदीनिपूर्वकीर्हृतायथास पूर्वस्वलगतएव निश्चति ॥ तानि वक्तुंनानि स्वगुरुवस्तु प्रतिवन्ति ता नि ॥ वाहक [illegible] तायकौ [illegible] ॥ वा यथा [illegible]

मुद्रा वस्मयमिदं पूर्वयैस्म दृष्यत किं मते कारणं स्यादिति भवितर्कः ॥ सूथसराजातम्यूर्वमाकृथैव मादं किं ताः पूर्वप्रज्ञानासि ॥ सपूर्वकुडवाच ॥ नाहं महायाकि [illegible] ॥ [illegible]

वाही वानयाति ॥ तस्मात्प्रयत्नात्वंः ॥ वाडागुरुः ॥ गृहाक्स्थयीमिदं महत्महाविद्यास्तु तोमिता ॥ मा कलीका का कदगुरुसा सर्वे वृद्धै नयति कितो ॥ तावणी सर्वसिद्धोनां सर्वदुःखप्रमा [illegible]

रूदृसावनी ॥ कावृता कापुत्रिकेनोद्वैत्वा हा रागनिवारणी ॥ ततः राजायदूहस्यमान मनमहाप्रतिसरामहाविद्यावाह्नीय दुहितामानितादकिनीदितातस्मपूर्वमसयदवक्रकहावस्य जनयदहस्र पूर्व [illegible] नायं

मानियं कादल ॥ एवविदिम हाब्राह्मणस्य यम हाप्रतिसरामहाविद्यावाह्नीसर्वेत महत्कलीपुत्रीलसेन ॥ कुमतिजनणो याः सर्वैदुष्टविलः संदेहे ॥ पूर्वेमियंपवि कृतां महाविद्यावाह्नी नवक्रीस्वत्येति हे [illegible] ॥ तस्मादेवसम

यीकायक शूभगता स्वावाचयितव्या ॥ कुपितमहाब्राह्मण सूनवकणेयं महाविद्यावाह्नी सूयधास्यनविधान नलिखितव्या ॥ स्व थसमहाब्राह्मणोत्तीवक्र हमना कगवक्रैयथमण्डलतवानादि

शुणाप्यपूर्वमावलं ॥ कीदृशेनतद्भविधानेन यमहाप्र तिसरामहाविद्यावाह्नी लिखितव्या ॥ भगवाना ह ॥ शृणु महाब्राह्मणोत्रा महद्धके सर्वे महानुकम्पया ॥ यनमहावास्प्रतिसरा कुसुमान

कामसिंकटाल ॥ व्याधितानां कमाप्यार्थे श्रीणाम्हृसमुद्भवे ॥ सविधात्वि सत्वानां दानिवान्वाकुली ॥ इयनासामिताहृद्धानन्दकप्रयुष सम्भात ॥ वृहद्भूता यवरहृत्यिकलमुत्पाद्यवावध्या ॥ केतृणामप्रतिनिदि

कनभिप्रावाचिसमन्वित ४ ॥ हिताहितावामम यार्थावि सर्वसि वेपूर्वनिवसाः ४ ॥ प्राक्षावहुतमका थूरो ॥ कापूर्वीगलितलानव ॥ घ्माविवस्नुवी यावर कालप्रमितानिव [illegible] ॥ तमामण्डलकेकवाम्भ भामयसमावि

त ॥ पूर्व कृतम्बहरवाश्वयवाहमेमथानो उर्ले ॥ पूयधप्रयाथमवाधदातव्यात महापिदा ॥ ४ ॥ ध्रयनवहेन श्रीवस्य कापुरूतथैवरः यथामर्कवाप्रतूर्वे धवहात यानिविवानतथाना नाना दकारिनिदूष्या ॥ शियमा शालयथा निश्चि ॥ सर्वपूष्य

हलेवीडे मन्त्रियायसमुस्थितान् ॥ घृतमाक्षिकाइयाश्च यावकः वायसादिभिः ॥ पूर्वयहलिक्रम्यलकदणो यास्तुमसला नु ॥ कव्यथवहणादिक्रम यथभीमध्यमण्डले ॥ स्कानीयाः सनावा [illegible] जोवगन्धपूर्विता ४ ॥ सर्वाने वी

८१

लका थायिखद्गिश[illegible]न स्थितः ॥ सुख समिवासूत्रे[illegible]न बहु यित्वा विचक्षणः ॥ समस्त[illegible]न हृष्यातानि खत्वा मुसलादि हि ॥ [illegible] लिखि[illegible]ज्ञानलि[illegible]

लिखा ॥ यद्द्वा विस्तृत ऊँ वा ध्याय वायुन कृत्वा विन ॥ लिख लक्ष्मी सूत्रथो सम्मध्ये वा यन नवे वा ॥ मध्ये चन्द्रार्क द्वयो सर्वालिकान[illegible] मतमूल[illegible]श्रमाद[illegible]न[illegible] कार्यय[illegible]

स्नुतस्थित विद्य विन ॥ मालिहा वसु वर्णस्य नानावेत्न ॥ ख्विगेय तथ ॥ सर्वधर्माधिका हि[illegible] हकाले सुय वनाथ ॥ सर्वालि ॥ [illegible]

सुवर्णा द्विगमतः ॥ तस्मात् स्थितानि का यीलिखि धन्य ॥ नाम संज्ञय ॥ नानारूपाश्च कल्या मूद्रा विकृ[illegible]नी द्वय ॥ [illegible] ॥ [illegible]

कोशनालि समन्ततः ॥ सुधास्थित यमक्र वलि सद्‌ध्य ॥ द्वद्वके त्रिसूत्र्य स्वय[illegible]वीता [illegible]काले यद्द्व[illegible] यन्त्र [illegible]या ॥ [illegible]

तमवन्न कोखय तथा स्थायी लेख्य विधिविस्तर ॥ सर्व विविधविन्यालिका यथा हि विद्य[illegible] वक्तव्य वालेन मालिय[illegible] ॥ विलिख[illegible] ॥ [illegible]

क्रैल[illegible] थायीसूत तृतीय मन्त्रये ॥ वज्रध्य स्थम तावात्रैस्थ कृत्वाथ्ये सूर्य लिखन ॥ वाम लोके खड्ग श्रेष्ठमालिख्य ॥ [illegible] स्कन्धस्य च ॥ सत्व[illegible]स्वामिन मालिखन ॥ [illegible]

[illegible]स्य समाश्रयात् क्रीडायतिमत्यालिखे ॥ वामवत्र्येष्ठ[illegible]स्या समालिख्य ॥ गौर्य्यावाम[illegible] सत्य[illegible]लिखित[illegible] ॥ [illegible] लायामालिखे [illegible] ॥ [illegible] १४

स्वयं कृता ॥ स्वविद्यास्थ महाकालं लिखेद्देव समन्वितान ॥ सूर्याग्नायि यथा सूर्वे विविनार्क समालिखन ॥ लिखित्वैवं यथा[illegible] विविधं[illegible] वर्तित ॥ [illegible]स्व[illegible]भविष्यति ॥ कालाग्नि[illegible]मलि[illegible]

[illegible]ग्रेयम सौहित्य ॥ यमस्य मध्ये याज्यां वकुट्यायित तथा परं ॥ वक्र यस्थ तत्रालिख्य मूर्द्ध दीय यम सौस्थित गाढि लिखित्वा तथा यम यथाविधि मूर्द्धस्या ॥ कालायाम[illegible] समालिखे लिगसमाकुला ॥ [illegible]

हेवा यथा विधिपूर्वाहि ता ॥ नागाप्यस्थ लिनश्च वायोमालि ॥ कालानर्गा ॥ नयिसर्वसर्प यन्त्र हृदि व ज्वलति स्थिताः ॥ याशिवा ॥ नवलिलिनी ॥ सार्थ विलिखि[illegible] ॥ [illegible]सर्वा

विद्याश्च वा ॥ समालिखन ॥ वन्त्र सूर्य सुन कृत्वा [illegible] ॥ हात्र्यक्रीलिख खड्ग खङ्गानीयुत्तलाशा भविष्यति ॥ निश्चयाद्विविना ॥ लिख[illegible] कर्म[illegible] ॥ [illegible]

मतिमान्नरः ॥ सर्वसिद्धिकरं स्पृतं तस्मान्नित्यायन गा[illegible] ॥ वा ॥ प्रातिपत्न मसूनि स्वय दवनन[illegible]या ॥ लालकिप्रिय[illegible]मसी[illegible] ॥ [illegible]नानादि[illegible] ॥ [illegible]

मांयत्र यमाविशिष्ट कुलसमाज ॥ कृत्वा यथा विधि सूत्रा ॥ मलो सूर्य विलेमनः ॥ उन्मत्त समहा सर्व विद्या सौ[illegible] सर्व ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]स्वावकान ॥ नक[illegible] यथा विथि ॥ स्वेच्छया विधा ॥ पूर्व स्यि लिखित्वा तत्र भविष्यति महान्महि ॥ बुद्धास्य यथि समस्त [illegible] निलय ॥ [illegible]न सूर्य[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]विष्यति ॥ [illegible] सवन्नद्व वामी [illegible] तत्र [illegible] भविष्यति ॥ [illegible] यस्य विद्या सूर्य हि ना ॥ नासी [illegible] ॥ [illegible]

...कामि[illegible]यञ्तथा । मन्त्राक्रा[illegible]हयजागाया ययश्वस्म दानुणाः । तसर्वं महाविद्या[illegible] क्षियमीविद्यामृताविता । सर्वथा सर्वला[illegible]शृणु वक्ष्यामि तव ... [illegible]

वद्यावणाद्व मर्वत्र ॥ द्वतयाक्षविवादाश्वडकामि[illegible] यञ्तथा । मन्त्राक्रा... ॥ यथमकार्यः समाप्नुः ॥ [illegible] ॥ अथ[illegible]विद्याधर्मसम्बन्धाविधानमकर्त्ती वास्यामामि सर्वसत्व नाममृतकस्मया ॥ ... नममदा

सर्वसत्वानामाहि[illegible] ॥ [illegible] ॥ महाविद्यायासहस्रार्यम दाप्रतिसचाया ॥ यनिष्क्रसर्वेवमर्वयहनिवारणं । सुनव्वहानुक्रमलञ्च कर्मी सर्वकल्पदं । दत्ते ॥ [illegible] सर्वक्लेषा[illegible]लीकर्त्ते [illegible]

रविद्यामि ॥ यत्रयत्र इनांचक्षेत्र ववयत्र संलयवस्थितानिसि । थागर्वे ॥ सर्वेत सम्परमामद्रि वक्ष्यायायानुष्यः ॥ यत्ममिनाविदध्य । ग्रन्थाविद्याः सम्लक्षम ॥ यत्र वक्षामानु[illegible] यथुक्तो

६२ स्थितोकाश्चा दोयिवदानुणाः ॥ वृद्धमन्त्रहनव्वेन विघङ्कतं । वृद्धावक्त्रि सर्वविल्ला वाविसत्वाश्च भूतताथ ॥ सक्ति ग्रहलक्षुद्धा ॥ यद्ध काश्चमहातवाः ॥ [illegible] ववहविद्या[illegible]नीमत्वि ६१

दासहारुयाथ ॥ सर्वैश्च पलयिर्याक्षिप्रतिमचाता यतङ्गिताथ ॥ ग्रहवणमातृगणविद्यायाज्ञानथा हमथ ॥ निरेथासवर्तिसवेदः [illegible] सर्वमुनि [illegible] वववीर्त ॥ [illegible] भूतानां[illegible] गाथिववदानु[illegible]णाः ॥ का

काः ॥ [illegible] विद्वित्तसम्भमभूमिमन्त्र[illegible]मनितय ॥ भूस्मा ॥ तथादानुणाथ्यग्रसन्नममानुयायुज्ञा ॥ मनुष्याणां विनाशार्थी हि सर्वा ॥ वक्तुदानुणाः [illegible] यत्सर्वयाक्षिव[illegible] ग्रहदाय ॥

[illegible] ह महायात्रो येग्रहावाडजङ्गमा णाः ॥ ग्रम्भच वहविद्याचागागस्तु भूतातिविषविका ॥ अथतथायुक्तस्य विवर्द्धनाः प्रतिमा लिखनादति ॥ पवि[illegible] यथायन्त्र सर्वहस्य तवेव ॥ यावल्लिखित मात्र[illegible] सर्वानि नसेत ॥

णां ॥ [illegible] गाकतवक्षा ॥ गुवधा[illegible] विसमाप्त ॥ यदिग्रहवालयोगेन नीत्याधायियमाल्यय ॥ ॥ अथ युक्तस्मा विवर्द्धना प्रतिमा लिखनादति ॥ ...

यथाप्युक्तवलमात्रज्ञातवक्षाविद्यामताः ॥ हस्तिग्राम्भानि सर्वत्र भूषवङ्गीवतियवसया ॥ स्कृष्टवलिसमस्तादिकोटीनियुतशतानि च ॥ अथ[illegible] यथदवा ॥ सर्वेग्रहयुथागममात्र सर्वार्थ[illegible] ॥ [illegible] सुमखिता ॥

[illegible] लीकवालाःस्ववज्रयानि मृत्युहाबलः ॥ विद्याक्षल्लं ॥ गतेः सार्द्धं यक्षाज्ञ वेनिम्रिसूनः ॥ ग्रामसूमुमना ॥ भूर्ययूथवमाविष्णुमहश्ववाः ॥ यथाश्चमानिरुद्रश्च वलदवामहाविलिश्च[illegible] सकाम[illegible] नी

वसयुक्तिकाः ॥ याकाले ॥ याक्षिवक्षेव कालिवाथागते । श्वक्षः ॥ प्राणयिचमहादेवी विप्रमणाः ॥ सरश्वती ॥ संखिनी कृदद । श्रीचतथ[illegible] वा ॥ [illegible] मह[illegible] कोञ्जवी

क्षिनिलयगः ॥ यणनायूतज्ञननीमर्हस्तुनविवर्द्धनी ॥ वक्षयमहतीतस्याजावक्षावमृविद्याति ॥ ननोताञयदानित्ययु । द्वश्रीरो[illegible] दवतः ॥ मानिश्च

ताः ॥ अथ घायविनाशोऽकुलिखनादेवसिध्यति ॥ तथा ॥ गताविलाककिवाविमत्व लथेवच ॥ यथाश्चवर्धितस्याघूर्ण । माधु[illegible] विद्यालि [illegible]

स्त्रव्विधि तिमयावीभूसववग्रतिवृयान ॥ अथ ध्याः सर्वेषु फलाम सर्वकृतगणेवयि ॥ संग्राम वर्हमानस्य जया भवतिनि । स्यडः ॥ [illegible] मा[illegible] [illegible] वाहनूराः [illegible]

सायमहाविद्याविश्वासयनसविद्याति ॥ सिध्यक्षि सर्वकार्याश्च प्रविद्रसमवेभडल ॥ सिद्धिः ग्रहसमयश्रीमरवत्सर्वनेजातिभू ॥ विद्याशिव[illegible] नाम जिनानां[illegible] सर्वनिधि [illegible]

अथमालिखितमात्र ॥ सर्वेशोस्यासमृध्यति ॥ भूर्यकालक्रियाक्षवोरुवन्धुमंमदायणः ॥ विवादेकलहे चैव विग्रहे यनम दानुणे ॥ [illegible] सर्वन्निमुक्त जिना[illegible] नितिजाति[illegible] याभानि[illegible] ताः ॥

ंसमयः । नाज्ञानाद् आगारं [illegible] गान्धूय । महाङ्गनाः । सामान्यश्च धुवनि [illegible] साधुजिर्लोक सम्भवे । सर्वसाधः प्रियारा [illegible] थदवायच मानवाः । [illegible] विद्यार्हि दिवा [illegible] मन्त्रमदः

सम्यक्सम्बुद्धं व्याघिताः । नमो बुद्धाय नमो धर्माय नमः संघाय । नमो भगवते शाक्यमुनये महाकारुणिकाय तथागतायार्हते सम्यक्संबुद्धाय । नमः सर्व [illegible] सम्यक्संबुद्धेभ्यः । [illegible] नकानम [illegible]

गतं हृदयं [illegible] मिद्यानीय वक्ष्यामि सर्वसत्वानुकम्पया । ॐ मो विद्यां महातेजां महाबलपराक्रमां यस्यां भाषितमात्रायां मुनि नावद्धमयासने [illegible] माना [illegible] विनायक

। विघ्नान्धसङ्घीय [illegible] गतां । तद्यथा ॐ गिरि गिरि गिरि गिरि गिरि विवति गुलवति [illegible] काशवति [illegible] काशविशुद्धे । यायविगतं [illegible] गगनतले [illegible] [illegible] कलितां

सर्व । मणि [illegible] रवचितां [illegible] लेपय [illegible] सर्व । [illegible] मूनव [illegible] सुवर्णे [illegible] गोथ [illegible] ती नमूनागात । स्वभावे । नम । सर्वधर्मा बुद्धानां कलित [illegible] बुद्धे सुबुद्धे । भगवति [illegible]

सर्व । सूक्ष्म सूक्ष्म । वज्र वज्र । भगवति वज्रवति । वज्रे सूक्ष्मविमलेजयवज्रे । प्रचल [illegible] चल [illegible] महाचल [illegible] [illegible] लिमाला [illegible] मति [illegible] सिद्ध

[illegible] । [illegible] हमिडि । हामिडि । यो [illegible] । सर्वार्थसाधनि । हन हन सर्वशत्रून् । दह दह सर्वदुष्टान् । [illegible] विशा [illegible] डाकिनीनां मनुष्यामनुष्याणां च सर्वयक्षहृदयं । विध्वंसय [illegible] सर्वदुष्टानां [illegible]

[illegible] भगवति । [illegible] सर्वसत्वानां सर्वदा सर्वकार्याणि [illegible] । सर्वदुष्टानां [illegible] सर्वविघ्नविनाशनि । माहिलु [illegible] । मानिनि । [illegible] लिवित्ता । वि

[illegible] हुहु [illegible] । चीवति । प्रवर समय [illegible] लिमाला [illegible] वज्रे [illegible] सिगरसि । सुमति । [illegible] । भगवति । भगवति । [illegible] मति । हामिडि । [illegible] । मर्दनि । मदनि । सचलि । सचलि [illegible]

[illegible] मालिनि । महिले महिले । महामहिले । निगडनि [illegible] । महामहिलिनि । [illegible] वक्रे । वक्रवाकिनि । [illegible] कालिनि । [illegible] । सर्वव्याधिहरणि । [illegible] जिनि [illegible] मिलनि [illegible]

[illegible] । त्रिला [illegible] । [illegible] अवलोकिनि । वज्रमय [illegible] समन्तभद्र [illegible] विद्या [illegible] सर्व [illegible] सर्वदुष्ट [illegible] सर्वमन्त्र [illegible] मनुष्य [illegible]

सर्वसत्वानां । सर्वव्याधिहरे । वज्र वज्र वज्रिवज्रयालि [illegible] । हिलि हिलि मिलि मिलि किलि किलि चिलि चिलि सिलि सिलि वर वर वरद । सर्ववज्रजय [illegible] स्वाहा । सर्वयायाविद्यानि [illegible] स्वाहा [illegible]

[illegible] स्वाहा । सर्वभयहर [illegible] स्वाहा । स्वस्ति [illegible] । वज्र मम सर्वसत्वानां च स्वाहा । शान्तिकवि स्वाहा । पुष्टिकवि स्वाहा । [illegible] बल वर्द्धनि स्वाहा । ॐ जय [illegible] स्वाहा [illegible]

विमले स्वाहा । विपुले स्वाहा । सर्वतथागतमुद्रे स्वाहा । ॐ हूं [illegible] विमहापाकि स्वाहा । ॐ हूं [illegible] हृं [illegible] । वज्रवति [illegible] हृदये [illegible] मनुष्य [illegible] बल बल बलवति जयवति जय [illegible]

हृ [illegible] स्वाहा । ॐ मलि [illegible] वज्रिलि महायति [illegible] स्वाहा । [illegible] महावज्र [illegible] शाक्यमुनया तथागतेन [illegible] विद्या [illegible] शान्ति [illegible] स्वाहा [illegible]

[illegible] परिवार [illegible] सुखवति [illegible] विधन [illegible] तस्य [illegible] वसमयविद्यामायु [illegible] पुनरव [illegible] विवर्द्धते [illegible] तिस्मृति [illegible] [illegible] महा [illegible]

६४ चिकूञानं। सर्वेसगाथ्याः प्रसत्वानि। दौ ग्रायंयमर्जनमाङ्गल प्रसर्गीम [illegible] मन्यायाथा [illegible] यामि [illegible] बोक्षा [illegible] विनानर्वाम [illegible]
दधि कूञ्ज मनुकानि। सर्वदुष्ट वः। भिमन्दय वनागय कादीनि चाक्षत्डाउ [illegible] यमदा [illegible] यमग्रा [illegible]
दृष्ट्वा मृत्युनियनिम। सर्वं मृद्देव हिं कौरु चिन्तयन्तु लवाया मन्त्रः [illegible]
नङ्गावानुरु मृत्युवाचाभामाथ्यावावाङ्ग लोत्वादृक्रियावान दध्या [illegible]
नकावृथिस्थानि। ययथ्य बविमन्दराभीयकासयिष्यति। तस्यम [illegible]
पानेत्रिवणान मनुकर्मेन नृपयांगोननाक्षि मूलंननिथ्यावाति [illegible]
ह। स [illegible] नितौवर्णलाकीने विष्यति। संजलसद वर्ष्मालमदन्दद [illegible] विष्यति। यथा वा [illegible] विष्यति। यथा [illegible]
कुर्वि। सर्वेनजकांडिगं योमिगालिगन्द नगश्रावयलि पवि मृत्ताक विष्यति। यथावा [illegible]

४७सी
मिनञमनन सर्वे सत्वानां विक्लसकालानि सुकादायिष्यति। सर्वेकुत्स्यवा [illegible] सर्वेश [illegible] विष्यति [illegible]
ताक्षनयोमियस्मात् विद्या वा ह्यी स्म हिष्या। ततस्क सर्वेदृष्ट विकल विद्या [illegible] विष्यति [illegible]
यथ्यायविष्यति। सर्वेशक्तुगलेराजमहाराजमहामात्येवीदय [illegible] सर्वे [illegible]
सर्वेयन्मीञ्जलेन्मृ सोतविष्यन्ति। मनुष्यास्य स्यतिवल्लारविष्यति। [illegible] सर्वेम [illegible]
सोदि [illegible] मस्ताविनागानी। स्त्रीपुरुषयाम्यवावाद्धिविद्ययेदि मद [illegible]
द। प्रभु मतारागाह्य राजनेयान मूलम। [illegible] मनसावावा [illegible]
भात्यवृद्धनानाहं। कृविष्यन्ति विकृणारसी सर्वेयम्मीगति। अनद ४। एवं दिव्य [illegible]
दृष्यापियिवा। युद्धसंग्रामकलहडिङ्का लोयेवदावृणा ४। सर्वेत्रलये मार्गि [illegible]

५१ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] वुद्धाली कानुकम्पया [illegible] । सर्वबुद्धानुमोदन । सर्वप्रत्येकबुद्धानुमोदन । सर्व [illegible] नुमोदन । सर्व [illegible] नुमोदन । सर्वश्रावकानुमोदन । सर्व [illegible] नुमोदन । [illegible]

[illegible] नुमोदन । [illegible] नुमोदन । [illegible] नुमोदन । [illegible] नुमोदन । [illegible] नुमोदन । [illegible] नुमोदन । सर्व [illegible] नुमोदन । [illegible]

१४ मूघूक्षमूक्षतमूघाक्षमूक्षत ऽ ॥ मालिपूक्षुहुंतिक्षयशामक्षुनिगेद्धुनतिगेद्धुनवूहः ॥ प्रविशालिमहादनालिदवादवक्षुनू ॥ सन्तु [illegible]
सौनि वद्धवलासहस्राणि क्षुमूयन्तुायं ॥ मूनकालिनवक्षूमूनसहस्राणिप्रविशालिः ॥ वक्षुनिवक्षुत सहस्राणि क्षगवलाः ॥ तयु सन्नानिप्रवक्षुल्हि सर्वसत्वानामर्थालतयामाक्षुनथे [illegible] ॥ [illegible]
नुन निगेद्धुन ॥ ह्रिप्रियमलायन ॥ यह्रिमूर्यडुष्टचिलन यलायनतनस्थेन ॥ यमक्षचिलानयवाथेकामास्वाचिनूनलीय तुकामास्कतिक्षुमनथेयविशाक्षुः ॥ मूहि [illegible]
नवमाक्षयवयति ॥ मूमूक्षुमूमूक्षुमूमूमूमूक्षु ऽ ॥ मूक्षु मूक्षुमूक्षुमूक्षुमूक्षुमू ऽ ॥ मूक्षुमूक्षु मूक्षुमूक्षु ऽ ॥ पूक्षुपूक्षुपूक्षुपूक्षु ऽ ॥ मूमूमूक्षु ऽ ॥ प्रविशति ॥ मूक्षु ॥ मूक्षुमूक्षु ॥ मूक्षुम ६७
मूक्षुमूक्षुमूक्षु ८ ॥ मिचिमिचिमिचिमिचिमिचिमिचिमिचि ऽ ॥ मूक्षुमिचिमिचि ॥ मूक्षुमिचि ॥ मूक्षुमिचि ॥ मूक्षुमिचि ॥ मूक्षुमिचि मूक्षुमिचिमिचि ॥ मूक्षुमिचि ॥ मूक्षुमिचि ॥ मूक्षुमिचि ॥ मूक्षुमिचि [illegible]
मूक्षुमिचि मूक्षुमिचि ॥ ऽ ॥ मूक्षुचीलिमूक्षुचीलिमूक्षुचीलिमूक्षुची लिमूक्षुचीलिमूक्षुचीलि ऽ ॥ चिचिचिचिचिचि ऽ ॥ चीचीचीचीचीची ऽ ॥ मिचिमिचिमिचिमिचिमिचिमिचि [illegible] ॥ मिचि
विलिविलि ॥ कक्षा ॥ कक्षका ॥ ककेका ॥ कक्षकेका ॥ कक्षक्षा ॥ कक्षक्षा ॥ कक्षक्षा ॥ कक्षक्षा ॥ कक्षक्षा ॥ कक्षक्षा ॥ कक्षक्षा ॥ कक्षा ॥ ८ ॥ कक्षकीकक्षकीचीति ॥ कचिथ कक्षक्षा ॥ कक्षचीथविचिचि [illegible] ॥ ८ ॥ [illegible]
[illegible] मूनाथानाथा विविधिक्षुविक्षुविक्षुसक्षुविक्षुनाथानाथानिगेद्धुन ॥ विमूनिगेद्धुन ॥ यलायनविमूयलायन ॥ यह्रिमूर्यडुष्टचिलनमलायनतनस्थेन ॥ [illegible]

आसि ॥ प्रविशति सर्वे सत्वा हिताय भगवती विहारी कामुणि कामुदिता विक्षायाः ऽ यक्षा विहारी ॥ एतत मक्षु यदाः सिद्धाः सिद्धगाथा सिद्धि नादिना ॥ सर्वे बाद सत्वानां [illegible]
सतत्थ यमेत्थ यथिय ॥ क्षुमानानतय ॥ सर्वा सामन्द्रा [illegible] ॥ विशालि कायस्म [illegible] विलम्विवली ॥ [illegible] ॥ सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ [illegible]
कः सर्वः [illegible] गाळुक्षते थन [illegible] सर्वे सत्वा नां सर्वः स्वस्ति कवि खाति ॥ यनसर्वे [illegible]
निलि सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ गतियेः सर्वसत्वानां [illegible] ॥ [illegible] सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ [illegible]
नः सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ यस्मि जाल [illegible] ॥ [illegible] सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ यस्मि [illegible]
ताः सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ [illegible] ॥ सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ यस्मि [illegible]
सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ [illegible] ॥ सर्वः स्वस्ति कविष्यति ॥ [illegible]
[illegible] सर्वा [illegible] ॥ स्वस्ति [illegible] ॥ स्वस्ति [illegible]

६१

स्थि न॥ सर्वे क स्वस्थि वा रा तु मा य र्था या य मा ग म ॥ सर्वे सत्वाः सर्वे प्राणा॥ सर्वे म न स्थ क व ल्लाः॥ सर्वे ध म्मा श्विनः स तु सर्वे स त्व नि या म या॥ सत्व [illegible]
नि स मा ग मा नि स्थि ता नि कु मा व थ या नु गे क ॥ कु व कु मे ग म त त स गा मू दि वा य व रा स य व न्तु ॥ सर्वे वे क द का य थु य ना न न्दा कु ग व त॥ प्रति [illegible] क्र की ल य र [illegible]
त्रा नु मा व ला म न्त्र य द्धा नि मा य त स्व॥ ६ मा थ्व गा था ४॥ वि स व न॥ वि स व न॥ वि स व न॥ वि स व न॥ वि स व न॥ ऽ॥ बु द्धा नि म नु व मा क मू का य य ति॥ सर्वे बु द्धा नु [illegible]
नु म ते न॥ सर्वे वि दा नु म त न॥ सर्वे गे का नु म त न॥ सर्वे व का नु म ते न॥ सर्वे स त्वा व रा का नु म त न॥ सु य क क्र मा नु म त न॥ का म थ्व वा नु म त न॥ ६ त्रा नु म त न॥ देवा न [illegible]
न॥ सर्वे सू त्रा नु म ते न॥ सू स न य त्र्या नु म त न॥ सर्वे क नु म त न॥ वि स व न॥ वि स व न॥ वि स व॥ वि स व न॥ वि स व न॥ ऽ॥ बु हा ला का नु क म्य क सू का य यति॥ मू [illegible]
था न॥ ऽ॥ मा नि स्व कुः ६ नि क्र य सा म्य नु॥ नि गे छु त नि गे क न॥ ३॥ बु द्ध प्र वि शा नि म हा द वा नि द्द वा द व ४ मु नु॥ स त्रा ध द वी ः स त्व क्ष वी ः स य त्रा यु नि का ३ व त्रा व [illegible] हा के [illegible]
कि ग्रम का नि व द व ता स ह स्रा दि॥ सु म न्त्रा व व स म का नि व [illegible] प्रा णि य वि शा द्धि॥ व हु नि व न्दु स ह स्रा णि का ग व [illegible] मा नि सु य [illegible] सर्वे स त्वा ना म थी न वा मा न थं वि या [illegible]॥ नि गे छु त॥ नि गे छु ता [illegible]
छु ता नि गे छु न॥ ऽ॥ क्रि य य ला य त॥ य द्दि सू य दु ध चि ल न य ता थ त न थ्य त॥ थ मे त्र चि ल गो ग्रया य का मा न स्का व नु व हि कु को मा स्के ति व कु म त थ ग्रवि [illegible] ला का नु न थ्य व॥ थ व मा का य यति॥ सु म कु

सु मू नु॥ सु मू नु॥ ऽ॥ क मू नु॥ क मू नु॥ क मू नु॥ क मू नु॥ ऽ॥ सू क मू कु सू कु मू कु॥ ऽ॥ सू क मू क मू क मू क॥ ऽ॥ मू मू मू मू॥ ऽ॥ द्रा हि द [illegible] कु [illegible] मू क॥ द॥ मि वि मि वि मि वि [illegible]
॥ ऽ॥ मू कु मि वि॥ मू क मि वि॥ मू मू मि वि॥ मू मू मि वि॥ मू क मि वि॥ मू क मि वि॥ मू क मि वि॥ मू क मि वि॥ मू क मि वि॥ मू कु मि वि॥ मू कु मि वि॥ मू कु मि वि॥ १ ऽ॥ मू [illegible] ति॥ मू [illegible] ति॥ मू कर्त्री॥
करोति॥ ऽ॥ वि वि वि वि वि वि वि वि ऽ॥ वी वी वी वी वी वी वी ऽ॥ मि वि मि वि मि वि मि॥ वि मि वि मि वि मि वि ऽ॥ द सि मि व ति॥ मि वा वि मि मि व द्दा॥ क व कु ता॥ क कु वा॥ य द क वा वा॥ [illegible] वा॥ क कु वा॥
॥ का कु वा॥ का की वा॥ क कु वा॥ ८॥ व कु वा नि॥ कु वी य॥ क कु वा॥ क॥ कु वी प्र ति॥ वि वि वि वि वि वि ति॥ व कु वा दि॥ कु वि कु वि कु वि कु वि कु वि कु॥ वि कु वि॥ मू ना था ना था वि वि थि कु रि व [illegible]
ना भा नि ग च्छु त वि यू नि ग च्छु त॥ य ला य त वि यू य ला य त॥ य द्दि सू य द्दु दु चि ला न य ला य त न भ्य त॥ बु द्धा ला का नु क म्य का ऽ व मा का य यति॥ य वि श ति॥ स द्दे से त्व हि ता [illegible]
वी॥ ऽ य का वि द्दा वी॥ प्र त म न्त्र य द्दाः सि द्धाः सि द्ध॥ गा था ति भा द्दि ता॥ ४॥ सर्वे बा द व मा नो दि कु ता ना कि नि ते व ला॥ कु न न्ना भा सु म ना य त॥ था व र्गे॥ या यि व॥ कु ग ता [illegible]
॥ वि श कि का य स म द्दा त्रि ध स्ल वि व ली कु ता॥ गा कु त्रि ल हु ना या स॥ स व स्व स्ति क वि प्य ति॥ या ऽ ग म्भा कु मा गो सा त्रि व ऽ य ति ना य क ४ द गा व॥ सर्वे य ध्वो ता सि व॥ स्व [illegible] य प्य ति॥ मा नि स्यै [illegible]
स व द्दे स ता ना॥ स व स्व स्ति क वि प्य ति॥ प्य न स वै कु ग श्री त नी कु वि ल न ता य ना मा लि तं यू कु व द्दि सीं स व स्व स्ति क वि प्य ति॥ मा नि स्ये सर्वे स त्वा नां [illegible] व व [illegible]

[illegible] सर्वसत्वाद कश्चि [illegible] ॥ [illegible] सवः स्वस्ति, कश्चि [illegible] महावीरसम्बुद्धा ॥ [illegible]

[illegible] मुदिता सर्वः स्वस्ति कश्चि [illegible] ॥ यदि [illegible] प्रव [illegible] सर्वः स्वस्ति [illegible]

[illegible] सर्वजिता [illegible] यिनाः ॥ [illegible] सर्वज्ञ [illegible] सर्वः स्वस्ति कश्चि [illegible] ॥ स्वस्ति वः [illegible]

६८ [illegible] ॥ बुद्धमूलोनुशासनं [illegible] तानामतं न ॥ [illegible] समाधिः [illegible] ॥ स्वस्ति [illegible]

[illegible] ॥ स्वस्ति [illegible] ॥ [illegible] स्वस्ति [illegible] ॥ सर्व [illegible] सर्वज्ञो [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] याय [illegible] ॥ [illegible] समागता निःक्लेश [illegible]

[illegible] बुद्धानुशासनं [illegible] देवता [illegible] ॥ [illegible] ॥ मङ्गल [illegible]

[illegible] निरोध [illegible] महाश्रमण ॥ [illegible]

मङ्गल [illegible] कलौ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] विवा [illegible]

६९ [illegible] ॥ [illegible] सं १२० [illegible] श्रावणमास [illegible] पक्ष [illegible]

[illegible] সংস্কৃতি
1.641
[illegible] ARCHIVES

[illegible]

ASHA
1641